आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्

दैनिक **नवप्रदेश**

प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर
3 राजधानी — पूर्व सीएम जोगी की तबीयत....
4 रविवारीय — धरती पर भगवान का दूसरा रूप...
9 मनोरंजन/खेल — इरफान को याद कर इमोशनल...
11 व्यापार — खादी ब्रांड की स्वीकार्यता...

www.navpradesh.com
बिलासपुर, रविवार 10 मई 2020, कृष्ण पक्ष-तृतीया , विक्रम संवत-2077 वर्ष-06 अंक-30 पृष्ठ-12 मूल्य-3 रुपए
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, झारखंड, से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

एक बात तो माननी पड़ेगी की बेवड़ों में गजब की सहनशीलता होती है। वे दारू पीकर भले ही जघन्य अपराध कर लें लेकिन सरकार की नाइंसाफी के खिलाफ कभी आवाज नहीं उठाते। शराब चाहे कितनी भी महंगी हो जाए वो खुशी खुशी उसे खरीद कर गटकते रहते हैं। आज तक शराबियों ने महंगी, मिलावटी या जहरीली शराब के खिलाफ कोई आंदोलन नहीं किया है। कोरोना काल में भी ये बेवड़े घंटों कतार में लग कर और अपनी जान से खेलकर अर्थव्यवस्था को मजबूती देने का काम कर रहे हैं। अपना मजाक उड़ाए जाने का भी बुरा नहीं मान रहे हैं।

केंद्र ने बदली कोरोना मरीजों के संक्रमित होने की पॉलिसी

संक्रमण हल्का तो डिस्चार्ज से पहले टेस्टिंग जरूरी नहीं

नई दिल्ली/ए.। कोरोना वायरस संक्रमित मरीजों को रिकवर होने के बाद डिस्चार्ज करने की नीति में बदलाव हुआ है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने नई पॉलिसी शनिवार सुबह जारी की। नए बदलावों के तहत, संकमण के ल्के मामलों में डिस्चार्ज से पहले टेस्टिंग की जरूरत को खत्म कर दिया गया है। पेशेंट में कोई लक्षण ना दिखने और हालात सामान्य लगने पर 10 दिन में भी अस्पताल से छुट्टी दी जा सकती है। डिस्चार्ज होने के बाद, पेशेंट को अब 14 दिन की बजाय 7 दिन होम आइसोलेशन में रहना होगा। 14वें दिन टेली-कॉन्फ्रेंस के जरिए मरीज का फॉलो-अप किया जाएगा।

असिम्प्टोमेटिक मरीजों के लिए यह व्यवस्था

ऐसे मरीज जिनमें कोरोना के लक्षण न के बराबर हैं, उन्हें कोविड केयर फैसिलिटी में रखा जाएगा। जहां उन्हें रेगुलर टेम्प्रेचर चेक और पल्स ऑक्सिमेट्री मॉनिटरिंग से गुजरना होगा। अगर 3 दिन तक बुखार न आया हो तो मरीज को 10 दिन के बाद डिस्चार्ज किया जा सकता है। उससे पहले टेस्टिंग की जरूरत नहीं होगा। डिस्चार्ज के वक्त मरीज को 7 दिन तक होम आइसोलेशन में रहने को कहा जाएगा। डिस्चार्ज से पहले, अगर कभी भी ऑक्सीजन सैचुरेशन 95 पर्सेंट से नीचे जाता है तो मरीज को डेडिकेटेड कोविड हेल्थ सेंटर ले जाया जाएगा।

डिस्चार्ज होने के बाद क्या

मरीज को छुट्टी मिलने के बाद 7 दिन तक होम आइसोलेशन में रहना होगा। अगर बुखार, कफ या सांस लेने में तकलीफ जैसे लक्षण डेवलप होते हैं तो मरीज को कोविड केयर सेंटर या स्टेट हेल्पलाइन या फिर 1075 पर कॉन्टैक्ट करना होगा। 14वें दिन मरीज का फॉलो-अप टेली-कॉन्फ्रेंस के जरिए किया जाएगा।

गंभीर मरीजों के लिए नई गाइडलाइंस

ऐसे मरीज जो ऑक्सीजन सपोर्ट पर हैं, उन्हें क्लीनिकल सिम्प्टम्स दूर होने के बाद ही डिस्चार्ज किया जाएगा। लगातार 3 दिन तक ऑक्सीजन सैचुरेशन मेंटेन रखने वाले मरीज ही डिस्चार्ज होंगे। इसके अलावा एचआईवी पेशेंट्स और अन्य गंभीर बीमारियों वाले पेशेंट्स को क्लीनिकल रिकवरी और आरटी-पीसीआर टेस्ट में नेगेटिव आने के बाद ही डिस्चार्ज किया जाएगा।

थोड़े गंभीर मामलों के लिए सीधे ऑक्सीजन बेड

थोड़े गंभीर लक्षण वाले मरीजों को डेडिकेटेड कोविड हेल्थ सेंटर में ऑक्सीजन बेड्स पर रखा जाएगा। उन्हें बॉडी टेम्प्रेचर और ऑक्सीजन सैचुरेशन चेक्स से गुजरना होगा। अगर बुखार 3 दिन में उतर जाता है और मरीज का अगले 4 दिन तक सैचुरेशन लेवल 95फीसदी से ज्यादा रहता है तो मरीज को 10 दिन के बाद छोड़ा जा सकता है। मगर बुखार, सांस लेने में तकलीफ और ऑक्सीजन की जरूरत नहीं होनी चाहिए। ऐसे मरीजों को डिस्चार्ज से पहले टेस्टिंग से नहीं गुजरना होगा।

फंसे लोगों के लिए मांगी थीं 11 ट्रेनें फिलहाल 4 की ही अनुमति

मजदूर, छात्र, आपात स्थिति में फंसे लोगों के लिए है सुविधा

■ **राज्य सरकार की इस ट्रेन में आने के लिए ऐप से होगी बुकिंग**

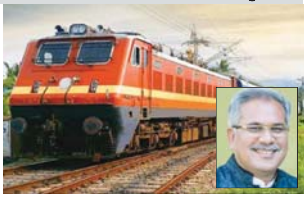

नवप्रदेश संवादाता

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल और निर्देशन पर लॉकडाउन के कारण अन्य राज्यों में फंसे छत्तीसगढ़ के श्रमिकों, छात्र और मेडिकल इमरजेंसी वाले व्यक्तियों की छत्तीसगढ़ वापसी का रास्ता साफ हो गया है। छत्तीसगढ़ सरकार ने 4 श्रमिक स्पेशल ट्रेनों को कन्फर्म कर दिया है। इन ट्रेनों में आने के लिए लोगों को राज्य सरकार द्वारा जारी एप्प में एप्लाई करना होगा। छत्तीसगढ़ सरकार ने इस एप्प का लिंक जारी कर दिया है। राज्य सरकार ने यह स्पष्ट किया है कि इन ट्रेनों में वे ही लोग आ सकेंगे जिसमें अन्य राज्यों में काम के लिए गए श्रमिक, छात्र-छात्राओं और मेडिकल इमरजेंसी वाले व्यक्तियों के अलावा ऐसे लोग आ सकेंगे जो किसी काम से दूसरे राज्य गए थे और वहां लॉकडाउन के कारण फंसे हुए है। छत्तीसगढ़ सरकार ने जिन 4 ट्रेनों को कन्फर्म किया है।

इन रेल रूटों पर चलेंगी पहली 4 ट्रेन

उनमें पहली ट्रेन पठानकोट पंजाब से चांपा, दूसरी ट्रेन साबरमती अहमदाबाद से बिलासपुर, तीसरी ट्रेन साबरमती अहमदाबाद से बिलासपुर तथा चौथी ट्रेन विजयावाड़ा आन्ध्रप्रदेश से बिलासपुर शामिल है। राज्य सरकार ने इन ट्रेनों में सफर के लिए एप्प का लिंक जारी कर दिया है। इस एप्प में एप्लाई कर लोग इन ट्रेनों के माध्यम से छत्तीसगढ़ वापस आ सकेंगे।

अच्छी खबर

छग से होकर जाने वाले श्रमिकों को राज्य की सीमा तक पहुंचाएं: सीएम

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने विभिन्न राज्यों के ऐसे श्रमिक जो छत्तीसगढ़ से होकर अपने राज्यों में जा रहे हैं, उनके लिए भोजन और पानी की व्यवस्था के साथ ही उन्हें राज्य की सीमा तक पहुंचाने के लिए आवश्यक व्यवस्था के निर्देश सभी जिला कलेक्टरों को दिए है। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा है कि छत्तीसगढ़ से होकर अन्य राज्यों में जाने वाले श्रमिकों को परेशानी न हो इसका पूरा ध्यान रखा जाए। मुख्यमंत्री बघेल के निर्देशन पर त्वरित पहल करते हुए रायपुर जिला कलेक्टर द्वारा रायपुर में श्रमिकों के लिए भोजन-पानी सहित आवश्यक व्यवस्था शुरू भी कर दी गई है।

शाह ने अपने स्वास्थ्य को लेकर जारी अटकलों को किया खारिज, बोले-

मैं पूर्ण स्वस्थ हूं

शाह ने कहा- कई लोगों ने मेरी मृत्यु के लिए भी ट्वीट कर दुआ मांगी है

नई दिल्ली (ए.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया में अपने खराब स्वास्थ्य को लेकर जारी अटकलबाजियों पर विराम लगाते हुए कहा कि वे पूर्ण स्वस्थ हैं। उन्होंने कहा कि मुझे कोई बीमारी नहीं है। मैं सुबह से लेकर देर रात कर अपने काम में व्यस्त रहता हूं। उन्होंने यह भी कहा कि मेरी मौत की दुआ मांगने वाले लोगों का भी धन्यवाद है। जब यह मेरे संज्ञान में आया तो मैंने सोचा कि ये सभी ■ शेष पृष्ठ 8 पर

मैं पूर्ण रूप से स्वस्थ, मुझे कोई बीमारी नहीं

इसलिए, मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि मैं पूर्ण रूप से स्वस्थ हूं और मुझे कई बीमारी नहीं है। हिंदू मान्यताओं के अनुसार ऐसा मानना है कि इस तरह की अफवाह स्वास्थ्य को और मजबूत करती है। इसलिए, मैं ऐसे सभी लोगों से आशा करता हूं कि वो यह व्यर्थ की बातें छोड़कर मुझे मेरा कार्य करने देंगे और स्वयं भी अपना काम करेंगे।

कई लोगों ने मेरी मौत की दुआ मांगी

कुछ मित्रों ने सोशल मीडिया के माध्यम से मेरे स्वास्थ्य के बारे में कई मनगढ़ंत अफवाहें फैलाई हैं। यहां तक कि कई लोगों ने मेरी मृत्यु के लिए भी ट्वीट कर दुआ मांगी है। देश इस समय कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से लड़ रहा है और देश के गृह मंत्री के नाते देर रात तक अपने कार्यों में व्यस्त रहने के कारण मैंने इन सब पर ध्यान नहीं दिया।

30 हजार करोड़ के पैकेज के लिए सीएम ने पीएम को फिर लिखा पत्र

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर राज्य को आगामी तीन माहों में 30 हजार करोड़ रूपए का पैकेज शीघ्र स्वीकृत करने का पुनः अनुरोध किया है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि यदि यह आर्थिक पैकेज स्वीकृत नहीं किया जाता तो आर्थिक संकट के कारण राज्य के सामान्य काम-काज का संचालन भी संभव नहीं हो सकेगा। मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में यह भी कहा कि राज्य की अर्थव्यवस्था को पुनः पटरी पर लाने के लिए इस पैकेज में से 10 हजार करोड़ रूपए की आर्थिक सहायता तत्काल दी जानी चाहिए ताकि राज्य ■ शेष पृष्ठ 8 पर

लाखों परिवारों के सामने आजीविका का संकट

छत्तीसगढ़ राज्य में अभी तक तुलनात्मक रूप से कोरोना वायरस के प्रसार की स्थिति अन्य राज्यों से बेहतर है। राज्य में आपदा से निपटने के लिए संपूर्ण तंत्र को यथासंभव सुदृढ़ किया जा रहा है। लॉकडाउन की लंबी अवधि के कारण राज्य में सभी प्रकार की आर्थिक गतिविधियां बुरी तरह प्रभावित हुई हैं, जिससे लाखों परिवारों के सामने आजीविका का संकट उत्पन्न हो गया है। भारत सरकार द्वारा वर्तमान में कोरोना वायरस के संक्रमण की स्थिति को देखते हुए जिलों को रेड, ऑरेंज और ग्रीन जोनों में विभाजित कर सीमित आर्थिक गतिविधियां आरंभ की गई है।

डब्ल्यूएचओ ने भी चीन को माना जिम्मेदार

कहा- वायरस के फैलने में चीन के वुहान की भूमिका

नई दिल्ली/ए.। कोरोना वायरस चीन के वुहान शहर से निकलकर पूरी दुनियाभर में फैल गया। कई लाखों लोग इस वायरस की चपेट में आ चुके हैं। वहीं, अब विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी माना है कि वायरस के फैलने के पीछे चीन के वुहान का रोल है। हालांकि, उसने और रिसर्च की बात की। चीन के प्रशासन ने जनवरी महीने में वुहान में बिकने वाले जानवरों की मार्केट को बंद कर दिया था।

पॉम्पियों पहले से ही चीन पर उठाते रहे सवाल

मालूम हो कि अमेरिका के मंत्री माइक पोम्पिओ लगातार कहते रहे हैं कि हमारे पास सबूत है कि कोरोना वायरस का संक्रमण वुहान की लैब से निकला है। पोम्पिओ ने 'फॉक्स न्यूज' को दिए एक साक्षात्कार में कहा था कि हमने इस संबंध में जो खुफिया जानकारी एकत्र की है, मैं उसके बारे में नहीं बता सकता, लेकिन हमारे पास इतनी जानकारी है कि हम अब हमें इस बात पर पूरा भरोसा है।

ये थी चर्चा : ऐसी चर्चाएं थीं कि इसी वुहान की मार्केट से किसी जानवर के जरिए से इंसानों में कोरोना वायरस का संक्रमण ■ शेष पृष्ठ 8 पर

कोरोना अपडेट

देश	कंफर्म केस	मौत
भारत	59,881	2,000
अमेरिका	1,324,352	78,701
ब्रिटेन	211,364	31,241
इटली	217,185	30,201
स्पेन	262,783	26,478
फ्रांस	176,079	26,230
बेल्जियम	52,596	8,581
ब्राजील	147,003	10,037
जर्मनी	170,643	7,510
ईरान	106,220	6,589
नीदरलैंड	42,382	5,422
कनाडा	66,434	4,569
टर्की	135,569	3,689
स्वीडन	25,921	3,220
मैक्सिको	31,522	3,160
स्वीट्जरलैंड	30,251	1,823

शेयर बाजार

सेंसेक्स- 31642.70
निफ्टी- 9251.50
गोल्ड- 45848 (10 ग्रा.)
सिल्वर- 43317 (1 कि ग्रा.)

ईडी ने अटैच की एजेएल की 16.38 करोड़ रु. की संपत्ति

आदेश में वरिष्ठ कांग्रेस नेता मोतीलाल वोरा का भी नाम

नई दिल्ली (वार्ता)। प्रवर्तन निदेशालय ने शनिवार को कहा कि इसने कांग्रेस पार्टी की ओर से प्रवर्तित एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड और कांग्रेस पार्टी के नेता मोती लाल वोरा की 16.38 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क करने का आदेश जारी किया है। एक मनी लॉन्ड्रिंग केस में यह कार्रवाई की गई है। ईडी ने कहा कि कुर्क की गई संपत्ति मुंबई में 9 मंजिला इमारत है, इसमें दो बेसमेंट भी हैं और 15 हजार स्क्वायर मीटर में बना हुआ है। प्रिवेंशन ऑफमनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत प्रोविजनल अटैचमेंट आदेश एजेएल और मोती लाल वोरा के नाम जारी किया गया है। वोरा एजेएल के प्रबंधकीय निदेशक हैं। एजेएल, वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं द्वारा नियंत्रित है, जिसमें गांधी परिवार के सदस्य भी शामिल हैं। यह समूह नेशनल हेराल्ड अखबार चलाता है। नेशनल हेराल्ड अखबार की स्थापना 1938 में जवाहरलाल नेहरू ने की थी। उस समय से यह अखबार कांग्रेस का मुखपत्र माना जाता रहा। अखबार का मालिकाना हक एसोसिएटेड जर्नल लिमिटेड यानी 'एजेएल' के पास था। आजादी के बाद 1956 में एसोसिएटेड जर्नल को अव्यवसायिक कंपनी के रूप में स्थापित किया गया। वर्ष 2008 में 'एजेएल' के सभी प्रकाशनों को निलंबित कर दिया गया और कंपनी पर 90 करोड़ रुपए का कर्ज भी चढ़ गया।

बंगलादेश से दिल्ली लौटे 129 भारतीय

नई दिल्ली (वार्ता)। विदेशों में फंसे भारतीयों को वापस लाने के लिए शुरू किये गये वंदे भारत मिशन के तहत शनिवार को 129 यात्रियों को बंगलादेश से दिल्ली लाया गया। दोपहर बाद करीब तीन बजे दिल्ली के इंदिरा गांधी हवाई अड्डे पर उतरी। सात मई को की गयी थी और अब तक 17 शिशुओं समेत 1,587 भारतीय स्वदेश लौट चुके हैं। पहले दो दिन में 17 शिशुओं समेत 1,458 भारतीय स्वदेश आये थे। पहले दिन एयर इंडिया एक्सप्रेस की दो उड़ानों में संयुक्त अरब अमीरात से नौ शिशुओं सहित 363 लोगों की वतन वापसी हुई थी।

पूर्व सीएम अजीत जोगी को पड़ा दिल का दौरा, डॉक्टर बोले-72 घंटे अहम

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर । छत्तीसगढ़ के पहले मुख्यमंत्री अजीत जोगी की तबीयत फिर से बिगड़ गई है। शनिवार को उन्हें दिल का दौरा पड़ने के बाद आनन-फानन में रायपुर के श्री नारायण अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि पूर्व सीएम की हालत गंभीर बनी हुई है। मेडिकल बुलेटिन के मुताबिक उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया है। और चिकित्सकों ने देर शाम जारी दूसरी मेडिकल बुलेटिन में श्री जोगी के स्वास्थ्य के लिए आगामी 72 घंटे अहम बताए है। श्री जोगी शनिवार को सुबह नाश्ता करते वक्त उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। इसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया। जोगी को श्री नारायण अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। जहां डाक्टरों की गहन निगरानी में उनका ■ शेष पृष्ठ 8 पर

सीएम बघेल ने दिया हर संभव मदद का आश्वासन

दूसरी तरफ छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अजीत जोगी के पुत्र अमित जोगी से फोन पर चर्चा कर पूर्व सीएम अजीत जोगी के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। बघेल ने अमित जोगी को आश्वस्त किया कि चिंता न करें अजीत जोगी के स्वास्थ्य के संबंध में राज्य सरकार द्वारा हर संभव पहल की जाएगी।

गरमा-गरम

अपनी बात — एम्स दिल्ली के डायरेक्टर के अनुमान को लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री का जवाब

कुछ हफ्तों में घट जाएगा कोरोना का ग्राफ

■ **डॉ. गुलेरिया ने कहा था- जून जुलाई में पीक पर होंगे कोरोना के मामले**

नई दिल्ली/ए.। कोरोना संक्रमितों की संख्या में होने वाली बढ़ोतरी देश के लिए चिंता की वजह बनी हुई है। इस बीच स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन का बयान राहत देने वाला है। उन्होंने एक निजी चैनल के साथ बातचीत में कहा कुछ ही हफ्तों में कोरोना का ग्राफ न सिर्फ फ्लैट हो जाएगा बल्कि रिवर्स भी होगा।

एम्स दिल्ली के डायरेक्टर डॉ. गुलेरिया ने कहा था कि जून-जुलाई में कोरोना के मामले पीक पर पहुंच सकते हैं। इसपर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, 'मेरी कोई बात नहीं हुई है। मुझे नहीं पता कि क्या सोचकर उन्होंने यह बयान दिया है लेकिन व्यक्तिगत तौर पर मैं कह सकता हूं कि मैं आशावादी हूं। आने वाले सप्ताहों में धीरे-धीरे पूरी तरह से फ्लैट होगा और रिवर्स भी होगा। निश्चित तौर पर कोरोना के खिलाफ जंग में हमें निर्णायक विजय प्राप्त होगी।'

देसी किट का होगा इस्तेमाल

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि खुशखबरी यह है कि हमारे वैज्ञानिक मई में ही ऐंटीबॉडी टेस्ट किट और आरटी-पीसीआर टेस्ट किट भारत में बनाना प्रारंभ कर देंगे। आने वाले समय में इन किट्स का ही इस्तेमाल होगा। उन्होंने यहा भी कहा कि कई जगहों पर वैक्सीन खोजने का काम चल रहा है और कई ह्यूमन ट्रायल तक भी पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा कि आज एक लैब से 452 लैब बन गईं। आज 80 हजार टेस्ट रोज कर रहे हैं। हमने 31 मई तक 1 लाख टेस्ट करने की बात कही थी। हम टेस्टिंग के मामले में दुनिया के किसी देश से पीछे नहीं हैं। आज सारे देश में हर जिले में टेस्ट हो रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री ने मामले बढ़ने की बताई यह वजह

डॉ. हर्षवर्धन ने कहा कि टेस्ट का दायरा बढ़ने और कॉन्टैक्ट ट्रैसिंग में तेजी की वजह से आजकल ज्यादा केस आ रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, 'आज देश में संक्रमितों का आंकड़ा करीब 56 हजार हो गया है।1800 लोगों की मौत हुई है। 17 हजार लोग ठीक होकर घर लौट गए हैं। 30 प्रतिशत हमारा रिकवरी रेट है। आबादी है 135 करोड़ यानी दुनिया के ■ शेष पृष्ठ 8 पर

स्वस्थ हुए और पांच मरीज अब राज्य में 16 पॉजिटिव

कबीरधाम के 3, सूरजपुर व दुर्ग के 1-1 मरीज डिस्चार्ज

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। एम्स रायपुर में भर्ती कोरोना के 21 मरीजों में से 5 शनिवार को स्वस्थ हो गए हैं। इसके साथ ही अब राज्य में कोरोना पॉजिटिव मरीजों की संख्या घटकर 16 हो गई है। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने शनिवार को ट्वीट कर एम्स रायपुर में पांच मरीजों के स्वस्थ होने की जानकारी दी है। ट्वीट के मुताबिक स्वस्थ होने वालों में कबीरधाम जिले के तीन मरीज शामिल हैं। इनमें दो महिलाएं व एक ■ शेष पृष्ठ 8 पर

आंकड़ों में हाल

कुल मामले - 59
स्वस्थ हो चुके-43
एक्टिव केस -16

अब जिलावार एक्टिव केस की संख्या

दुर्ग - 8, कबीरधाम- 3
रायपुर- 1, सूरजपुर-4

कोरोना पर अमेरिका को यह गलती पड़ी भारी? लॉकडाउन पर एक्सपर्ट की रिपोर्ट को लेकर ईमेल से हुआ यह खुलासा

वाशिंगटन। कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के बीच लागू लॉकडाउन को समाप्त करने या नहीं करने के संबंध में अमेरिका के शीर्ष रोग नियंत्रण विशेषज्ञों की विस्तृत सलाह को ठंडे बस्ते में डालने का फैसला व्हाइट हाउस के शीर्ष अधिकारियों ने किया था।

सरकार के आंतरिक ईमेलों से इस बात का खुलासा हुआ है। इन ईमेल से पता चलता है कि जब एपी ने बंद खोलने के लिए दिशा-निर्देश संबंधी दस्तावेज को दबा दिए जाने की गुरुवार को खबर दी थी तो उसके बाद ट्रंप प्रशासन ने इसके अहम पहलुओं को त्वरित मंजूरी देने के आदेश भी दिए। 'द एसोसिएटिड प्रेस' को प्राप्त हुए ईमेल दर्शाते हैं कि रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) में देश के शीर्ष जनस्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कई सप्ताहों की मेहनत के बाद दिशा-निर्देश तैयार किए, ताकि जन स्वास्थ्य आपात से निपटने में देश की मदद की जा सके, लेकिन व्हाइट हाउस के शीर्ष अधिकारियों ने उचित कारण दिए बिना ही उनके काम को खारिज कर दिया। 'अमेरिका को पुनः खोलने संबंधी

रूपरेखा के क्रियान्वयन के लिए दिशा-निर्देश' शीर्षक वाले दस्तावेजों को लॉकडाउन हटाने या नहीं हटाने के संबंध में फैसला करने के लिए नेताओं की मदद करने के मकसद से तैयार किया गया था।

मंजूरी ही नहीं दी थी

व्हाइट हाउस की प्रवक्ता कायलीग मैकनेनी ने शुक्रवार को कहा था कि इन दस्तावेजों को सीडीसी के निदेशक रॉबर्ट रेडफील्ड ने मंजूरी ही नहीं दी थी, लेकिन नए ईमेल दर्शाते हैं कि रेडफील्ड ने इन्हें स्वीकृति दे दी थी। इसके बावजूद इसे 30 अप्रैल को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया।

व्हाइट हाउस को भेजी थी 60 पन्नों की रिपोर्ट

रेडफील्ड ने 10 अप्रैल को ही दिशा-निर्देश अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के निकट सहयोगियों के साथ साझा किए थे। तीन दिन बाद सीडीसी के प्रबंधन ने 60 पन्नों की रिपोर्ट व्हाइट हाउस के प्रबंधन एवं बजट कार्यालय को भेजी थी। ऐसा अकसर तभी किया जाता है, जब एजेंसियां उनके द्वारा स्वीकृत दस्तावेजों को व्हाइट हाउस की अंतिम मंजूरी के लिए भेजती हैं।

बिना कारण बताए खारिज कर दिए दस्तावेज

एक सूत्र ने अपनी पहचान गोपनीय रखने की शर्त पर बताया कि दस्तावेजों के अनुसार सीडीसी ने दिशा-निर्देशों को मंजूरी दिए जाने के बारे में कई बार जानकारी मांगी, लेकिन 30 अप्रैल को सीडीसी के दस्तावेजों को बिना कोई उचित कारण बताए खारिज कर दिया गया। बता दें कि अमेरिका में कोरोना वायरस से मरने वालों की संख्या 80 हजार पहुंचने वाली है।

एयर इंडिया के चालक दल के सदस्यों को दिल्ली में ही रोका जाना चाहिए: कमिश्नर

नोएडा। गौतमबुद्धनगर के पुलिस आयुक्त ने एयर इंडिया से अनुरोध किया है कि उसके चालक दल के सदस्य जो गौतमबुद्ध नगर जिले में रहते हैं और विदेशों में फंसे भारतीय नागरिकों को वापस लाने के लिए शुरू की गई उड़ानों में ड्यूटी कर रहे हैं, उन्हें केंद्रीय प्रोटोकॉल का पालन करना चाहिए और उन्हें इस अवधि के दौरान दिल्ली में ही रखा जाना चाहिए। शुक्रवार को गौतमबुद्धनगर के अतिरिक्त पुलिस आयुकत ने कहा था कि जिला प्रशासन और अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह से परामर्श के बाद हमने एयर इंडिया को दिल्ली में काम करने वाले अपने दल के लिए ठहरने की व्यवस्था करने के लिए कहा है।

गौरतलब है कि कोरोना वायरस महामारी के बीच अतिरिक्त सावधानी बरतते हुए उत्तर प्रदेश और हरियाणा ने दिल्ली से लगी सीमा को पूरी तरह से सील कर दिया है। इसके कारण एनसीआर के शहर, नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम, फरीदाबाद, सोनीपत, रोहतक, बहादुरगढ़ से दिल्ली आने-जाने वालों को अनेक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मूवमेंट पास के साथ आवश्यक सेवाओं से जुड़े वाहन और कर्मचारियों को ही बॉर्डर पार करने की अनुमति दी जा रही है।

भारत में कोरोना: केंद्रीय मंत्री हर्षवर्धन बोले-

भारत बुरे से बुरे हालात का सामना करने को है तैयार

देश में कोरोना वायरस के करीब 60 हजार मरीज, अबतक 1981 लोगों की गई जान

- रोज आ रहे ढाई से तीन हजार नए केस, ठीक होने वाले पेशेंट्स की संख्या भी बढ़ी
- डॉ हर्षवर्धन ने कहा, विकसित देशों में जैसे हालात बने, भारत में वैसा होने की संभावना नहीं

नई दिल्ली (वार्ता)। पूरी दुनिया में कहर बरपा रहा कोरोना वायरस भारत में शायद उतना खतरनाक ना साबित हो। अमेरिका, इटली, स्पेन, फ्रांस जैसे विकसित देशों में कोविड-19 के कारण लाखों लोग मारे गए हैं। हालांकि भारत में उतने बुरे हालात नहीं होंगे। केंद्र सरकार का अनुमान तो यही कहता है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ हर्षवर्धन के मुताबिक, 'देश बुरे से बुरे हालात का सामान करने के लिए तैयार हो गया है।' उन्होंने कहा कि 'कई विकसित देशों में जैसे हालात बने, हम उस तरह की स्थिति भारत में बनती नहीं देख रहे हैं।'

सारे इंडिकेटर्स जगा रहे उम्मीद

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने जानकारी दी कि पिछले तीन दिन में, कोरोना वायरस मामलों का डबलिंग रेट करीब 11 दिन का रहा है। पिछले सात दिनों की बात करें तो डबलिंग रेट 9.9 दिन हो जाता है। शनिवार को डॉ हर्षवर्धन ने कहा कि देश में कोरोना से मरने वालों की दर 3.3 प्रतिशत है जो कि दुनिया में सबसे कम फैटलिटी रेट्स में शामिल है। इसके अलावा भारत का रिकवरी रेट 29.9त्न हो गया है। हर्षवर्धन ने कहा कि यह सब बेहद अच्छे संकेत हैं।

भारत ने बदली पेशेंट डिस्चार्ज पॉलिसी

बढ़ते कोरोना केसेज के बीच, केंद्र सरकार ने मरीजों की डिस्चार्ज पॉलिसी में बदलाव किया है। अब सामान्य केसेज में डिस्चार्ज से पहले टेस्टिंग की जरूरत नहीं रह गई है। कोरोना पेशेंट में कोई लक्षण ना दिखने, उसकी हालात सामान्य लगने पर 10 दिन में भी अस्पताल से डिस्चार्ज किय जा सकता है। डिस्चार्ज होने के बाद, मरीज को 14 दिन की बजाय अब 7 दिन के होम आइसोलेशन में रहना होगा। डिस्चार्ज के 14वें दिन टेली-कॉन्फ्रेंस के जरिए मरीज का फॉलो-अप किया जाएगा।

भारत में अबतक करीब दो हजार मौतें

भारत में शनिवार सुबह तक कोविड-19 संक्रमण से संक्रमित हुए लोगों की संख्या 59 हजार के पार हो गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा, अबतक 1,981 मौतों सहित कुल 59 हजार 662 लोग कोविड-19 से संक्रमित हुए हैं। वहीं, उपचार के बाद कुल 39 हजार 834 लोगों को पूर्ण रूप से स्वस्थ होने पर अस्पतालों से छुट्टी दे दी गई। देश मे सबसे ज्यादा कोरोना के मरीज महाराष्ट्र में हैं। यहां अबतक 19,063 लोग कोरोना पीड़ित मिले हैं। महाराष्ट्र में 731 लोगों की मौत हुई है।

पूरी दुनिया में 2.70 लाख से ज्यादा मौतें

दुनिया भर में कोविड-19 से हुई मौतों का आंकड़ा 2,70,000 से ज्यादा हो गया है। कोरोना मामलों की संख्या 40 लाख के पार पहुंच गई है। जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के सेंटर फॉर सिस्टम साइंस एंड इंजीनियरिंग ने यह डेटा दिया है। कोरोना वायरस से सबसे ज्यादा मौतें फर्स्ट वर्ल्ड कंट्रीज में हुई हैं। अमेरिका सबसे बुरी तरह प्रभावित है। यहां अबतक 77,180 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। दूसरा नंबर ब्रिटेन का है, जहां 31,316 लोगों की मौत हो चुकी है।

सबसे ज्यादा कोरोना केसेज

सीएसएसई के आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका 1,283,929 मामलों के साथ टॉप पर है। इसके बाद स्पेन (222,857), इटली (217,185), यूके (212,629), रूस (187,859), फ्रांस (176,202), जर्मनी (170,588), ब्राजील (146,894), तुर्की (135,569) और ईरान (104,691) का नंबर आता है। 10,000 से अधिक मौतों वाले अन्य देश की बात करें तो वे इटली (30,201), स्पेन (26,299), फ्रांस (26,233), और ब्राजील (10,017) हैं।

प्रवासी मजदूरों की घर वापसी के आड़े आ रही है 'ममता'

- गृह मंत्री अमित शाह ने ममता बनर्जी को लिखी चिट्ठी
- कोरोना के आंकड़ों पर केंद्र और ममता सरकार में भारी मतभेद

नई दिल्ली । कोरोना के मुद्दे पर केंद्र और पश्चिम बंगाल सरकार के बीच तल्खी बढ़ती जा रही है। केंद्र ने आरोप लगाया है कि ममता सरकार प्रवासी मजदूरों को लेकर आ रही ट्रेनों को अपने राज्य में नहीं घुसने दे रही है। अधिकारियों के मुताबिक गृह मंत्री अमित शाह ने ममता को एक पत्र लिखकर इस बारे में उन्हें अपनी नाराजगी से अवगत कराया है। उनका कहना है कि उन्हें बंगाल के प्रवासी मजदूरों को उनके घर पहुंचाने के लिए राज्य सरकार से सहयोग नहीं मिल रहा है।

बढ़ेंगी प्रवासी मजदूरों की मुश्किलें

शाह ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार प्रवासी मजदरों को लेकर आ रही ट्रेनों को अपने यहां आने की इजाजत नहीं दे रही है। यह प्रवासी मजदूरों के साथ अन्याय है और इससे उनकी मुश्किलें और बढ़ेंगी। देश के विभिन्न हिस्सों से अलग-अलग गंतव्य स्थानों तक प्रवासी मजदूरों को ले जाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही 'श्रमिक स्पेशल' ट्रेनों का संदर्भ देते हुए, गृह मंत्री ने पत्र में कहा कि केंद्र ने दो लाख से ज्यादा प्रवासी मजदूरों को घर पहुंचाने की सुविधा प्रदान की है। पश्चिम बंगाल के प्रवासी श्रमिक भी घर पहुंचने के लिए बेचैन हैं और केंद्र सरकार ट्रेन सेवाओं की सुविधा भी दे रही है। लेकिन उसे राज्य सरकार से सहयोग नहीं मिल रहा है।

पहले भी हुआ है टकराव

यह पहला मौका नहीं है जब कोरोना के मुद्दे पर केंद्र और ममता सरकार में ठनी है। केंद्र का आरोप है कि पश्चिम बंगाल सरकार कोरोना के मामलों के आंकड़े छिपा रही है। दूसरी ओर ममता का दावा है कि पश्चिम बंगाल की स्थित कई दूसरे राज्यों से बेहतर है। इससे पहले केंद्र की टीम जब कोरोना की स्थिति का जायजा लेने के लिए कोलकाता पहुंची थी तो इस पर जमकर सियासी बवाल हुआ था। केंद्रीय टीमों की रिपोर्ट मिलने के बाद गृह सचिव ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर कहा था कि राज्य में लॉकडाउन का सख्ती से पालन कराने की जरूरत है।

मजदूरों के रेल किराये पर बिहार-दिल्ली सरकार में तकरार, संजय झा बोले-

कोरोना काल में ऐसी ओछी राजनीति शोभा नहीं देती

नई दिल्ली (ए.)। लॉकडाउन की वजह से दिल्ली में फंसे बिहार के प्रवासी मजदूरों की घर वापसी को लेकर नीतीश सरकार और केजरीवाल सरकार में तकरार देखने को मिल रही है। बिहार के प्रवासी मजदूरों को स्पेशल ट्रेन से घर भेजने और उनके टिकट के पैसे को लेकर जैसे ही केजरीवाल सरकार के मंत्री ने दावा किया, उसके तुरंत बाद बिहार सरकार में मंत्री संजय कुमार झा ने के पलटवार कर दिया।

संजय झा ने आरोप लगाया है कि श्रमिकों के ट्रेन किराया को लेकर दिल्ली सरकार के मंत्री झूठ बोल रहे हैं, क्योंकि दिल्ली सरकार ने बिहार सरकार से किराया रिइम्बर्स कराने की मांग के लिए एक पत्र लिखा है। दिल्ली से 1200 श्रमिकों को लेक एक ट्रेन खुली। राय ने ट्वीट किया कि श्रमिकों

को लेकर दिल्ली से मुजफ्फरपुर बिहार के लिए रवाना हुई ट्रेन में सवार सभी 1200 लोगों का किराया अरविंद केजरीवाल सरकार देगी। इस ट्वीट के बाद बिहार सरकार में मंत्री संजय कुमार झा की प्रतिक्रिया आई है और उन्होंने गोपाल राय के ट्वीट का स्क्रीनशॉट लेकर ट्वीट किया, 'सीएम नीतीश कुमार पहले ही साफकर चुके हैं कि हम श्रमिकों को भाड़े की रकम के अलावा 500 रुपए अतिरिक्त भी देंगे, तो दिनदहाड़े दिल्ली सरकार के मंत्री झूठ क्यों बोल रहे हैं? यह तो नीतिगत बात है, लेकिन आप कोविड-19 के समय भी इतनी ओछी राजनीति करें, शोभा नहीं देता।' उन्होंने एक और ट्वीट कर दावा किया कि केजरीवाल सरकार ने बिहार सरकार को किराया वापसी के लिए एक रिइंबर्शमेंट लेटर दिया है।

उन्होंने लिखा- केजरीवाल जी, झूठ के साथ समस्या यही है कि आप भूल जाते हैं कि कब क्या बोल चुके हैं? अब देखिए न, आपके मंत्री गोपाल राय ट्विटर पर सफेद झूठ बोल रहे हैं कि दिल्ली से मुजफ्फरपुर आने वाली ट्रेन का किराया आपकी सरकार देगी, फिर चिट्ठी भेजकर हमसे पैसे भी मांगते हैं।'

शराब के लिए लोगों की भारी भीड़, कोर्ट ने कहा- बंद करो दुकान और ऑनलाइन बेचो

चेन्नै (ए.)। तमिलनाडु में शराब की दुकानों पर हो रहे सोशल डिस्टेंसिंग के उल्लंघन के बाद मद्रास हाई कोर्ट ने प्रदेश में तमिलनाडु स्टेट मार्केट कॉर्पोरेशन की शराब की दुकानों के खुलने पर रोक लगा दी है। अदालत ने शराब की ऑनलाइन बिक्री की अनुमति देते हुए दुकानों को बंद करने के लिए कहा है। अदालत ने पहले इन दुकानों को खोलने का आदेश दिया था, लेकिन जब भारी भीड़ के कारण सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का उल्लंघन होने लगा तो कोर्ट ने शुक्रवार को इसपर रोक लगा दी। कोर्ट ने यह जरूर कहा कि अगर कंपनियां चाहें को शराब के ऑनलाइन ऑर्डर और बिक्री की व्यवस्था की जा सकती है। कोर्ट ने यह फैसला अभिनेता कमल हासन की पार्टी मक्कल निधि मय्यम के नेता और पूर्व आईपीएस एजी मौर्य की याचिका पर दिया है।

मद्रास हाई कोर्ट ने तमिलनाडु स्टेट मार्केट कॉर्पोरेशन की शराब की दुकानों को बंद कराया

फैसले के बाद कमल हासन ने ट्वीट करते हुए कहा कि अदालत के फैसले ने यह साबित किया है कि लोगों का न्यायपालिका पर भरोसा हमेशा बरकरार रहने वाला है। हमें लोगों के लिए न्याय मिला है और ये सिर्फमक्कल निधि मय्यम की जीत नहीं है।

कोर्ट ने पहले ही दी थी चेतावनी

इससे पहले बुधवार को कोर्ट में जस्टिस विनीत कोठारी और पुष्पा सत्यनारायण की बेंच ने TASMAC की दुकानों को खोलने की इजाजत दी थी। कोर्ट ने यह भी कहा था कि अगर दुकानों पर नियमों का पालन नहीं होता है तो वह इन्हें फिर से बंद करने का आदेश दे देगी।

महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली में नहीं सुधरे क्वारंटीन और कंटेनमेंट प्रयास, तो बदतर होंगे हालात

नई दिल्ली (ए.)। महाराष्ट्र, गुजरात और दिल्ली के साथ मिलकर केंद्र सरकार यहां कोरोना के प्रसार को कम करने पर काम कर रही है। इन राज्यों में कोविड-19 के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं।

इसकी एक बड़ी वजह इन राज्यों में कॉन्ट्रैक्ट ट्रेसिंग, क्वारंटीन और कंटेनमेंट की दिशा में किए जा रहे प्रयासों में कमी बताई जा रही है। इसके चलते पूरे देश में कोरोना के विकराल रूप लेने का खतरा है। केंद्र सरकार के सूत्रों के अनुसार, कोविड-19 के मामलों के दोगुने होने की दर इस हफ्ते 12 से 10 दिन हो गई है। कोरोना की रफ्तार के मामले में पिछले दिनों जो कुछ सुधार देखा जा रहा था

वह इन राज्यों में लॉकडाउन प्रोटोकॉल का पालन न होने पर खतरे में पड़ गया है। कुछ हद तक तमिलनाडु, राजस्थान और आंध्र प्रदेश में मामलों में वृद्धि भी चिंताजनक है।

अहमदाबाद में कड़ा लॉकडाउन

वहीं, अहमदाबाद में कोरोना के प्रसार के चलते स्थिति इस हद तक खराब हो गई है कि वहां लॉकडाउन को कड़ा करना पड़ा है। शहर में केवल नियमित आधार पर दूध और दवा की आपूर्ति की जा रही है।

महाराष्ट्र में खराब पुलिस व्यवस्था

शमिका ने यह भी कहा कि महाराष्ट्र में स्थिति चिंता का विषय है क्योंकि वहां लॉकडाउन के दौरान खराब पुलिस व्यवस्था की खबरें भी सामने आ रही हैं। महाराष्ट्र के सीएम उद्धव ठाकरे के साथ केंद्र की बातचीत के बावजूद स्थिति में सुधार नहीं हुआ है, हालांकि राज्य एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने विशेष रूप से बड़ी झुग्गियों में ट्रैकिंग और निगरानी के लिए सहमत हुआ है। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि शीर्ष नेतृत्व हालात को काबू करने में सही कदम नहीं उठा पा रहा है।

पिछले 24 घंटे में नए 3,320 मामले

मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार कुल मामले बढ़कर 59,662 पर पहुंच गए हैं, जिसमें से 1981 लोगों की मौत हो चुकी है। पिछले 24 घंटे में कोरोना 3,320 नए मामले सामने आए हैं जबकि 9 लोगों की मौत हुई है। पिछले चार दिनों से कोरोना वायरस के मामले लगातार बढ़ रहे हैं।

दिल्ली, महाराष्ट्र, गुजरात में हालत चिंताजनक

प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार परिषद की पूर्व सदस्य और अर्थशास्त्री शमिका रवि के अनुसार, महाराष्ट्र और गुजरात में मृत्यु दर ऊंची है और इसमें बढ़ोतरी हो रही है। वहीं, दिल्ली में भी कोरोना केस बढ़ रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि दिल्ली में बढ़ते मरीज और मौत के मामले बाकी दोनों राज्यों की तुलना में शहर की घनी आबादी और छोटे क्षेत्र को देखते हुए चिंताजनक है।

एनआईए के हत्थे चढ़ा कुख्यात ड्रग तस्कर, हिज्बुल से है संबंध

सिरसा (वार्ता)। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) की एक विशेष टीम ने पंजाब के अटारी बॉर्डर पर जून 2019 में 532 किलोग्राम हेरोइन तस्करी के मामले में वॉन्टेड कुख्यात ड्रग पदार्थ तस्कर रणजीत सिंह उर्फ चीता को शनिवार सुबह हरियाणा के सिरसा में दबिश देकर दबोच लिया। इस दौरान पंजाब और हरियाणा की पुलिस की टीमें भी एनआईए टीम के साथ थीं। इस ऑपरेशन का नेतृत्व एनआईए के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक तेजेंद्र सिंह कर रहे थे। न्यूज एजेंसी वार्ता के अनुसार, सिरसा के पुलिस अधीक्षक अरुण नेहरा ने इस ऑपरेशन की जानकारी देते हुए बताया कि रणजीत उर्फ चीता रणजीत को पकड़ने के लिए एनआईए की टीम ने शुक्रवार-शनिवार रात्रि करीब 12:00 बजे से अपना ऑपरेशन छेड़ा था, जिसमें शनिवार तड़के कामयाबी मिली। नेहरा के अनुसार, रणजीत करीब सात माह पहले अपने करीबी रिश्तेदार सिरसा के वेदवाला गांव निवासी गुरमीत सिंह के पास आया था। गुरमीत ने अपनी शिनाख्त पर बेगू रोड पर एक खेत में बने मकान को रणजीत को किराये पर दिला दिया, जिसके बाद से वह अपने अन्य परिजनों को लाकर यहीं रहने लगा।

■ न्यूज गैलरी

जद्दोजहद में फंसे : झारखंड के 60 मजदूरों की राह हुई आसान

रायपुर। झारखंड राज्य के 60 मजदूर भटकते हुए जब आज रायपुर के टाटीबंध पहुंचे, तो जानकारी मिलने पर जिला प्रशासन , रायपुर के द्वारा इनके लिए नाश्ते और भोजन आदि उपलब्ध कराया गया। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बधेल को जब इन असहाय मजदूरों के बेबस होकर भटकने और अपने राज्य पहुंचने के लिए जद्दोजहद करने की जानकारी मिली तो उन्होंने जिला कलेक्टर को इन मजदूरों के हरसंभव मदद करने के निर्देश दिए। कलेक्टर एस भारती दासन की पहल तत्काल दो बसों के द्वारा झारखंड की सीमा तक भी पहुंचाने की व्यवस्था की गयी।

विक्रेता की अनुज्ञप्ति एक माह के लिए निलंबित

रायपुर। कृषक अजय केला द्वारा दुलार सिंह सिन्हा, ग्राम सिलौटी, भखारा जिला धमतरी, छत्तीसगढ़ के माध्यम से 4 मई 2020 को राजू कृषि केंद्र, दयाल भवन, बास टाल अमरदीप टॉकीज रोड रायपुर से पपीता बीज 3 पैकेट रुपए 11हज़ार 400 रुपए में क्रय किया गया था। क्रय किया गया बीज अवसान तिथि का पाया गया, जिसकी शिकायत कृषक द्वारा किए जाने के बाद 8 मई 2020 को उद्यानिकी फसलों का बीज निरीक्षण धरसीवा द्वारा मेसर्स राजू कृषि केंद्र दयाल भवन, बास टाल अमरदीप टॉकीज रोड रायपुर में भंडारित उद्यानिकी फसलों का बीज का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण रिपोर्ट में कृषक द्वारा की गई शिकायत सही पाई गई जिसके परिपालन में बीज नियंत्रण अधिकारी द्वारा बीज नियंत्रण अधिनियम 1983 के खंड 3,8,8इ एवं 9 का स्पष्ट उल्लंघन पाया गया। जिस पर कार्रवाई करते हुए सब्जी बीज विक्रेता के बीज अनुज्ञा पत्र क्रमांक 93 को आज से 1 माह के लिए निलंबित किया गया है ।

राज्यपाल ने प्रदेशवासियों को नारद जयंती पर दी शुभकामनाएं

रायपुर। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके ने प्रदेशवासियों को नारद जयंती की शुभकामनाएं दी है। सुश्री उइके ने कहा है कि आदि पत्रकार देवर्षि नारद तीनों लोकों में लोक कल्याण की भावना रखते हुए सुचनाएं व संदेश देने भूमिका निभाते थे, इस दृष्टि से वे आदि पत्रकार माने जाते हैं। उनकी भूमिका भी व्यापक है। वे तीनों लोकों में विचरण कर संदेशों का आदान-प्रदान करते हैं। उनकी सूचनाएं और इनके विश्लेषण का तरीका ऐसा होता था कि ब्रह्मा-विष्णु-शिव लोक में उनके द्वारा कही अनेक उक्तियों की अनुश्रुति पुराणों के रूप में हमारे समक्ष अब भी मौजूद हैं। वे समय समय पर संकटो का समाधान करते थे, और उचित सलाह भी देते थे वे प्रकाशस्तंभ की भांति थे, उनका जीवन हम सबके लिए प्रेणादायी है। इस अवसर पर मैं ऐसे यशस्वी देवऋषि को मैं नमन करती हूं।

पूर्व सीएम जोगी की तबीयत बिगड़ी, सघन चिकित्सा जांच में, स्थिति नाजुक और स्थिर

मॉर्निंग वॉक के दौरान हुए बेहोश, ईसीजी-पल्स से ज्यादा असामान्य रेस्पिरेशन सिस्टम

नवप्रदेश संवादाता

रायपुर। छत्तीसगढ़ के प्रथम मुख्यमंत्री अजीत जोगी को नाजुक हालात में राजधानी के एक नीजि अस्पताल में भर्ती किया गया है। आज सुबह उन्हें हार्ट अटैक की वजह से बेहद गंभीर अवस्था में भर्ती करवाया गया। बताते हैं कि रोज की तरह वे बंगले के लॉन में मॉर्निंग वॉक कर रहे थे और उन्हों ने गंगा इमली भी खाई थी।

इसके फौरन बाद ही उनकी तबीयत बिगड़ती चली गई। उन्हें निजी अस्पताल में वेंटिलिटर पर रखा गया है। डाक्टरों के मुताबिक उनकी तबीयत बेहद गंभीर बनी हुई है।

नारायणा अस्पताल के डायरेक्टर सुनील खेमका के मुताबिक दोपहर तक स्थिति नाजुक थी। उनका ईसीजी और पल्स तो वापस आ गया है, लेकिन उनकी रिस्परेशन (श्वंसन प्रणाली)सिस्टम बिल्कुल सामान्य नहीं है। डाक्टरों के मुताबिक अजीत जोगी को दोपहर करीब साढ़े 12 बजे नारायणा अस्तपाल में भर्ती कराए गए। उनकी हालात बेहद गंभीर थी। जोगी परिवार ने बताया है कि सुबह उठने के बाद अजीत जोगी व्हील चेयर पर परिसर में घूम रहे थे, इस दौरान उन्होंने गंगा इमली खायी और फिर बेहोश हो गये। परिवार के लोगों ने नारायण अस्पताल को सूचना दी, जिसके अस्पताल से डाक्टरों की टीम को उनके बंगले में भेजा गया। घर पर ही डाक्टर ने अजीत जोगी की सीपीआर चालू कर दी और फिर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया।

सूचना मिलते ही अमित बिलासपुर से पहुंचे

बताते हैं कि उनके पुत्र बिलासपुर में थे। खबर लगते ही अमित जोगी रायपुर में नारायणा हॉस्पिटल पहुंचे अस्पताल आते ही सीधे आईसीयू में अपने पिता को देखने पहुंचे। डॉक्टरों से पिता के हालात की जानकारी ली। अमित ने अपील की है कि उनके पापा की तबियत बहुत गंभीर है। ढाई करोड़ छत्तीसगढ़वासियों की प्रार्थनाओ और ईश्वर की इच्छा पर ही अब सब कुछ निर्भर है। वे एक योध्दा हैं, हमे पूर्ण विश्वास है कि वे जल्द ही एक बार फिर इस परिस्थिति से जीतकर स्वस्थ होंगे और अजेय रहेंगे। दवाओ के साथ उन्हें आपकी दुआओ की जरुरत है।

जोगी के स्वास्थ्य लाभ की इन्होंने की कामना

■ कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पूर्व मुख्यमंत्री जोगी के स्वास्थ्य की जानकारी ली, राहुल गांधी ने जोगी परिवार के सदस्यों से चर्चा की। राहुल गांधी ने विधायक एवं पूर्व मुख्यमंत्री अजित जोगी की पत्नी रेणु जोगी और पुत्र अमित जोगी से फोन पर पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी का हालचाल जाना। राहुल गांधी ने जोगी के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

■ राज्यपाल ने पूर्व मुख्यमंत्री जोगी के स्वास्थ्य की जानकारी ली, राज्यपाल अनुसुईया उइके ने विधायक एवं पूर्व मुख्यमंत्री अजित जोगी की पत्नी रेणु जोगी को फोन कर पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी का हालचाल जाना। रेणू जोगी ने अजीत जोगी के स्वास्थ्य की जानकारी दी। राज्यपाल ने जोगी के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

■ विस अध्यक्ष चरणदास महंत ने भी विधायक श्रीमती रेणु जोगी से अजीत जोगी की तबीयत की जानकारी ली। उन्हों ने कहा हम सभी की ईश्वर से कामना है कि अजीत जोगी जी शीघ्र स्वस्थ हों। पुत्र अमित जोगी और पत्नी रेणु जोगी को कहा अजीत जोगी मजबूत और अंत:शक्ति से परिपूर्ण नेता हैं वे जल्द फिर ठीक होकर जिम्मेदारी सम्हालेंगे।

■ कौशिक-रमन ने भी पूछा हालचाल, नेताप्रतिपक्ष कौशिक और पूर्व सीएम डॉ.रमन सिंह ने अजीत जोगी की पत्नी और विधायक रेणु जोगी से स्वास्थ्यगत जानकारी ली। उन्हों ने जल्द जोगी जी के स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए परिवार को ढांढस बंधाया।

राज्य में दो दिन का पूर्ण लॉकडाउन

शहर की सड़कें रही सूनी

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। राजधानी सहित आज पूरे प्रदेश में लॉकडाउन का सख्ती से पालन कराया जा रहा है। आम दिनों की अपेक्षा आज सड़कों पर गिनती के ही वाहन नजर आ रहे हैं। पुलिस द्वारा प्रत्येक चौक-चौराहों पर बेरिकेटिंग कर वाहन चालकों की जांच-पड़ताल की जा रही है, इससे बेवजह बाहर निकलने वालों पर लगाम कस गया है। यह स्थिति कल रविवार को भी रहेगा और सोमवार से लॉकडाउन में फिर से ढील दी जाएगी।

संक्रमण के रोकथाम के लिए किए जा रहे उपाए

राज्य सरकार द्वारा कोविड-19 संक्रमण की रोकथाम के लिए लगातार उपाए किए जा रहे हैं। इसी क्रम में गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू के मंशानुरूप पूरे राज्य में अब इस माह के प्रत्येक शनिवार और रविवार को पूर्ण लॉकडाउन रहेगा। इसके पीछे तर्क यह दिया गया है कि शनिवार और रविवार को ही अवकाश होने के कारण लोग सबसे ज्यादा बाहर निकलते हैं। इससे कोरोना संक्रमण को बढ़ने का मौका मिल सकता है, यही वजह है कि शनिवार और रविवार को अब राज्य में पूर्ण लॉकडाउन लगाया जा रहा है। इसका असर भी आज देखने को मिला। शुक्रवार की अपेक्षा आज शनिवार को शहर की सड़कें सूनी दिखी। प्रत्येक चौक-चौराहे पर पुलिस की सख्त पहरेदारी से केवल आवश्यक कार्य के लिए निकलने वाले एक्का-दुक्का लोगों की आवाजाही ही सड़कों पर दिखी।

सड़कें और चौक-चौराहें भी रही खाली

इसके अलावा आपातकाल में घर से निकलने वालों को छोड़कर आमजन आज अपने-अपने घरों में ही रहे। परिणाम स्वरूप शहर की सड़कें और चौक-चौराहें खाली नजर आए। वर्तमान में छत्तीसगढ़ राज्य के अंदर अचानक से कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़ गई थी। इसे ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने यह कदम उठाया है।

संक्रमण की चैन तोड़ने नया प्रयास

वर्तमान में कोरोना एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक न फैल सके, कोरोना संक्रमण की चैन टूट सके। इसके लिए तमाम प्रयास किए जा रहे हैं, इसी क्रम में आज शनिवार और कल रविवार को पूर्ण लॉकडाउन रखने का निर्णय लिया गया है। यह निर्णय इस माह के प्रत्येक शनिवार और रविवार को लागू होगा। माहांत के बाद सभी जिलों में कोविड-19 संक्रमण की स्थिति व परिणाम का परीक्षण करने के पश्चात आगे की रणनीति तय की जाएगी।

उत्तर-मध्य छग में हल्की से मध्यम वर्षा के आसार

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। बंगाल की खाड़ी से आ रही नमीयुक्त हवा औरर चक्रीय चक्रवात तथा द्रोणिका के असर से राजधानी रायपुर सहित प्रदेश में एक-दो स्थानों पर आज और कल फिर से मौसम का मिजाज बिगड़ सकता है। मौसम विभाग के नियमित रिपोर्ट की माने तो एक द्रोणिका उत्तर पश्चिम मध्यप्रदेश से दक्षिणी कनार्टका तक 0.9 किमी की ऊंचाई पर स्थित है। छत्तीसगढ़ में इस समय बंगाल की खाड़ी से बहुत अधिक मात्रा में नमीयुक्त हवा आ रही है। इसके फलस्वरूप आज दिनांक 9 मई को उत्तर छत्तीसगढ़ के कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा और मध्य छत्तीसगढ़ में एक-दो स्थानों पर हल्की वर्षा होने या गरज-चमक के साथ छींटे पड़ सकते हैं। वहीं बस्तर संभाग के जिलों में भी एक-दो स्थानों पर हल्की वर्षा होने की संभावना है। इसके अलावा कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ अंधड़ चलने तथा आकाशीय बिजली गिरने की संभावना है। इसी तरह कल दिनांक 10 मई को भी इसी तरह के हालात बन सकते हैं। इस दौरान प्रदेश के मध्य और उत्तर भाग में वर्षा की तीव्रजा ज्यादा रहने की संभावना है।

फाईल फोटो

वहीं कहीं-कहीं पर अंधड़ के साथ ओले पड़ने की भी संभावना जताई गई है। मौसम वैज्ञानिकों की माने तो कल राजधानी रायपुर में दोपहर बाद बदले मौसम के मिजाज से न्यूनतम तापमान में मामूली फेरबदल दर्ज किया गया है। लेकिन राज्य के प्रमुख शहरों के अधिकतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन की संभावना नहीं है।

आज रायपुर पहुंचने पर मजदूर परिवार ने जताई खुशी, अब घर पहुंचने की जल्दी

रायपुर । देशभर में जारी लॉकडाउन के चलते मजदूरों का पलायन जारी है। कुछ इसी तरह का नजारा रायपुर में भी देखने को मिला, जहां हैदराबाद से पांच दिन पहले निकले मजदूरों का एक परिवार लवन-बलौदाबाजार जाने आज शहर पार कर रहा था। सूत्रों ने बताया कि मजदूरों के इस जत्थे में 15 लोग शामिल हैं, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। हैदराबाद में राजमिस्त्री का काम करने वाले दो सगे भाईयों का यह परिवार हैदराबाद में भूखे मरने की नौबत आने के बाद बड़ी समस्याओं का सामना करते हुए आज रायपुर तक पहुंच गया है। मूलतः लवन जिला बलौदाबाजार के रहने वाले इस मजदूर परिवार के सदस्यों ने बताया कि वहां भूखे मरने की नौबत आ गई थी। ऐसे में जरूरी सामान लेकर दोनों भाई अपने परिवार के साथ पैदल ही गृहग्राम के लिए रवाना हो गए।

राज्य में 85 हजार 455 जरूरतमंदों को मिला निःशुल्क भोजन व खाद्यान्न

88 हजार 502 को मास्क और सेनेटाईजर वितरित

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मंशानुरूप राज्य के सभी जिलों में गरीबों, अन्य स्थानों के श्रमिकों एवं निराश्रित लोगों को निःशुल्क भोजन व खाद्यान्न पैकेट उपलब्ध कराए जाने का सिलसिला जारी है। कोरोना संक्रमण के कारण लॉकडाउन के चलते जरूरतमंदों की मदद के लिए राज्य भर में जगह-जगह लगाए गए राहत शिविरों में 8 मई को 85 हजार 455 जरूरतमंदों, श्रमिकों एवं निराश्रितों को निःशुल्क भोजन व खाद्यान्न पैकेट उपलब्ध कराया गया। कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए मास्क, सेनेटाइजर एवं दैनिक जरूरत का सामान भी जिला प्रशासन, रेडक्रॉस तथा स्वयंसेवी संस्थाओं की सहयोग से जरूरतमंदों को लगातार मुहैया कराया जा रहा हैं।

राजधानी में एक और किराना व्यापारी ने की आत्महत्या

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर । लॉकडाउन के दौरान राजधानी रायपुर के उरला थाना क्षेत्र के अछोली बाजार इलाके में एक किराना व्यापारी ने अपने घर पर फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली है। राजधानी में किराना व्यापारी द्वारा आत्महत्या करने की यह दूसरी घटना है। इससे पहले तेलीबांधा तालाब में एक किराना व्यापारी की लाश मिली थी।

दूसरे कमरे में सोया था मृतक, परिजनों ने दी सूचना

उरला थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार उरला क्षेत्र के बाजार चौक में सूर्या प्रोविजन स्टोर के नाम से किराने का दुकान चलाने वाला भरत निषाद (50 वर्ष) पार्षद दीनू निषाद का बड़ा भाई था। भरत अपने घर में अलग कमरे में सोया करता है। आज सुबह मृतक अपने कमरे में फांसी पर लटका मिला, जिसे देखकर परिजनों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। परिजनों ने पूछताछ में बताया कि परिवारिक कारणों की वजह से वह अक्सर परेशान रहता था। पुलिस ने फिलहाल मर्ग कायम कर मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच जारी है।

राजधानी में दूसरी घटना

लॉकडाउन के दौरान एक किराना व्यापारी द्वारा आत्महत्या करने की यह दूसरी घटना है। इससे पूर्व तेलीबांधा तालाब में एक किराना व्यापारी की लाश मिली थी। प्रारंभिक जांच में पुलिस इसे आत्महत्या की आशंका जताते हुए जांच कर रही है।

पहुंचे निवास...

विस अध्यक्ष डॉ. महंत ने निवास पहुंचकर मंत्री डॉ. डहरिया का जाना कुशलक्षेम

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत ने आज नगरीय प्रशासन और श्रम मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया के रायपुर स्थित शासकीय निवास शंकरनगर पहुंचकर कुशलक्षेम जाना और डॉ. महंत ने बंगले का अवलोकन भी किया। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को शाम 5 बजे गरज और चमक के साथ तेज आवाज में निवास परिसर के पास लगे पेड़ में आकाशीय बिजली गिरने से ब्लैकआउट हो गया था। कुछ देर में बिजली कम्पनी की टीम बंगले पहुंची और उसने बिजली बाहल कर दी थी। राहत की बात यह थी कि आकाशीय बिजली से कोई बड़ा नुकसान जान-माल की हानि नहीं हुई थी। आकाशीय बिजली से शाट सर्किट होने के कारण कुछ इलेक्ट्रानिक सामान और बिजली के उपकरण जल गए थे। ज्ञातव्य है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी घटना की जानकारी होने पर नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया से टेलीफोन पर चर्चा कर उनकी कुशलक्षेम की जानकारी ली थी।

लॉकडाउन में भी राज्य दुग्ध उत्पादक किसानों को 10 करोड़ रूपए से अधिक का भुगतान

■ 50 फीसदी की कमी के बावजूद भी महासंघ रख रहा है दुग्ध उत्पाद किसानों के हितों का ख्याल

■ राज्य में प्रतिदिन 95 हजार लीटर दूध का संकलन जारी

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी दुग्ध मंहासंघ ने लॉकडाउन के दौरान भी राज्य के दुग्ध उत्पादक किसानों के हितों का ध्यान रखते हुए न सिर्फ उनके द्वारा उत्पादित दूध का संकलन कर रहा बल्कि दूध की खरीदी के एवज में महासंघ ने इस अवधि में 10 करोड़ रूपए से अधिक का भुगतान भी दुग्थ उत्पादक किसानों किया है। कोरोना संक्रमण की वजह से 23 मार्च से जारी लॉकडाउन के बावजूद भी दुग्ध महासंघ ने कृषि मंत्री श्री रविन्द्र चौबे एवं अध्यक्ष श्री रसिक परमार के मार्गदर्शन में सुरक्षित तरीके से दुग्ध संकलन की बेहतर कार्य-योजना तैयार कर इसको सुचारू रूप से जारी भी रखा।

लॉकडाउन के चलते दूध और दुग्ध पदार्थों की बिक्री एवं खपत में लगभग 50 फीसदी की गिरावट के बावजूद भी दुग्ध महासंघ के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने कृषि उत्पादन आयुक्त एवं प्रमुख सचिव श्रीमती मनिन्दर कौर द्विवेदी एवं प्रबंध संचालक श्री नरेन्द्र कुमार दुग्गा के मार्गदर्शन में दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों के किसानों के हितों का ध्यान रखते हुए उनसे दूध की खरीदी में किसी भी तरह की कमी नहीं आने दी है। दुग्ध महासंघ लॉकडाउन की शुरूआती दिन से लेकर आज तक की कठिन परिस्थिति में भी किसानों से रोजाना 95 हजार लीटर दूध क्रय करने के साथ ही समय-समय पर किसानों को उसके एवज में राशि का भुगतान भी कर रहा है। यह गौरतलब है कि लॉकडाउन के कारण व्यापारिक प्रतिष्ठान, शासकीय-अर्द्धशासकीय कार्यालय, शैक्षणिक संस्थान, होटल-ढाबे, चाय-ठेले पूरी तरह बंद है।

लॉकडाउन की अवधि में ही दुग्ध महासंघ के कई जिलों के शीत केन्द्रों में आयी खराबी को भी महासंघ के तकनीशियनों ने जद्दोजहद कर न सिर्फ इस तकनीकी खराबी को दूर किया, बल्कि दूध के संकलन को भी प्रभावित नहीं होने दिया। यह उल्लेखनीय है कि दुग्ध महासंघ के अधीन 999 दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियां है, जिनसे 42 हजार 587 किसान जुड़े हुए है। लॉकडाउन से पहले दुग्ध महासंघ द्वारा संकलित किए जाने वाले दूध की खपत 80 से 90 हजार लीटर प्रतिदिन होती थी। लॉकडाउन के कारण खपत में 50 प्रतिशत की कमी आ गई है। वर्तमान समय में बमुश्किल 50 हजार लीटर दूध की बिक्री हो पा रही है।

प्रबंध संचालक श्री नरेन्द्र दुग्गा ने बताया कि लॉकडाउन के बावजूद भी दुग्ध महासंघ द्वारा उपभोक्ताओं को 'देवभोग' दूध एवं दुग्ध पदार्थ बिना किसी व्यवधान के निरंतर उपलब्ध कराया जा रहा है। दुग्ध महासंघ द्वारा अपने मोबाइल मिल्क पार्लर द्वारा रायपुर एवं दुर्ग शहर की बड़ी रहवासी कॉलोनियों-अपार्टमेंटस में निरंतर दूध एवं दुग्ध पदार्थों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है।

बिक्री में 50 प्रतिशत की कमी हो गई

जिसकी वजह से दूध और दुग्ध पदार्थों की बिक्री में 50 प्रतिशत की कमी हो गई है। दुग्ध उत्पादक किसानों से लॉकडाउन की अवधि में अन्य निजी संस्थाओं ने दूध लेना बंद करने के साथ ही औने-पौने दाम में उनसे दूध की खरीदी करनी शुरू कर दी थी। ऐसी स्थिति में दुग्ध महासंघ ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं कृषि मंत्री श्री रविन्द्र चौबे के निर्देशानुसार किसानों से निर्धारित मूल्य पर सभी दुग्ध उत्पादक किसानों से न सिर्फनिर्धारित मूल्य पर उनका दूध क्रय किया बल्कि समय-समय पर दुग्ध उत्पादक किसानों से क्रय किए गए दूध के एवज में पूरी राशि का भुगतान भी सुनिश्चित किया है। जिसकी वजह से दुग्ध उत्पादक किसानों का आर्थिक हित संरक्षित हुआ है । दुग्ध महासंघ ने बाजार में दूध की खपत कम होने के कारण अतिशेष दूध का उपयोग दूध पाउडर (एस.एम.पी.),घी और मक्खन का निर्माण कर इसका निष्पादन सफलतापूर्वक कर रहा है।

मां के त्याग की गहराई को मापना भी संभव नहीं

धरती पर भगवान का दूसरा रूप होती है मां

''माँ तेरे दूध का कर्ज मुझसे कभी अदा नहीं होगा, अगर कभी रही तू नाराज तो खुश वो खुदा मुझसे क्या होगा''

मातृ दिवस

यह दिन विशेष रूप से मां के लिए समर्पित

मातृ दिवस मनाने का शुरुआत सर्वप्रथम ग्रीस देश में हुई थी, जहां देवताओं की मां को पूजने का चलन शुरु हुआ था। इसके बाद इसे त्योहार की तरह मनाया जाने लगा। हर मां अपने बच्चों के प्रति जीवन भर समर्पित होती है। मां के त्याग की गहराई को मापना भी संभव नहीं है और ना ही उनके एहसानों को चुका पाना। लेकिन उनके प्रति सम्मान और कृतज्ञता को प्रकट करना हमारा कर्तव्य है।

मां के प्रति इन्हीं भावों को व्यक्त करने के उद्देश्य से मातृ दिवस मनाया जाता है। यह दिन विशेष रूप से मां के लिए समर्पित है। इस दिन को दुनिया भर में लोग अपने तरीके से मनाते हैं। कहीं पर मां के लिए पार्टी का आयोजन होता है तो कहीं उन्हें उपहार और शुभकामनाएं दी जाती है। कहीं पर पूजा अर्चना तो कुछ लोग मां के प्रति अपनी भावनाएं लिखकर जताते हैं। इस दिन करे मनाने का तरीका कोई भी हो, लेकिन बच्चों में मां के प्रति प्रेम और इस दिन के प्रति उत्साह चरम पर होता है।

उपसंहार : धरती पर मौजूद प्रत्येक इंसान का अस्तित्व, मां के कारण ही है। मां के जन्म देने पर ही मनुष्य धरती पर आता है और मां के स्नेह दुलार और संस्कारों में मानवता का गुण सीखता है। हमारे हर विचार और भाव के पीछे मां द्वारा रोपित किए गए संस्कार के बीज हैं, जिनकी बदौलत हम एक अच्छे इंसान की श्रेणी में आते हैं। इसलि मातृ दिवस को मनाना और भी आवश्यक हो जाता है। हम अपने व्यस्त जीवन में यदि हर दिन न सही तो कम से कम साल में एक बार मां के प्रति पूर्ण समर्पित होकर इस दिन को उत्सव की तरह मना सकते हैं।

मेरी मां

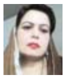

तबस्सुम परवीन

तरी याद मुझे हर पल सताती है, वो मेरी मां। मेरे दिल मे कोई टिश हर पल रूलाती है। वो मेरी मां....!! आंखे मेरी खुले, जब भी अधुरी निंद मे । तुझे पुकारते उठती हूं, मै तो आचानक से, वो मेरी मां।।
खुशियां बांट लूं, मै तो सभी से । गम किसे मै बताऊं, वो मेरी मां ।।
आज भी चोट लगती है, मेरा किसी भी अंग को । जुंबा पर तेरा नाम आता है, सिर्फवो मेरी मां ।।
सौ कदम के है, फासले पर साथ नही मै तेरे । ये गम बहुत रूलाता है वो मेरी मां।।
तेरी याद जब भी सताए, मै ओढ लेती हूं, चादर । मेरी आंखो के नमी को सबसे छुपाती हूं, मेरी मां ।।
कोई मुझे रूलाए, कोई मेरे दिल को जब कभी दुखाऐ । बंद आंखो से तेरी सूरत को खुब निहारती हूं मै, वो मेरी मां ।।
माँ तु मेरी है जन्नत तेरी आंगन वो बहार है । मैंने ढुंढा हर जगह मुझको तो मिला नही, मेरी मां ।।
तु आंखो की वो ठंडक है, दिल का वो सुकुन है । तुझसे दुर रह कर मै सिर्फ जला करती हू मेरी मां ।।

चाह नहीं थी उसे जमीन जेवर खरीदने की

किशोर अग्रवाल

चाह नही थी उसे जमीन जेवर खरीदने की , या कोई भवन बनाने की । आठ भूखे पेट साथ जोड़कर लाया था वह, इस शहर मे रोटी कमाने ।

पौष्टिक आहार के बहुत पहले, भूखे पेटों को सादी रोटी की दरकार होती है। एद बदबूदार खोली में समय काटता, रिक्शा चलाता ,

खटता दिन रात , असमय बूढा होता शरीर से कब ठाठ में बदल गया ? पता नही । हजारों और लोगों की तरह । पर बस तसल्ली है तो सिर्फयह कि

कुछ रोटियां भेज पाता है वह गांव में अपने आश्रितों को। गांव, जो दूर है बहुत से मील ,न जाने कितने ? शहर बंद है अब बंद रहेगा । न जाने कब तक । झांक आया दो तीन बार बाहर काम की तलाश में तीनों ही बार पिटा । चोटें टीस रही है कागज के पैकेट का आटा व स्टोव का तेल चूके तीन दिन हुए । पेट पर गमछे की और गांठे लगाई नही जा रही ।

शायद न लौट पाऊं अब पिंडलियां थरथराने लगी हैं खड़े होते । पर नही, शायद कुछ सांसे चलेंगी अभी, कुछ लोग दरवाजे की झीरी से ,

चार रोटियां सरका गये हैं । पेट पर बांधी गांठे ढीली कर एक कटोरी में नमक गीला कर लिया है । रोटियां थूक से निगल रहा है । गांव में कुछ पेट रोटियों की राह ताक रहे हैं ।

एक शिशु का जब जन्म होता है, तो उसका पहला रिश्ता मां से होता है। एक मां शिशु को पूरे 9 माह अपनी कोख में रखने के बाद असहनीय पीड़ा सहते हुए उसे जन्म देती है और इस दुनिया में लाती है। इन नौ महीनों में शिशु और मां के बीच एक अदृश्य प्यार भरा गहरा रिश्ता बन जाता है। यह रिश्ता शिशु के जन्म के बाद साकार होता है और जीवन पर्यन्त बना रहता है। मां और बच्चे का रिश्ता इतना प्रगाढ़ और प्रेम से भरा होता है, कि बच्चे को जरा ही तकलीफ होने पर भी मां बेचैन हो उठती है। वहीं तकलीफके समय बच्चा भी मां को ही याद करता है। मां का दुलार और प्यार भरी पुचकार ही बच्चे के लिए दवा का कार्य करती है। इसलिए ही ममता और स्नेह के इस रिश्ते को संसार का खूबसूरत रिश्ता कहा जाता है। दुनिया का कोई भी रिश्ता इतना मर्मस्पर्शी नहीं हो सकता।

बहुत दिनों के बाद मिली है-ये दारु

जिंदगी की परिस्थिति संसार में ऐसे-ऐसे पात्र का निर्माण करती है कि हम सभी को यह कहना पड़ता है कि वाह रे जिंदगी! कोरोना काल में ऐसे ही पात्र फालतू का निर्माण किया -जिंदगी ने । यह पात्र न कोई दल का है और नहीं ही कोई समाज सुधारक। फिर भी इसकी बातें और सोच इन सभी से कम नहीं थी।

इस विकट काल में इन दिनों उसे कुछ काम नहीं, इसलिए क्या करे !शराबखाने की पीछे पड़ा हुआ है। शराबखाना भी सोचता होगा कि मैं राजा को बड़ा राजा व समझदार प्रजा को बड़ी समझदार प्रजा बनाता हूँ । फिर फालतू क्यों मेरे पीछे पड़ा है! यह किसी दल का आदमी तो नहीं, या कोई समाज सुधारक तो नहीं या कोई दूसरे ग्रह का आदमी तो नहीं। इसे मेरे घर लाओ इसके कुत्सित मन को सदविचारों के सेनिटाइजर से साफकरो,जिससे इसके मन में बेकार विचार न आए। फालतू किसी की बात कहाँ मानने वाला था! उसे किसी की कोई परवाह नहीं थी-कोई उसके बारे में सोचता है तो सोचता रहे और कोई उसे बिलावजह कुछ बोलता है बोलता रहे-उसकी बला से,इससे उसे कोई फर्क नहीं पड़ता था!

इसी बीच वह मुहल्ले के प्रख्यात शराबी गफलत के पास गया । वह अपनी पत्नी मजबूरी से वाद-विवाद कर रहा था- मजबूरी तू बिना मतलब से मेरे से लड़ती रहती है। मैं शराब पीकर राज्य की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए मदद कर रहा हूँ । सारे मोबाइल के वाट्सअप व फेसबुक में ये सन्देश भरे पड़े है कि राज्य की अर्थ व्यवस्था को हम बेवड़े लोगों ने ही संभाला हुआ है। इसी खुशी में, मैंने तुरंत उस मोबाइल को बेचकर ये इतनी सारी शराब लेकर आया हूँ । पहली बार मुझे यह गर्व हुआ कि मैं बेवड़ा हूँ । अखबार के एक कार्टून में इसे शराब नहीं, बल्कि इकानामिक बूस्टर कहा है । इतने सभ्य व सुशिक्षित लोग मेरी तारीफ में कसीदे पढ़ रहे हैं। तू पागल-दिवानी है, जो इस शराब को खराब कह रही है।

इसके जवाब में मजबूरी ने कहा-

तुम तो कभी मानने वाले नहीं ! हमारी घर की स्थिति का क्या होगा? तुमको तो पीने के लिए कोई-न-कोई बहाना चाहिए । मोबाइल बेचे इसका मुझे कोई दुख नहीं। लेकिन उसके बदले तुमने दूसरी बुराई शराब लेकर आ गए-इसका मुझे बहुत दुख है। तुम्हारे कारण मैं मजबूरी, केवल मजबूरी बनके रह गई हूँ ।÷

गफलत ने फिर जवाब दिया-

मजबूरी तू मजबूरी मत बन, तू आज यह गर्व कर कि तेरा पति गफलत है। कोरोना काल में हमारे बलिदान को लोग याद रखेंगे। लोग अनाज खरीद रहे थे, तब हमने राज्य की आर्थिक स्थिति का ख्याल करके शराब खरीदी। इतिहास के पन्नों पर हमारे नाम स्वर्णाक्षरों में लिखे जाएँगे।÷

इसी बीच फालतू का प्रवेश होता है।वह इन दोनों को वाद-विवाद को रोकते हुए कहता है-

इतिहास इस बात को भी याद रखेगा। चालीस दिनों से दबा कोरोना राज्य में इन बेवडो के कारण फैला। भगवान ऐसा न करे कभी! फिर भी मुझे यह कहना पड़ रहा है। तुम को ऐसी बातें करते शर्म नहीं आई । इतिहास तुमको नहीं, बल्कि उन पुलिसवालों को याद रखेगा, जो इस विकट समय में शराबखाने में फिजिकल डिस्टेंसिंग का पाठ पढ़ा रहे हैं। गफलत इस बिन बुलाए मेहमान की बात पर जरा भी ध्यान नहीं दे रहा था। उसी समय टीवी में उसका बेटा फिल्मक सुभाष घई की फिल्म करमा देख रहा था। उसमें यह गाना बज रहा था-

दे दारू, दे दारु बड़े दिनों के बाद मिली है- ये दारू।

फालतू आखिर क्या करता! उदास वहाँ से अपने घर वापिस लौट आया ।

- **राजेश चौबे**

मदर डे, भारत सहित पूरी दुनिया में मातृ दिवस प्रत्येक वर्ष मई माह के दूसरे रविवार को मनाया जाता है। भारत के अलावा, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा जैसे अन्य देशों मेँ भी मई माह के दूसरे रविवार को मातृ दिवस मनाते हैं। मातृ दिवस संसार की सभी माँ का सम्मान करने के लिए मनाया जाता है, व ?योंकि एक बच्चे की परवरिश करने में माताओं द्वारा सहन की जानें वालीं कठिनाइयों के लिये आभार व्यक्त करने के लिये यह दिन मनाया जाता है।

कहा जाता है कि भगवान हर किसी के साथ नहीं रह सकता इसलिए उसने माँ को बनाया। माँ बिना किसी स्वार्थ के अपने बच्चों की हर जरुरत के लिये हर पल तैयार रहती है। माँ पहली, सर्वश्रेष्ठ और सबसे अच्छी व महत्त्वपूर्ण होती है क्योंकि कोई भी माँ की तरह सच्चा और वास्तविक नहीं होता। जिंदगी की पहली गुरू माँ होती हैं, बच्चे की पहली दोस्त माँ होती है।

लेकिन आज के इस भौतिकवादी समय में अजीब विड़बना है, लोग अपनी माँ का ख्याल तक नहीं रखते है और यही कारण है कि आज बच्चों के होते हुए भी माँओ को अकेला तन्हा छोड़ दिया जाता है। आज के समय में बच्चे अपनी माताओं को केवल अपने सुख के लिए वृद्धाश्रम में छोड़ आते है और जिन माँओ ने अपने बच्चे के लिए अपना सारा सुख छोड़ दिया आज उन्हीं के बच्चे अपनी माँ को सड़क पर असहाय छोड़कर चले जाते है और माँ को अपना जीवन अकेले ही जीना पड़ता है।

माँ शब्द में पूरी दुनिया का बोध होता है। माँ शब्द में वह लगाव एवं मिठास छिपी होती है, जो ओर किसी शब्द में नहीं होती। माँ नाम ही संवेदना, भावना और अहसास का है। माँ के आगे दुनिया के सभी रिश्ते बौने हो जाते हैं। माँ की छाया में न केवल वह अपने बच्चों को सहेजती है बल्कि जरूरत पड़ने पर उसका सहारा बन जाती है। दुनिया में ऐसे कई उदाहरण है जिन्होंने अकेले ही अपने बच्चों की पूरी जिम्मेदारी निभाई।

सब के हित में हो फैसला

आज सुबह जब मैं अखबार पढ़ रहा था मेरा मन बड़ा ही विचलित हो गया प्रथम पृष्ठ देखकर मन ही मन देश की व्यवस्था पर दिल से खूब गाली देने का मन कर रहा था एक तो देश में लाक डाउन है जिससे देश की सभी प्रकार की व्यवस्थाएं बंद थी फिर वह माल गाड़ी कैसे चालू हो गई बेचारे वह मजदूर की क्या गलतियां थी जो अपनी रोजी रोटी कमाने के लिए एक राज्य से दूसरे राज्य आए थे मेरा प्रश्न इन राजनेताओं से है जब आप कोटा से स्कूल के छात्राओं को अपने निवास स्थान पहुंचा सकते हैं तो फिर यह व्यवस्था मजदूरों के लिए क्यों नहीं इसका जवाब आपको देना होगा क्योंकि यह मजदूर गरीब है लाचार हैं वह अपनी आवाज नहीं उठा सकते है इसलिए-महाराष्ट्र के औरंगाबाद में शुक्रवार को सुबह-सुबह दर्दनाक हादसा हुआ पटरी पर सोए 16 प्रवासी मजदूरों की मालगाड़ी से कटकर मौत हो गई यह दुर्घटना नहीं एक प्रकार से राजनेताओं के द्वारा उनकी गरीब होने की सजा उनको मिली है उनकी मौत का जिम्मेदार कौन है जरा बताओ-आज कोरोना काल में बहुत से लोगों ने बहुत सी चीजें खो दी है जैसे कई की रोजी-रोटी चली गई कई व्यापारियों का व्यापार चला गया आज उनके सामने एक तरफकुआं और दूसरी तरफखाई की स्थिति पैदा हो गई है भारत सरकार का इनकी तरफ ध्यान ही नहीं जा रहा है सब नेता अपनी रोटी सेकने में लगे हैं कृपया मैं इन नेताओं से विनम्र निवेदन करता हूं कि जो भी फैसला ले सबके हित में ले एवं देश के हित में ले।

- **जीतेन्द्र जैन**

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

जो कमाने गऐ रोटी

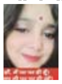

जो कमाने गऐ रोटी वो तो भूख के मारे थे चिथडो के साथ उनके बस रोटी ही तो लिपटी थी सच वो तो हालातों से हारे थे औरंगाबाद में मालगाडी से कट कर16मजदूरों की दर्दनाक मौत अन्दर तक हिला रही है मुझको।

- **रेनूमनोज श्रीवास्तव**

ऐसे समय मे साथ निभाने

ऐसे समय मे साथ निभाने का शुक्रिया! मैं हूँ सभी की दोस्त जताने का शुक्रिया! ऐसी घड़ी पड़ी कि मेरी नींद उड़ गयी, दिन में भी चाँद-तारें दिखाने का शुक्रिया! यूँ गीत नज़्म आकर मेरी कोई पढ़ रहा, मेरे लिखे को नाम दिलाने का शुक्रिया ! जो भी यहाँ है साथ मेरे ,ऐसे ही रहे , आकर के हौसला यूँ बढ़ाने का शुक्रिया! दुनियाँ से आज ऐसे सबक सीखे मोहिनी, अपने खड़े हो साथ, जमाने का शुक्रिया !

- **मोहिनी गुप्ता**

ख़ास पाती

जान लगा दी सारी दिल बहलाने में

जान लगा दी सारी दिल बहलाने में। छुपा रखी है चाहत क्या तहख़ाने में। कितनी सच है बात सुनी थी लोगों से। ग़म की होती यार,, क़ज़ा मैख़ाने में।। ज़ीस्त किसी के नाम नहीं यूँ ही करते। कुछ तो बात रही होगी,,,,, दीवाने में।। वादा करना होता ,,,,,सबसे है आसाँ। मुश्किल तो बस होती उसे निभाने में। दुश्मन ही समझा होता तो क्या गम था। गम ये है के ,,,,,रखते हो बेगाने में।। दिल के ज़ख्मों की गहराई कहती है। पक्का है तू मेरे यार,,,,,, निशाने में।। रोकोगे तो दर्द ,,,बहुत बढ़ जाएगा। अच्छा ही है आँसू अनिल बहाने में।।

- **अनिल शर्मा**

तुमने देखा नही शायद मै वहीं था

तुमने देखा नही शायद मै वहीं था बिखरे पन्नो के नीचे सबसे आखरी पंक्तियों में मैं वही था सीढ़ियों के किनारे चप्पलों के ढेर के पास मैं वहीं था आंखों के कोर में उम्मीदों को थामे हुए मै वही था पंखे से निकलते शोर में पसीने के संग बहता हुआ मैं वहीं था तुमने देखा नही शायद।। आओ एक बार फिर से ढूंढ लो मुझे तुम हर बार मैं वही मिलूंगा तब भी मैं वही था, अब भी हूँ तुमने देखा नही शायद। - **गजेन्द्र द्विवेदी गिरीश**

किसी की मौत पर अपने अहं और

किसी की मौत पर अपने अहं और नफ़रत को पोषित किया जाना, इंसानियत को तार-तार कर उस इंसान के खोखले व्यक्तित्व का परचम लहराता दिखाने के लिए काफी होता है.. ऐसे इंसान की उपलब्धियों का मूल्य शून्य बराबर.. भाड़ में जाए ऐसे इंसान की उपलब्धियां। - **मिनाक्षी सिंह भरद्वाज**

अमीर ए शहर लाचार निकला

अमीर ए शहर लाचार निकला। हर आदमी खुद्दार निकला। देख कर हैरां हूँ खबरें, जब सुबह अखबार निकला। चले ढूंढने जब भी वफ़ा हम, क़दम क़दम बाज़ार निकला। जब हमने पूछा मयकशी को, हर शख्स यहा तैयार निकला।

- **कमलकांत डोंगरे**

कहते हैं, मजदूर किसी भी देश

कहते हैं, मजदूर किसी भी देश की अर्थ व्यवस्था की रीढ़ की हड्डी होते हैं! लेकिन जब यही रीढ़ की हड्डी रेल और लोहे की पटरियों के बीच चरमरा के दम तोड़ने लगे, तो यक़ीन मानिये..न सिर्फ अर्थव्यवस्था बल्कि देश की हर व्यवस्था अपनी अंतिम क़ग़ार पर है..!!

- **असगर अस्क**

क्यों नहीं खिलते फूल वफा के

क्यों नहीं खिलते फूल वफा के मन की पगडंडियों पर क्यों है हर ओर भ्रम का जाल क्यों है हर नज़र ब गुमशुदा वीरानियों में मिलते नहीं दिल से दिल बस है छलावा हर शख्स आज के दौर में फिर कैसे कह दूं प्यार अभी भी ज़िन्दा है।

- **मीनाक्षी सुकुमारन**

डर लगता है तो डरो ना... डरना है

डर लगता है तो डरो ना... डरना है कियूं हैंड सैनिटाइज करो ना जाना है बाहर तो मास्क अपना पहन न बाहर जा कर क्या करना घर पे ही मजे करो ना।

- **रिया हरप्रीत**

QUIZ TIME

1) किस राज्य की मेट्रो रेल सेवा देश की दूसरी सबसे बड़ी ऑपरेशन मेट्रो नेटवर्क बन गयी है?

2) 'अमेरिकन फैक्ट्री' ने बेस्ट फीचर-लेंथ डाक्यूमेंट्री में ऑस्कर पुरस्कार 2020 जीता, इस फिल्म को किस सुप्रसिद्ध अमेरिकी ने प्रोड्यूस किया है?

3) संसार में यूरेनियम का अग्रणी उत्पादक देश कौन-सा है?

4) ब्रिटिश सरकार ने राष्ट्रवादियों की संविधान सभा के गठन की माँग को अप्रत्यक्ष तौर पर अपवादों के साथ किस प्रस्ताव / योजना / एक्ट ने स्वीकार किया था?

5) केरल में स्थित संग्रहालय का नाम बताए?

उत्तरमाला- (1) हैदराबाद (2) बराक ओबामा (3) कज़ाकिस्तान (4) अगस्त प्रस्ताव (5) नेपियर संग्रहालय

Ramaquiz

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1427- यूरोपीय देश स्विट्जरलैंड के बर्न शहर से यहूदियों को निष्कासित किया गया। 1503- इटली के खोजकर्ता एवं नाविक कोलंबस ने कायमान द्वीप की खोज की। 1526- पानीपत की पहली लड़ाई में जीत के बाद बाबर ने तत्कालीन भारत की राजधानी अकबराबाद (आगरा) में प्रवेश किया। 1534 - फ्रांसीसी नाविक जैक्स कॉर्टियर न्यूफाउण्डलैंड पहुंचा। 1655- ब्रिटिश सेना ने जमैका पर कब्जा किया। 1774 - लुई 15वें की मौत के बाद लुई 16वां फ्रांस का राजा बना। 1796 - नेपोलियन ने लोदी ब्रिज के युद्ध में ऑस्ट्रिया को हराया 1824 - लंदन की नेशनल गैलरी को आम नागरिकों के लिए खोला गया। 1857 - स्वतंत्रता संग्राम की पहली लड़ाई मेरठ की छावनी से शुरू हुयी।

पैदल घर जाने निकले 28 मजदूरों को पहले खिलाया खाना, फिर सकुशल उनके घर रवान किया गया

नवप्रदेश संवाददाता

बिलासपुर । रतनपुर लॉक डाउन में एक ओर जहाँ कोरोना वायरस का खौफसभी के जेहन में डर पैदा कर रहा है तो वही अब इस माहामारी की वजह से देश के विभिन्न हिस्सों में फंसे मजदूरों की स्थिति किसी त्रासदी के जैसे सामने आई है, देश के विभिन्न राज्य अपने क्षेत्र में फंसे ऐसे सभी मजदूरों को वापस उनके घर भेजनें प्रयासों में जुट गए है। भले ही सत्ता सरकारों को जागने में समय लगा हो, लेकिन अब प्रयास शुरू हो गए है।

बीते 45 दिनों के लॉक डाउन अवधि में भुखमरी और लाचारी ऐसे हावी हुई कि अन्य राज्यों में फंसे मजदूर पैदल ही अपने घरों के लिए 500 से 1000 किलोमीटर के रास्ते पर निकल गए, जिनमें से

कई की मौत भी रास्ते मे हो चुकी है, बिलासपुर में बीते दिनों झारखंड के एक मजदूर की मौत पैदल चलने की वजह से बिगड़ी हालत के वजह से हुई थी, वही रेलवे ट्रेक पर आराम कर रहे 16 मजदूरों की मौत ने पूरे देश को सोचने पर मजबूर कर दिया है।

अब भी हजारों की तादात में इन मजदूरों के घर लौटने का सिलसिला जारी है, प्रदेश में भी राज्य सरकार ने एक आदेश जारी कर सभी तरह की सहूलियतें मुहैया कराने निर्देश जारी किए है, जिसमें प्रदेश आने वाले या यहाँ से गुजरने वाले श्रमिक, मजदूरों को भोजन, पानी, स्वास्थ्य सुविधा सहित यात्रा के लिए संसाधन उपलब्ध कराएं जाएंगे।इसीक्रम में मध्यप्रदेश के रीवा जिले में फंसे 10 बच्चों सहित 18 मजदूर शुक्रवार की देर रात रतनपुर पहुँचे, जिन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश की सरकार ने उन्हें अमरकंटक तक पहुँचाया, जहाँ से वह पैदल केंवची तक पहुँचे जहाँ से पुलिस जवानों द्वारा वाहन से रतनपुर तक आये है, यहां से आगे उन्हें मुंगेली जिले के लोरमी तहसील अंतर्गत ग्राम सिंघनपुरी जाना है । मजदूर परिवार की स्थिति को देखते हुए कुछ समाज सेवकों ने तहसीलदार सहित महामाया मन्दिर ट्रस्ट के द्वारा हर संभव प्रयास कर भोजन दीगर सुविधाएं उपलब्ध कराया गया इसके बाद मुंगेली जिला प्रशासन अधिकारियों से चर्चा कर वाहन की व्यवस्था कराइए गई जिसके बाद सभी 28 लोगों को सकुशल उनके घर रवान किया गया।

न्यूज गैलरी

पैसों की तंगी से परेशान सिटी बस के ड्राईवर ने की खुदकुशी

बिलासपुर । लॉक डाउन के कारण बस,ट्रेन ऑटो के पहिये थम गए है। जिसके तहत पिछले कई दिनों से शहर सहित आसपास के क्षेत्रों में चलने वाली सिटी बसें भी

बस डिपो में खड़ी है. जिससे सिटी बस स्टाफके सामने अपने परिवार का पेट पालने समस्या उतपन्न हो रही थी. बस नही चलने से दुर्गाम्बा कंपनी के बस स्टाफ को काफी परेशानी उठानी पड़ रही थी। वही शनिवार को आखिरकार सिटी बस स्टाफके कंडेक्टर ने तंखा नही मिलने से मौत को गले लगा लिया। पिछले 5 सालों से सीटी बस में कंडेक्टर का काम करने वाले टिकरापारा निवासी लुक्स जॉन एंथोनी ने पैसे की तंगी के करण आत्महत्या कर ली.जिससे सिटी बस स्टाफमें खासा आक्रोश है। सूत्रों की माने तो कुछ दिन पहले मृतक एंथोनी पैसे नही होने की जानकारी देते हुए दुर्गाम्बा कंपनी के अकाउंटेंट से वेतन की मांग की थी पर पैसा नही होने का हवाला देते हुए उसे चलता कर दिया गया। शायद यही कारण है कि एंथोनी ने खुदकुशी करना बेहतर समझा की जिले में कोरोना से एक भी जान नही गई हो। पर लॉक डाउन के कारण काम नही चलने और पैसे की तंगी के चलते सिटी बस के कंडक्टर ने आत्महत्या करली और अपने परिवार को अकेला छोड़ गया. जो दुखद घटना है बहरहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जिले में 1800 हेक्टेयर खेत के मेड़ों पर लगाये जायेंगे अरहर

बिलासपुर । दलहनी फसल को बढ़ावा देने के लिये जिले में 1800 हेक्टेयर खेत की मेड़ों पर अरहर की पैदावार की जाएगी। उप संचालक कृषि विभाग बिलासपुर ने बताया कि खेत के मेड़ ऊंची भूमि पर होते हैं, जहां कोई भी अन्य फसल नहीं हो सकती है और मेड़ का जमीन फालतू पड़ा रहता है। ऐसे अलाभकारी खेतीअथवा कम उत्पादन को लाभकारी खेती में बदलने के लिये जिले के चयनित गौठान ग्रामों के खेतो के मेड़ों पर अरहर फसल उगाने के लिये किसानों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसके लिये राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन योजनांतर्गत 25 किलो प्रति हेक्टेयर की दर से मेड़ों में अरहर उगाने के लिये किसानों को निःशुल्क अरहर बीज उपलब्ध कराया जाएगा। उल्लेखनीय है कि फसलों के उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने में उन्नत एवं प्रमाणित बीज का योगदान 10 से 15 प्रतिशत होता है। इसके साथ ही धान की अलाभकारी खेती को कम लागत उत्पादन तकनीक की सहायता से लाभकारी बनाया जा सकता है। लाभदायक खेती के लियेविभागीय योजनाओं एवं कृषि से संबंधित तकनीकी जानकारी के लिये वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, कृषि विकास अधिकारी एवं ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों से किसान सम्पर्क कर सकते हैं।

क्वारंटाइन नियम का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ पुलिस ने किया अपराध दर्ज

बिलासपुर । मस्तूरी क्वारंटाइन सम्बंधी शासन के निर्देशों के अनुसार जिस व्यक्ति को इसके दायरे में रखा जाता है, उसे तय समय तक उसका पालन करना है , ताकि वायरस के संक्रमण और लक्षणों की पहचान की जा सके। इन दिनों जिले में बड़ी संख्या में ऐसे लोग क्वारंटाइन किये जा रहे है जो बाहर से यहां पहुँच रहे है। शासन के निर्देश अनुसार उन्हें कम से कम 14 दिनों के लिए क्वारंटाइन किया जा रहा है। मस्तूरी थाना क्षेत्र के भी पाराघाट में विकास वस्त्रकार पिता बलदेव वस्त्रकार जो कि पिछले दिनों कोरबा जिले से आया था उसे 14 दिनों के लिए क्वारंटाइन किया गया था, लेकिन उसके द्वारा नियमो का उल्लंघन करते हुए खुले में घूमना फिरना किया जा रहा था,मामले में पंचायत की सूचना पर तथ्य सही पाए जाने के बाद पुलिस ने क्वारंटाइन नियमों का उल्लंघन के मामले में धारा 188,269 और महामारी अधिनियम की धारा(3) के तहत कार्यवाही की गई है उपरोक्त धारा गैरजमानती है आरोपी को उसके क्वारंटाइन अवधि पूर्ण किए जाने के बाद गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा। गौरतलब है कि वायरस के संक्रमण का खतरा बेहद ही प्रभावी है, लिहाज़ा शासन के निर्देशों का पालन अनिवार्य है।

जिले में पान दुकान, सेलून और ब्यूटीपार्लर निर्धारित शर्तों के अधीन होंगे संचालित

मुंगेली। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने बताया कि कोरोना वायरस कोविड-19 के संक्रमण से बचाव एवं रोकथाम हेतु भारत सरकार और राज्य सरकार द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुरूप जिले में संचालित पंजीकृत पान दुकान, सेलून (नाई दुकान) और ब्यूटीपार्लर को निर्धारित शर्तो के अधीन संचालन की अनुमति दी गई है। इन दुकानों का संचालन भी प्रातः 7 बजे से दोपहर 3 बजे तक होगी। बशर्ते इन दुकानो को भी सोशल डिस्टेसिंग और फिजिकल डिस्टेसिंग एवं कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव हेतु समान्य निर्देशों का पालन करना होगा। मेडिकल स्टोर्स के संचालन के संबंध मे पूर्व मे जारी आदेश में आशिक सशोधन किया गया है।

लॉक डाउन में वनवासियों को आर्थिक मजबूती देगा हरा सोना

- जिले में 50 हजार संग्राहकों द्वारा 8 करोड़ से अधिक के तेंदूपत्ते का किया गया संग्रहण
- जिले में लक्ष्य के आधे से अधिक तेंदूपत्ते का किया जा चुका है संग्रहण

कोण्डागांव। लोग कहते हैं कि सोना धरती की सतह से हजारों मीटर नीचे चट्टानों में ही मिलता है पर छत्तीसगढ़ की धरती पर हरा सोना हमारे जंगलों में जमीन के ऊपर पौधों में मिलता है। ये हरे सोने के रूप में तेंदूपत्ता वनवासियों का अमूल्य संपदा रहा है। जो ग्रामीणों के लिए आजीविका की अपार संभावनाएं ले कर आता हैं। विदित हो कि कोण्डागांव की दुर्गम चट्टानी एवं पथरीली भूमि पर जल संसाधनों के अभाव में केवल मानसूनी कृषि ही संभव हो पाती है। साल के 5 महीनों के रोजगार के पश्चात ना तो इन वन वासियों के पास ना तो रोजगार होता है ना ही आजीविका का कोई साधन। ऐसे में इन दुर्गम जंगली इलाकों में रहने वाले वनवासियों के समक्ष भोजन की समस्या उत्पन्न हो जाती है जो इन्हें या तो कुपोषण या तो पलायन की ओर ले जाती है। इन परिस्थितियों में ग्रामीण आजीविका के लिए अपने वनों के अमूल्य संपदा वनोपजों पर ही निर्भर रहते हैं। इन्ही के विक्रय से प्रतिदिन के आवश्यकताओं की प्रतिपूर्ति कर पाते हैं। राज्य शासन द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 23 प्रकार के वनोपजों की खरीदी से सभी ग्रामीण उत्साहित हैं।

इस संबंध में कलेक्टर नीलकण्ठ टीकाम ने बताया कि विगत दिनों ग्रामीणों के उत्साह का नजारा इमली, महुआ के संग 11 अन्य प्रकार के वनोपजों के संग्रहण में दिखा। जहां कोण्डागांव में अब तक 6 करोड़ से अधिक राशि के वनोपज का विक्रय वनवासियों द्वारा किया गया। वर्तमान में 4 मई से तेंदूपत्ता संग्रहण प्रारम्भ हुआ है। इस बार 4000 मानक बोरा न्यूनतम समर्थन मूल्य होने से संग्राहकों में विशेष उत्साह है।

पुरातन काल से है वनवासियों के जीवन मे है तेंदूपत्ते का विशेष महत्व

राज्य शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर 23 प्रकार के वनोपजों का संग्रहण किया जा रहा है परन्तु तेंदूपत्ते का पुरातन काल से वनवासियों के अर्थव्यवस्था में विशेष महत्व रहा है क्योंकि तेंदूपत्ता वनों में चहुँओर सर्व व्याप्त है और इनमें अधिक श्रमबल की आवश्यकता होती है ऐसे में गांवों में बच्चे बूढ़े से लेकर जवान सभी मिलकर तेंदूपत्ते के संग्रहण से आय अर्जित कर पाते हैं। पूर्व में बिचैलिये के द्वारा कम दामों पर खरीदी द्वारा इन्हें ठग लिया जाता था परन्तु समर्थन मूल्य पर समितियों द्वारा खरीदी से उनको उनका हक प्राप्त हो रहा है।

चार माह का गर्भ लेकर चार दिनों तक शिकायत लिखाने भटकती रही दुष्कर्म पीड़िता

- उच्च अधिकारियों के संज्ञान लेने के बाद आरोपी के खिलाफ दर्ज किया अपराध

बिलासपुर । शादी का प्रलोभन देकर दैहिक शोषण करने वाले आरोपी के खिलाफ शिकायत लिखाने पीड़िता चार दिनों से भटकती रही , अलाधिकारियों के संज्ञान लेने के बाद पीड़िता की शिकायत दर्ज की गई ।

दरअसल पूरा मामला जिले के कोतवाली थाने का है जहां गुरूवारा को पिछले चार दिनों से थाने के चक्कर काट रही मजबूर युवती की फरियाद आखिर सुन ली गई , देर शाम तक दैहिक शोषण के मामले में अपराध दर्ज कर लिया गया पुलिस के अनुसार बिलासपुर निवासी अभिषेक सलूजा द्वारा एक युवती को शादी का झांसा देकर युवती का दैहिक शोषण करता रहा । जब युवती 4 माह की गर्भवती हुई तो उससे शादी करने से इंकार कर दिया और बुधवार को ही अनावेदक द्वारा कर्रवाई से बचने के उद्देश्य से बहला फुसलाकर शादी करने के नाम से सहमति पत्र पर कोतवाली थाने में हस्ताक्षर करवा लिया गया था लेकिन इसके बाद अपनाने से इंकार करते आरोपी द्वारा युवती को जान मारने तक कि धमकी देता रहा इसके बाद पुनः युवती गुरुवार को थाने पहुंचकर थाना प्राभारी समक्ष न्याय की गुहार लगाई । थोड़ी देर बाद सीएसपी कार्यालय के बाहर बैठी अबला से पत्रकारों ने बात करने की कोशिश की तो थानेदार के इशारे पर एक आरक्षक ने महिला को थाने के अंदर बुला लिया गया.. थोड़ी देर बाद जब पत्रकारों ने मामले की जानकारी की उच्चाधिकारियों को दी तो मामले पर संज्ञान लेते हुए अधिकारियों ने तुरंत कार्रवाई की बात कहीं 4 दिन से भटक रही 4 माह से गर्भवती महिला की गुहार आखिर सुन ली गई । देर शाम आरोपी के खिलाफधारा 376 (2 एन), 294 और 506 के तहत मामला दर्ज कर लिया गया

पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह का बयान प्रलाप और प्रलोभन से ज्यादा कुछ नहीं : अटल श्रीवास्तव

बिलासपुर। छतीसगढ़ के मजदुरो को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह का बयान प्रलाप और प्रलोभन से ज्यादा कुछ नही है। प्रदेश कॉग्रेस उपाध्यक्ष अटल श्रीवास्तव ने कहा 15 वर्ष का पूर्व मुख्यमंत्री पहले कुम्भकर्णी निद्रा में सोते रहते है पर जैसे ही छत्तीसगढ़ की सरकार जनहित कार्य करती है ,अचानक बयान देने के लिए उठ खड़े होते है ।

,अटल श्रीवास्तव ने कहा कि छत्तीसगढ के मजदूर पिछले 45 दिनों से अलग अलग प्रान्तों में बड़ी संख्या में फंसे हुए थे ,जो केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार की अदूरदर्शी निर्णय का दुखद परिणाम था, नरेंद्र मोदी ने अपने चिर-परिचित स्टाइल में अवतरित होते है और जो बोलना है बोल जाते है ,जनता पर उसके दुष्परिणाम को नजर अंदाज करते है ,जिसे गरीब जनता भोगती है,

अटल श्रीवास्तव ने कहा पिछले 45 दिनों में गरीब मजदूरों ने आर्थिक तंगी ,स्वास्थ्य गत,भूखे-प्यासे ,छोटे छोटे बच्चों के साथ जिल्लत की जिंदगी जीने को विवश थे ,पीने के लिए पानी नही ,रहने के लिए छत नही ,तब तक डॉ रमन सिंह ने उन गरीब मजदूरों की सुध नही ली, और न ही प्रधानमंत्री से मजदूरों की घर वापसी के लिए छूट की ही मांग की।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री मुख्य मंत्री भूपेश बघेल की सरकार ने मजदूरों की घर वापसी के लिए 28 ट्रेनों से विभिन्न प्रान्तों से श्रमिको को लाने जा रही है ,तो फिर भाजपा और रमन सिंह को तकलीफ होना स्वाभाविक है ,अटल श्रीवास्तव ने कहा डॉ रमन सिंह चाऊर वाले बाबा थे तब 36 हजार करोड़ का नॉन घोटाला हुआ था,और वो चावल गरीबो के लिए था,ऐसे जन सेवक है डॉ साहब ।

अटल श्रीवास्तव ने कहा जब छत्तीसगढ़ की सरकार अन्य प्रान्तों में फंसे मजदूरों के लिए किराया देकर 28 ट्रेन हायर की है ऐसे में डॉ रमन सिंह का बयान मजदूरों में भ्रम और डर पैदा करने वाला है ,नाडियाड में जो ट्रैन रुकी ,वह तकनीकी कारणों से है । अटल श्रीवास्तव ने कहा डॉ रमन सिंह को छत्तीसगढ़ की जनता से सहानुभूति होती तो ,जो पैसा प्रधानमंत्री कोष में जमा किये उसे पहले छत्तीसगढ़ की गरीब जनता के लिए देते फिर केंद्र के बारे में सोचते पर उन्होंने ऐसा नही किया । केंद्र में भाजपा की सरकार है ,जो राम के नाम पर सत्ता में आई पर दारू दुकान खोलने की अनुमति दे रही है पर मन्दिर, मस्जिद, गुरुद्वारा ,गिरिजाघर बन्द है। अटल श्रीवास्तव ने कहा कि 45 दिनों से छत्तीसगढ़ की गति ठहर सी गई है ,चारो ओर एक अज्ञात भय का वातावरण है,गरीब ,मजदूर, मध्यम वर्ग, असहाय, वृद्ध,महिलाये, सभी वर्तमान और भविष्य के लिए चिंतित है, उन्हें सम्बल देती छत्तीसगढ़ की कांग्रेस की सरकार और कांग्रेस के जन प्रतिनिधी । किन्तु बिलासपुर के सांसद अरुण साव अखबारों में तो प्रतिदिन मिल रहे है , पर स्वयं सांसद बिलासपुर में निवासरत है कि अन्य कहीं ? अटल श्रीवास्तव ने कहा इस संकट काल मे अपने सांसद को जनता ढूंढ रही है और जानना चाहती है कि जनता की सहायता के लिए सांसद ने कोरोना वायरस संक्रमण बचाव / सुरक्षा के लिए कितनी राशि स्वीकृत की है ? अटल श्रीवास्तव ने कहा प्रवासी श्रमिको के क्वारंटाइन पीरियड में रहने,खाने ,स्वास्थ्य सहित सभी व्यवस्था शहरी और ग्रामीण क्षेत्रो में कर दी गई है।

लॉकडाउन के दौरान रेलवे द्वारा निरंतर चलाई जा रही पार्सल स्पेशल, श्रमिक स्पेशल एवं मालगाड़ियां

बिलासपुर । रेल लाइनों पर असुरक्षित चलने, रेल की पटरियों को पार करने व रेल लाइनों के समीप अन्य किसी भी प्रकार की असुरक्षित गतिविधियों को रोकने हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा चलाया जा रहा है जागरूकता अभियान रेल प्रशासन द्वारा नागरिको को रेल लाइनों पर चलने, लाइनों को असुरक्षित पार करने एवं रेल लाइनों के आसपास अन्य असुरक्षित गतिविधियों को रोकने तथा किसी भी प्रकार की संभावित दुर्घटनाओं से बचाव हेतु समय समय पर जागरूकता अभियान चलाये जाते है । वर्त्तमान में कोविद-19 के संक्रमण की रोकथाम के मद्देनजर किये गए लॉक डाउन के दौरान रेलवे द्वारा देशवासियो की दैनिक जरूरतों को पूरा करने हेतु खाद्यान्न सहित अन्य आवश्यक वस्तुओं का परिवहन तथा विभिन्न तापघरों में बिजली की आपूर्ति को नियमित बनाये रखने हेतु आवश्यक कोयले का परिवहन कर इस विषम परिस्थिति में भी देशवासियों की जरूरी आवश्यकताओं व सुविधाओं को सुनिश्चित किया जा रहा है । इसके साथ ही साथ देश के अलग-अलग स्थानों से श्रमिकों को उनके घरो तक सुरक्षित पहुँचाने हेतु श्रमिक स्पेशल ट्रेने भी निरंतर चलाई जा रही है ।

रेल लाइनों पर इन सभी ट्रेनों की लगातार परिचालन के फलस्वरूप रेल लाइनों पर चलने, लाइनों को असुरक्षित पार करने एवं रेल लाइनों के समीप अन्य किसी भी प्रकार की असुरक्षित गतिविधियां कीमती मानव जीवन के लिए घातक हो सकता है । अतः रेल प्रशासन नागरिको से अनुरोध करता है कि वे रेल पटरियों पर न तो चले एवं न ही रेल पटरियों को पार करने का जोखिम उठाएं 7 इस प्रकार कि गतिविधियों के लिए रेलवे अधिनियम के तहत जुर्म भी दर्ज की जा सकती है ।

रेल लाइनों एवं पटरियों के आसपास असुरक्षित चलने एवं असुरक्षित तरीके से रेल की पटरियों को पार करने व अन्य गतिविधियों को रोकने हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा एक जागरूकता अभियान की भी शुरुआत की गयी है, जिसके तहत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अधिकार क्षेत्र के विभिन्न जिलों में लगभग 1 लाख मोबाईल एसएमएस भेजे गए है तथा अगले सप्ताह तक 5 लाख अतिरिक्त मोबाईल एसएमएस भेजे जा रहे है । इसके साथ ही साथ विभिन्न रेडियो चैनलों और प्रिंट मीडिया व प्रचार प्रसार के अन्य माध्यमों द्वारा भी लोगों को जागरूक किया जा रहा है।

नवीन वाहन हेतु निविदा 18 मई तक आमंत्रित

कोण्डागांव। कार्यालय जिला पंचायत कोण्डागांव द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत दैनिक कार्यालयीन कार्य के लिए स्कॉर्पियो/बोलेरो की आवश्यकता है। इस हेतु इच्छुक फर्म एवं एजेंसी उक्त वाहन के स्वामी मोहर बंद लिफाफे में डाक अथवा स्वयं उपस्थित होकर कार्यालय जिला राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन में 18 मई को दोपहर 3 बजे तक निविदा जमा करा सकते हैं। निविदा 18 मई को सायं 4 बजे प्राधिकृत अधिकारियों द्वारा जांच के उपरांत सभी उम्मीदवारों के समक्ष जिला पंचायत सभाकक्ष में

खोली जाएगी। निविदा खोले जाने की तिथि पर यदि अवकाश की घोषणा की जाती है तो स्वतः ही आगामी कार्यदिवस पर स्थानांतरित मानी जायेगी। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए इच्छुक अभ्यर्थी जिले की वेबसाइट www. kondagaon. gov.in पर जाकर प्राप्त कर सकते हैं।

दूसरे राज्यों से आने वाले व्यक्तियों को कंट्रोल रूम में सूचना देना अनिवार्य, सेल्फ क्वारंटीन में भी रहना होगा

बिलासपुर । दूसरे राज्यों से बिलासपुर आने वाले व्यक्तियों को जिले के आपदा कंट्रोल रूम में दूरभाष नंबर 07752-251000 पर सूचना देना अनिवार्य है। साथ ही उन्हें सेल्फक्वारंटीन में भी रहना होगा।

कलेक्टर डॉ.संजय अलंग ने कहा कि दूसरे राज्य से आने वाले व्यक्तियों को जिले की सीमा में प्रवेश करने से पूर्व शपथ पत्र भरना होगा, साथ ही अपना स्वास्थ्य परीक्षण भी कराना होगा और तबीयत खराब होने पर इसकी सूचना भी देनी होगी और परिवार के अन्य सदस्यों के संपर्क से दूर रहना होगा। दूसरे राज्य से आने वाले व्यक्तियों को सेल्फ क्वारंटाईन में रहना भी अनिवार्य है और कोरोना संक्रमण से बचाव के लिये जारी एडवाईजरी का भी पालन करना अनिवार्य है।

मजदूरों की व्यवस्था के लिये पूरा ध्यान लगाने अधिकारियों को निर्देश दिया कलेक्टर ने दूसरे राज्य से बिलासपुर जिले में आ रहे मजदूरों की व्यवस्था में पूरा ध्यान लगाने का कलेक्टर डॉ.संजय अलंग ने निर्देश दिया है। वहीं जिले के प्रवासी मजदूर जिनके आने का सिलसिला जारी है। साथ ही बड़ी संख्या में मजदूरों के आने की संभावना भी है। इसको देखते हुए कोरोना संक्रमण से बचाव हेतु सभी मानक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही है।

नाराजगी प्रशासन द्वारा जिन 179 क्वारंटाइन सेंटरों को स्थापित किया उनका हाल बेहाल

प्रशासन द्वारा स्थापित 179 क्वारंटाइन सेंटरों के स्थानीय व्यवस्था से नाराज मजदूर अपने घरों की तरफ

मुंगेली। लाकडाउन की वजह से दूसरे प्रदेशों और अन्य जिलों में फंसे लोगों की वापसी को लेकर जहा जिला प्रशासन ने तैयारियां लगभग पूर्ण कर लिया है वही इन क्वारंटाइन सेंटरों का हाल बेहाल नजर आ रहा है, जिला प्रशासन द्वारा जिन 179 क्वारंटाइन सेंटरों को स्थापित किया गया है वर्तमान में अन्य प्रदेशों से आये कुछ परिवारों को रखा गया है किंतु अब ये परिवार ही प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्था को ले कर नाखुश नजर आ रहे हैं, और अपने घरों की तरफ रुख अख्तियार करने लग गए हैं,, मिली जानकारी के अनुसार हैदराबाद से पैदल चल कर आये मजदूर जिनको नगर के शिवकुमार पाठक भवन में बने क्वारंटाइन सेंटर में रखा गया था वो स्थानीय व्यवस्था से नाराज हो अपने घरों की तरफ निकल गए हैं, जिसके चलते गाँव वालों का आक्रोश बढ़ने लगा है।

गौरतलब हो कि अन्य प्रदेशों से आने वाले व्यक्तियों या श्रमिको के लिए तैयार क्वारेंटाइन सेंटर के संबंध में दिशा निर्देश सभी अनुभाग के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को दिशा निर्देश जारी किया है। उन्होने जारी दिशा निर्देश मे कहा है कि

क्वारेंटाईन सेंटर की निगरानी के लिए स्थानीय परिस्थिति अनुसार ग्राम के स्व-सहायता समूह, युवा समिति, रामायण भजन मंडली तथा कोविड-19 हेतु गठित निगरानी समिति एवं अन्य स्थानीय समिति का सहयोग लिये जाने की बात की कही गयी थी। क्वारेंटाईन सेंटर मे यदि किसी को सर्दी-बुखार या इस तरह का कोई अन्य लक्षण दिखने पर उसे यथासंभव उसी परिसर के पृथक कक्ष मे रहने की व्यवस्था किया जाना था। परिसर मे पृथक कक्ष उपलब्ध नही होने कि स्थिति मे अन्य उपलब्ध शासकीय भवन को क्वारेंटाईन सेंटर के रूप मे उपयोग किया जाये। इसका चिन्हांकन पूर्व से करते हुए आवश्यक तैयारी पूर्ण कर ली जाये। क्वारेंटाईन सेंटर में महिलाओं के महिलाओं के स्नान के लिए सामाजिक मर्यादा के अनुरूप बांस, बोरा इत्यादि का उपयोग कर स्नानगृह तैयारी का कार्य पहले से ही करा लिया जाये, साथ ही परिसर के शौचालय की साफ-सफाई कराते हुए उपयोग योग्य तैयार कर लिया जाये।

> हैदराबाद से आये 4 मजदूरों को नगर के शिवकुमार तिवारी सभागार में बने क्वारंटाइन सेंटर में रखा गया था, जिनके द्वारा भोजन पानी की अव्यवस्था को लेकर प्रशासन पर आरोप लगाते हुये बिना किसी सूचना के अपने घर चले गए थे,, जिसको वापस सेंटर में लाया गया है ।
>
> **सी के ठाकुर,** अनुविभागीय अधिकारी मुंगेली

श्रमिकों को शत-प्रतिशत मजदूरी भुगतान समय पर करने में महासमुंद प्रदेश में प्रथम

- मनरेगा में जिले के एक लाख 52 हजार से अधिक श्रमिकों को मिला रोजगार
- जाब कार्ड के लिए आवेदन करने पर 15 दिवस के भीतर बनाकर दिया जाएगा जाब कार्ड

नवप्रदेश संवाददाता

महासमुंद। प्रदेश के वाणिज्य कर, आबकारी, उद्योग एवं जिले के प्रभारी मंत्री कवासी लखमा द्वारा वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना (नरेगा) के तहत् जिले में चल रहे विभिन्न कार्यों एवं श्रमिकों की जानकारी ली गई। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डा. रवि मित्तल द्वारा बताया गया कि महासमुंद जिले के सभी ग्राम पंचायतों में आवश्यकतानुसार कार्य प्रारम्भ किए गए हैं। जिले में पहली बार एक लाख 50 हजार से अधिक श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराया गया है, जो कि देश में दूसरे स्थान पर है। मनरेगा के अंतर्गत वर्तमान में जिले में एक लाख 52 हजार 263 श्रमिक कार्यरत हैं। इनमें बागबाहरा

विकासखंड में 31 हजार 443 श्रमिक कार्यरत् हैं। इसी प्रकार बसना विकासखंड के अंतर्गत 30 हजार 170 श्रमिक, महासमुंद में 29 हजार 33 श्रमिक, पिथौरा में 29 हजार 834 श्रमिक एवं सरायपाली विकासखंड में 32 हजार 483 श्रमिक कार्यरत् हैं। उन्होंने बताया कि जिले के श्रमिकों को शत्-प्रतिशत मजदूरी भुगतान समय पर करने में महासमुंद जिला प्रदेश में पहले स्थान पर हैं। प्रत्येक ग्राम पंचायत में 07 मई को रोजगार दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें पांच सूत्र के पालन कर रोजगार दिवस का आयोजन किया गया। जिले में मनरेगा का कार्य प्रगति पर है एवं रोजगार दिवस के आयोजन पर चार हजार से अधिक कार्य स्वीकृत कर रोजगार प्रदान किए जाने के लिए रखे गए। रोजगार दिवस आयोजन में आगामी सप्ताह के लिए 60 हजार से अधिक मांग-पत्र प्राप्त हुए है। लोगों के आवश्कतानुरूप नए जाब कार्ड के लिए आवेदन किए हैं, उन्हें 15 दिवस के भीतर उन्हें जाब कार्ड बनाकर प्रदाय किया जाएगा। नए जॉब कार्ड के लिए आवेदन ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत को प्रदाय करने के 15 दिवस के भीतर जाब कार्ड प्रदाय किया जाएगा। ऐसे परिवार जो अलग-अलग रहते हैं, नई शादी हुई है, पृथक-पृथक राशन कार्ड है, उनको ग्राम पंचायत से अनुमोदन उपरांत नया जाब कार्ड प्रदाय किया जा सकता हैं। आवेदक द्वारा उक्त ग्राम पंचायत का मूल निवासी होना अनिवार्य है एवं आवेदक का किसी भी जाब कार्ड में नाम नहीं होना चाहिए। जिले में नरवा, गरवा, घुरवा, बाड़ी के अंतर्गत नरवा के तहत् 50 नालों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए जिले में 543 कार्य स्वीकृत किए गए हैं। जिसमें से 191 कार्य प्रगतिरत् है। इनमें जनपद पंचायत बागबाहरा 53 कार्य प्रारम्भ हो चुका हैं। बसना में 31, महासमुंद में 30, पिथौरा में 49 एवं सरायपाली में 28 कार्य प्रगतिरत् हैं।

न्यूज गैलरी

आरक्षक का चेक गिरवी रख बैंक से निकाली राशि, जुर्म दर्ज

महासमुंद। एक आरक्षक का उधारी के एवज में रखा चेक एक युवक द्वारा बैंक में जमा कर खाते से राशि आहरित करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरक्षक की शिकायत पर बीटीआई रोड निवासी शशांक पिता राकेश जैन के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। सिंघनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम छुईपाली निवासी आरक्षक हेमंत भोई पिता सुनील भोई ने करीब तीन साल पहले शशांक जैन से निजी काम के चलते 40 हजार रुपए ऋण लिया था। इस दौरान सुरक्षा के रूप में शशांक के पास विजया बैंक का चेक रखा। दो साल के भीतर उन्होने शशांक से लिए पूरे पैसे का भुगतान कर दिया। रुपए देने के बाद चेक की मांग करने पर शशांक ने मना कर दिया। इसके बाद वह 5 प्रतिशत ब्याज की दर से पैसे की मांग करता रहा। न देने पर नौकरी से निकलवा देने और गुंडों से पिटवा देने की धमकी देने लगा। हेमंत ने बताया कि 24 अप्रैल 2020 को उसके मोबाइल पर मैसेज आया कि उनके बैंक से 20 हजार रुपए चेक के माध्यम से निकाला गया है। इसके पहले भी 7 अप्रैल को 6 हजार रुपए निकाला गया है। बैंक में जानकारी लेने पर शशांक द्वारा चेक से राशि आहरण की बात सामने आई। पुलिस ने उक्त युवक के खिलाफ धारा 384, छग ऋण संरक्षण अधिनियम की धारा 4 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया है।

रक्तदान कर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

महासमुंद। माँ शाकम्भरी रक्तदाता सेवार्थ समिति छत्तीसगढ़ द्वारा हंदवाड़ा में शहीद हुए वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए जिला अस्पताल महासमुंद में रक्तदान शिविर का आयोजन रखा गया था। शिविर में समिति के अध्यक्ष प्रकाश पटेल, खेलावन विश्वकर्मा, रोहित पटेल, मिलेश कुमार साहू, दिनेश कुमार निराला, पावेंद्र साहू, विजय कुमार पटेल, संजय साहू, कामेश पटेल, प्रताप सिंह की मुख्य भूमिका रही। माँ महामाया रक्तदाता सेवार्थ समिति के अध्यक्ष रवि साहू, शंकर पांडेय, मुन्ना लाल साहू, मेवल साहू ने सहयोग किया।

लॉकडाउन का उल्लंघन, आटो चालक के खिलाफ कार्रवाई

महासमुंद। अधिक सवारी बिठाने व लॉकडाउन का पालन नहीं करने पर पुलिस ने आटो चालक के खिलाफ कार्रवाई की है। आटो चालक यात्री परिवहन प्रतिबंधित होने के बाद भी अधिक संख्या में सवारी बिठाकर एक स्थान से दूसरे स्थान जा रहा था। पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफधारा 188 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है। पुलिस के अनुसार मुखबिर की सूचना पर आटो क्रमांक सीजी 04 एलई 5923 के चालक बशीर मोहम्मद को तुमगांव रोड ग्राम परसदा स्थित पुलिस लाइन के सामने रोका। टीम ने देखा कि आटो में 9 महिलाएं बैठी थीं। चालक ने सोशल डिस्टेंसिंग का पालन न करते हुए आगे पीछे सवारी बिठाया था।

नशे में उत्पात मचाने की शिकायत

महासमुंद। आदर्श नगर वार्ड 30 में शराब के नशे में उत्पात मचाने वाले व्यक्ति के खिलाफपुलिस ने मामला दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार महामाया प्रसाद उर्फ मोनू यादव रोजाना शराब पीकर मोहल्लेवासियों से गाली-गलौज करता है। गुरुवार को भी वह नशे में धुत्त होकर गली में गाली-गलौज कर रहा था और मना करने वालों से मारपीट कर रहा था। इस पर उसी मोहल्ले के एक व्यक्ति प्रीतम प्रजापति ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर मामला दर्ज कर विवेचना में लिया है।

पुलिस ने रूकवाई नाबालिग की शादी

महासमुंद। लॉकडाउन अवधि में प्रशासन द्वारा विवाह के लिए निर्धारित शर्तों के साथ अनुमति दी जा रही है। ऐसी ही अनुमति लेकर बागबाहरा में एक नाबालिग लड़की की शादी कराई जा रही थी, जिसकी सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचकर पुलिस ने नाबालिग की शादी रुकवाई। मामला बागबाहरा शहर के वार्ड क्रमांक 12 की है। मंडीपारा निवासी एक व्यक्ति ने अपनी दो बेटियों की शादी की अनुमति के लिए एसडीएम कार्यालय में 28 अप्रैल को आवेदन किया था। अनुविभागीय अधिकारी ने 5 एवं 6 मई को शादी समारोह के लिए अनुमति प्रदान की थी। अनुमति मिलने के बाद तय तिथि में विवाह कार्यक्रम चल रहा था। तेंदूकोना से बारात पहुंच गई थी और रस्म भी शुरू हो गई थी। इसी दौरान बागबाहरा थाने में सूचना मिली की जिन दो लड़कियों की शादी हो रही है, उनमें से एक नाबालिग है। सूचना मिलते ही बागबाहरा थाना से एसआई संजय सिंह राजपूत टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

गौठानों में ग्रीष्मकालीन धान का पैरा दान करने का सिलसिला शुरू

- राजनांदगांव जिले के मोखला गौठान के लिए 65 बंडल पैरा एकत्र

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ शासन की नरवा, गरूवा, घुरवा, बाड़ी योजना के तहत पशुओं के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु गांव में निर्मित गौठानों में पशुओं के लिए सूखे चारे की व्यवस्था मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ग्रामीण अंचल के किसानों ने पैरा दान करते रहे हैं। बीते खरीफसीजन में राज्य के हजारों गौठानों के लिए ग्रामीणों पैरा दान किया था। ग्रीष्मकालीन धान की पैदावार के बाद भी किसानों ने गौठानों में पैरा दान के अभियान को जारी रखा है। ग्रीष्मकालीन धान की फसल का पैरा गौठानों में दान देने की

शुरूआत राजनांदगांव जिले के ग्राम जंगलेशर से हुई है। जंगलेशर के किसानों ने ग्रीष्मकालीन धान की कटाई के बाद बेलर मशीन के माध्यम से 65 बंडल पैरा आदर्श गौठान मोखला को दान देने के लिए एकत्र किया है।

यहां यह उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ शासन की सुराजी योजना के प्रमुख घटक गरूवा के अंतर्गत राज्य के लगभग 5 हजार 400 ग्राम पंचायतों में गौठान निर्माण की स्वीकृति दी जा चुकी है, जिसमें से लगभग 2 हजार गौठान पूर्ण रूप से संचालित होने लगे हैं। संचालित गौठानों में आने वाले पशुओं के चारे-पानी की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। गौठानों से ग्रामीणों का जुड़ाव सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे भी ग्रामीणों एवं किसानों से भेंट-मुलाकात के दौरान उन्हें गौठान की प्रत्येक गतिविधि में भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रेरित करते हैं। कृषि मंत्री का कहना है कि गौठान के मालिक गांव के ग्रामीण और किसान हैं। इसका संचालन ग्रामीणों की ही जिम्मेदारी है। गौठान में आने वाले पशुओं के लिए चारे-पानी का इंतजाम गौठान प्रबंधन समिति की जिम्मेदारी है। गांव में गौठानों के बनने के बाद से यहां आने वाले पशुओं के लिए पैरा दान की एक अच्छी परम्परा शुरू हुई है। ग्रामीण स्व-स्फूर्त रूप से गौठानों के लिए पैरा दान करने के साथ-साथ गौठान को आजीविका का केन्द्र बनाने में जुटे हैं।

शराब दुकान खुलने को लेकर कांग्रेस भाजपा आमने सामने

- शराब दुकान खुलने को लेकर प्रदेश में राजनीतिक माहौल गर्म हो गया है, भाजपा कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर आमने सामने आ गए है जहां भाजपा इसका विरोध कर रही वही कांग्रेस इसे बचाव उतर आई है

गरियाबंद। बुधवार शाम जिला कांग्रेस अध्यक्ष भावसिंह ने साहू गरियाबंद स्थित जिला कांग्रेस भवन मे पत्रकारो से चर्चा की। जिसमें प्रदेश में शराब दुकान खोलने के बाद भाजपा द्वारा किए जा रहे विरोध को झूठा प्रपंच बताते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष भावसिंह साहू ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा शराब दुकान खोलने की छुट देने के बाद ही राज्य सरकार ने शराब दुकान खोली है। लाकडाउन के संबंध में सारे आदेश निर्देश केन्द्र सरकार से ही जारी हो रहे है उसके अनुरूप ही सभी राज्य सरकारो द्वारा दी गई छुट का पालन किया जा रहा है। केन्द्र सरकार द्वारा शराब दुकान खोलने की छुट देने के बाद देश के सभी राज्यो में शराब ब्रिकी शुरू हुई है, भाजपा शासित राज्यो में भी शराब दुकान खुली है। उत्तरप्रदेश में जहां भाजपा सरकार है वहां तो पहले ही दिन सारे रिकार्ड तोड़ शराब ब्रिकी हुई है। मध्यप्रदेश में भी शराब दुकान खुल गई है। इसलिए भाजपा के नेता प्रदेश में झूठा प्रपंच करना बंद करे। जब भाजपा शासित राज्यो में ही शराब दुकान खुली है तो भाजपा को इसमे प्रपंच करने के पहले केन्द्र सरकार से पुछना चाहिए कि उन्होने शराब दुकान खोलने की छुट क्यो दी। भाजपाई पहले भाजपा शासित राज्यो की स्थिति देखे जहां की सरकार ने भी शराब दुकान खोलने के निर्देश जारी है उसके बाद राज्य सरकार के विरूध्द ब्यानबाजी करे। कांग्रेस जिला अध्यक्ष भावसिंह साहू ने बताया कि देश में इसके पहले भी कई राज्यो में शराब बंदी का परीक्षण किया गया है। मिजोरम, नागालैण्ड, बिहार में शराब बंदी की गई है लक्ष्यदीप और मणिपुर में आशिंक शराब बंदी की गई जो असफल साबित हुई यहां फिर से शराब बंदी शुरू हो गई। इसके अलावा आंध्रप्रदेश, हरियाणा में भी इसके प्रयास किए गए जो असफल रहे। राज्य में शराब बंदी को लेकर सबसे पहले रमन सरकार ने लोगो को छला है। 15 वर्ष शासन में रहकर भाजपा ने शराब बिकवाई भी और फिर भी खुद भी बेची। तब भाजपाई खामोश रहे। तत्कालिक सरकार ने 11 सदस्यी कमेटी बनाई और चरणबध्द शराबबंदी करने की बात कही जो पूर्णत मिथ्या साबित हुई। इसके पहले भाजपाई अपने गिरेबान में जाके उसके बाद प्रदेश में शराब बंदी की बात करे। इस अवसर पर ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष बीरू यादव, जिला कोषाध्यक्ष बीरू यादव, प्रवक्ता कृष्णकुमार शर्मा, शहर अध्यक्ष एवं पार्षद रितिक सिन्हा, एल्डरमेन हरीश भाई ठक्कर, पूर्व इंटक अध्यक्ष राजेश साहू, सेवादल अध्यक्ष भूपेन्द्र चंद्राकर भी मौजुद थे।

छत्तीसगढ़िया लोगों के तपस्या को शराब दुकान खोलकर कांग्रेस सरकार ने भंग किया: शर्मा

गरियाबंद। देश-दुनिया जहां एक ओर कोरोना वायरस के संक्रमण से जूझ रहा है। ऐसे विषम परिस्थितियों के दौर में भी छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार ने शराब दुकानें खोल दी है। प्रदेश में शराब दुकान खोले जाने को लेकर भाजपा सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के प्रदेश सहसंयोजक आशीष शर्मा ने कांग्रेस सरकार को आड़े हाथ लेते हुए कहा है

कि प्रदेश की जनता ने साबित कर दिया कि 45 दिन बिना शराब के रह सकते हैं लेकिन प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने यह बता दिया कि वह बिना शराब दुकान खोले नही रह सकती है। वर्तमान दौर में जिस तरह से देश की जनता संयम एवं धैर्य का परिचय देते हुए कोरोना वैश्विक महामारी से लड़ रहे हैं, उसी तरह ही इस शराब की गंदगी से भी लड़ें। परंतु छत्तीसगढ़ सरकार ने शराब की दुकानें खोलकर आमजनता के इन प्रयासों को असफल बनाने का कृत किया है, जो कि घोर निंदा के काबिल हैं। छत्तीसगढ़ धार्मिक और अनुशासित प्रदेश है। यहां प्रदेश सरकार शराब बिक्री कर अनुशासन को भंग करना चाहती है। उन्होने कहा कि कांग्रेस के नेता चुनाव के समय शराबबंदी को लेकर हांथों में गंगाजल लेकर कसम खाए थे, आज सरकार में बैठे कहां गए वो लोग।

शराब दुकान खोलने के बजाय, गरीब और किसानों के हित की चिंता करें सरकार : चंद्राकर

गरियाबंद। कोरोना वायरस के संकट से देश जूझ रहा है, ऐसे वक्त पर शराब दुकान खोलने के निर्णय को अनुचित बताते हुए भाजपा के जिला उपाध्यक्ष अनिल चंद्राकर ने कहा है कि राज्य सरकार को गांव गरीब और किसान के हितों को लेकर फैसला लेना चाहिए। शराब दुकान खोलने के बजाय गांव में रोजगार खोलते तो बेहतर होता। उन्होने कहा कि केंद्र सरकार की तर्ज पर जनता के लिए पैकेज की घोषणा करने के बजाए राज्य की कांग्रेस सरकार शराब बेचने में जुट गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि शराबबंदी को लेकर गंगाजल लेकर

कसम खाने वाले कांग्रेस के लोग अब कहां छुप गए है। जहां शराब दुकान खोलने के लिए राज्य सरकार ने वैश्विक महामारी के संकट को भी नजरअंदाज कर दिया है। देखा जाए तो यह एक तरह से लॉकडाउन का उल्लंघन है। जिला उपाध्यक्ष ने कहा कि वर्तमान समय में राज्य सरकार लॉकडाउन की स्थिति में छोटे व्यापारियों के साथ भेदभाव की नीति अपना रही है। छोटे व्यापारियों के हितों को राज्य सरकार ध्यान नहीं दे रही है, जबकि लॉकडाउन के दौरान सबसे ज्यादा नुकसान फुटकर व्यापारियों को हुआ है।

कलेक्टर को शिवनाथ साहित्य धारा डोंगरगांव के साहित्यकारों ने सर्जना पत्रिका की प्रति भेंट की

राजनांदगांव। कलेक्टर जयप्रकाश मौर्य को आज शिवनाथ साहित्य धारा डोंगरगांव के साहित्यकारों ने पत्रिका 'सर्जना' की प्रति भेंट की। इस अवसर पर संस्था के संरक्षक वीरेन्द्र कुमार तिवारी, सचिव संतुराम गंजीर, महेन्द्र कुमार बघेल उपस्थित थे। पत्रिका सर्जना में हिन्दी, छत्तीसगढ़ी, संस्कृति, पर्व से संबंधित आलेख, कविताएं का संग्रह है। इसमें सामाजिक सरोकार से जुड़ी रचनाएं शामिल की गई है और इसके माध्यम से रचनात्मक प्रतिभा को बढ़ावा दिया जा रहा है। भुंईया के भगवान किसान ... पीपर तरी फुगड़ी, तिहार, झन बांट मनखे ला जैसे कविताएं एवं आलेख का संग्रह है।

कोरोना योद्धा स्वच्छता दीदी रेहाना और मधु घर-घर पहुंचा रही है कोरोना से बचाव का संदेश

राजनांदगांव। कोरोना योद्धा स्वच्छता दीदी श्रीमती रेहाना परवीन एवं श्रीमती मधु निषाद कंचनबाग क्षेत्र में डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन के दौरान लोगों को कोरोना संक्रमण से बचाव एवं सावधानी की जानकारी दे रहें है। लखोली निवासी श्रीमती रेहाना परवीन ने बताया कि पति की मृत्यु होने के बाद परिवार की जिम्मेदारी आ गई, अब मैं घर एवं अपना यह कार्य

दोनों ही अच्छी तरह से कर पा रही हूं। कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए साफ-सफाई बहुत जरूरी है। इसलिए हम लोगों के घर-घर तक यह संदेश पहुंचा पा रहे हैं। श्रीमती मधु निषाद ने कहा कि कोरोना से बचाव के लिए हम सभी स्वच्छता दीदी लोगों को जागरूक कर रहे हैं और सोशल डिस्टेंसिंग के साथ ही अन्य सावधानी का पालन करने के लिए लोगों को जागरूक कर रहे हैं।

सौर सुजला योजना से किसान हो रहे लाभान्वित

राजनांदगांव। कोविड-19 के कारण लॉकडाउन अवधि के दौरान नवीन एवं नवीनकरणीय ऊर्जा के शेष कार्या को भारत सरकार द्वारा छूट प्रदाय करने के बाद बचे हुए किसान परिवारों के घरों में सोलर पंप संयत्र प्रदान एवं स्थापित कर किसानों को फसल उत्पादन के लिए जल की सुविधा प्रदान की गई है। लॉकडाउन अवधि में जिले किसानों को सिंचाई कार्य में सोलर पंपों के संचालन में किसी भी प्रकार की असुविधा न हो जिसके लिए पंप टेक्नीशियनों के कार्य को संचालन किया जा रहा है। क्रेडा ऊर्जा विभाग के महत्वपूर्ण सौर सुजला योजना के अंतर्गत जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जहां विद्युत कनेक्शन पहुंचने के कारण किसानी कार्यों को करने में सुविधा मिली है। सौर सुजला योजना गांव में पहुंचने से फसल उत्पादन में बढ़ोतरी हुई है। क्रेडा द्वारा जिले में सौर सुजला योजना के अंतर्गत 3 एचपी एवं 5 एचपी के 2684 कृषकों के यहां सोलर पंप लगने से जल उपलब्ध होने के कारण किसानों को फसल उत्पादन करने में सुविधा मिली है तथा दुगुने फसल के उत्पादन से आय में वृद्धि हुई है।

डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ ने कहा- कोरोना की लड़ाई में हमारा जोश दोगुना कर दिया

महासमुंद। विश्व रेडक्रॉस दिवस पर राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर मिली थीम के अनुसार जिला चिकित्सालय महासमुंद में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर किए गए। साथ ही चिकित्सकीय अमले से कोरोना वॉरियर्स को सम्मानित कर उनकी हौसला-अफजाई करने के साथ-साथ एक दिवसीय रक्तदान शिविर भी आयोजित किया गया। सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए समिति के दिग्गज एवं अनुभवी सदस्यों ने अपने विचार रखे और जिले भर से एकत्र चुनिंदा स्वास्थ्यकर्मियों को गुलाब के पुष्प भेंट कर आभार व्यक्त किया। विगत शताधिक वर्षों से चिकित्सा सेवा क्षेत्र में अभूतपूर्व योगदान के लिए जाने विश्वव्यापी प्रतिष्ठित रेडक्रॉस समिति ने जम कर तालियां बजाते हुए कोरोना को हराने में लगे वॉरियर्स को अनूठे तरीके से सलामी

दी, जिससे परिसर का कोना कोना गड़-गड़ाहट से गूंज उठा। इस दौरान सुबह करीब 11 बजे रेडक्रॉस समिति के पदाधिकारी जिला चिकित्सालय पहुंचे और कोरोना ओपीडी, ब्लड बैंक एवं डायलीसिस यूनिट सहित परिसर का पूरा चक्कर लगाया। कोरोना वायरस नियंत्रण एवं रोकथाम आपातकालीन सेवाओं में जुटे चिकित्सक, स्टाफ नर्स, लैब टेक्नीशियन, पैरा मेडिकल स्टाफ, आरबीएसके दल सहित पुलिस विभाग एवं सिक्योरिटी सर्विसेज के कर्मठ वॉरियर्स से बारी-बारी मिल कर सम्मानित करते गए। अंतिम दौर में विशालकाय घेरा बना कर कोरोना को हराने के लिए उंचे स्वर में जोशीले नारे लगाते हुए कोरोना मुक्त महासमुंद का शुभकामना संदेश प्रेषित किया गया। चिकित्सकीय अमले और सलाहकारों के दल ने भी आयोजनकर्ताओं का तहे दिल से शुक्रिया अदा किया। स्वास्थ्य विभाग की ओर से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एसपी वारे ने आयोजकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ आरके परदल द्वारा रेडक्रॉस की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि रेडक्रॉस सोसायटी की स्थापना सर हेनरी ड्यूनॉट द्वारा युद्ध में पीड़ित सौनिकों की सेवा एवं मानवीय दृष्टिकोंण के आधार पर की गई थी। हर साल 08 मई को उनके जन्म दिन पर यह उत्सव विश्व रेडक्रॉस दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दौरान मंच संचलान में जिला कार्यक्रम प्रबंधक संदीप ताम्रकार ने दूरी बनाते हुए भी सभी को एक लय में बांधे रखा। डॉ वाईएम मेमन, श्रीमती अरुणा शुक्ला, संदीप दीवान कोरोना वायरस नियंत्रण एवं रोकथाम दल के नोडल अफसरों में डॉ आई नागेश्वर राव एवं डॉ अनिरुद्ध कसार, आरबीएसके टीम से आयुष चिकित्सा अधिकारी डॉ देवंद्र साहू व अस्पताल सलाहकार डॉ निखिल गोस्वामी सहित जीपी चंद्राकर का विशेष योगदान रहा।

एनएमडीसी पॉलिटेक्निक को बेहतर प्रदर्शन हेतु मिला आईएसओ 9001: 2015 प्रमाण पत्र

■ **एनएमडीसी बचेली प्रबंधन ने सीएसआर विभाग ,प्राचार्य एवं सभी विभागों को दी शुभकामनाएं।**

नवप्रदेश संवाददाता

बचेली। एनएमडीसी बचेली प्रोजेक्ट सीएसआर अंतर्गत क्षेत्र के युवक व युवतियों हेतु जावंगा दंतेवाड़ा में पॉलिटेक्निक का सफल संचालन वर्ष 2011 से कर रहा है। संस्था में क्वालिफाइड फैकल्टीज उच्च गुणवत्ता वाली लैब राष्ट्र स्तरीय कैंपस के साथ-साथ अनेक सह पाठ्यक्रम गतिविधियां की जाती रही है। पिछले 3 वर्षों से पॉलिटेक्निक से पासआउट छात्र छात्राओं हेतु कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव भी चलाई जा रही है ,जिसमें अनेक प्रतिष्ठित कंपनियों ने सहभागिता कर छात्र-छात्राओं को रोजगार के अवसर प्रदान किए है। जो कि संस्था की उच्च गुणवत्ता की शिक्षा एवं अन्य क्रियाकलापों को दर्शाता है। आपको बता दे कि बस्तर क्षेत्र में कुल आठ पॉलिटेक्निक है जिसमें से एनएमडीसी पॉलिटेक्निक सर्वश्रेष्ठ पॉलिटेक्निक है। जबकि एडमिशन के मामले में एनएमडीसी पॉलिटेक्निक प्रदेश में सर्वप्रथम है।

हाल ही में एनएमडीसी पॉलिटेक्निक iso 9001: 2015 से सर्टिफाइड हुआ है जो कि बस्तर जैसे क्षेत्र के लिए बहुत ही बड़ी उपलब्धि है। iso 9001 उच्च गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली (QMS) के लिए अंतर्राष्ट्रीय मानक है। आईएसओ एक बुनियादी अवधारणा के रूप में अंतरराष्ट्रीय संगठन का संक्षिप्त नाम है। यह मूल रूप से मानकीकरण के लिए अंतरराष्ट्रीय संगठन है आईएसओ मानक वे मानदंड है जो गुणवत्ता मानक और दुनिया में शैक्षणिक,औद्योगिक, वाणिज्यिक क्षेत्रों की सेवा करने विभिन्न क्षेत्रों की ओर से बेहत उच्च मानकों के अनुसार तैयारी के आधार पर अध्ययन कराए जाते हैं। आईएसओ द्वारा मानकों का उपयोग संगठनों द्वारा छात्रों और विनियामक आवश्यकताओं को पूरा करने अनेक सेवाओ को लगातार प्रदान करने और शिक्षा के गुणवत्ता में निरंतर सुधार करने का प्रदर्शन करने की उनकी क्षमता को प्रदर्शित करने के लिए किया जाता है। शैक्षणिक संगठन में आईएसओ प्रमाण का विशिष्ट महत्व है एनएमडीसी पॉलिटेक्निक ने अपनी उपलब्धि रूपी किताब में यह स्वर्णिम पृष्ठ जोड़ा है। महाविद्यालय की इस उपलब्धि के लिए एनएमडीसी बचेली प्रबंधन ने सीएसआर विभाग ,प्राचार्य एवं सभी फैकल्टीज को उनके अथक प्रयासों के लिए हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित की है।

■ न्यूज गैलरी

सादगी से मनी महाराणा प्रताप की जयंती

कोरबा। राजपूत क्षत्रीय समाज ने शनिवार को सादगी से महाराणा प्रताप की जयंती मनाया। क्षत्रिय समाज के अध्यक्ष अवधेश सिंह ने बताया कि कोरोना वाइरस को ध्यान में रखते हुये सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए समाज के लोगो ने डेढ़ की आन बान और शान वीर योद्धा महाराणा प्रताप की जयंती मनाई है। कोरोना काल को देखते हुए सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए राजपूत क्षत्रिय समाज के लोगो ने शनिवार को महाराणा चौक बुधवारी बाजार में माल्यार्पण कर जयंती मनाई। इस अवसर पर समाज के संरक्षक आर के सिंह ,एसडी सिंह, अध्यक्ष अवधेश सिंह,उपाध्यक्ष विजय सिंह , महासचिव मुकेश सिंह ,सह सचिव छन्नू सिंह ,बच्चू सिंह ,श्रेष्ठ सिंह ठाकुर ,पवन सिंह ,जितेंद्र सिंह , जयराम सिंह चंदेल एवं मंटू सिंह सहित समाज के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

नगर निरीक्षक मनीष लगातार पैदल मार्च कर शहर में व्यवस्था को कर रहे है दुरुस्त

सक्ती। नगर निरीक्षक लगातार शहर का पैदल मार्च कर लोगों को लॉक डाउन के नियमों का पालन करने एवं कराने लगे हुए है। थाना स्टाफ के साथ लगातार नगर निरीक्षक मनीष सिंह परिहार द्वारा कर्तव्यों का पालन करते हुए हर संभव प्रयास किया जा रहा है। ज्ञात हो कि प्रदेश सरकार द्वारा कोविड 19 महामारी के मद्देनजर शनिवार और रविवार को पूरी तरह से लॉक डाउन का आदेश जारी किया गया है। वहीं कुछ लोग नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही है जिसे देखते हुए नगर निरीक्षक मनीष सिंह परिहार द्वारा अपने स्टाफके साथ पैदल मार्च कर लोगों को समझाइश देते हुए वही जो लॉक डाउन का पालन नहीं कर रहें हैं उन्हें समझाया जा रहा है। वहीं पुलिस को देख कुछ लोग छुप रहे है तो कुछ लोग पुलिस के कार्यों की सराहना भी कर रहे है। सक्ती पुलिस लगातार लोगों से दोस्ताना व्यवहार स्थापित करते हुए शासन प्रशासन के नियमों को बताते हुए पालन करने के लिए भी बताया जा रहा है।

मई माह में प्रत्येक शुक्रवार रात 11 बजे से सोमवार सुबह 6 बजे तक होगी पूर्णत: तालाबंदी

बीजापुर। कोरोना वायरस कोविड़-19 से बचाव एवं रोकथाम के लिए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी के डी कुंजाम ने सम्पूर्ण बीजापुर जिला में मई माह के् प्रत्येक शनिवार एवं रविवार को पूर्णतः तालाबंदी (लॉकडाउन) करने के आदेश दिये गये हैं। उल्लेखनीय है कि कोविड -19 से बचाव और प्रसार की रोकथाम के लिए जिले में पूर्व से ही धारा 144 लागू है और फिजिकल डिस्टेशिग का पालन किया जा रहा है। वर्तमान परिस्थिति को देखते हुए भारत सरकार और राज्य शासन द्वारा दी गयी छूट को प्रतिबंधित करते हुए सप्ताह में दो दिन का पूर्णता तालाबंदी की जा रही है। यह पूर्णता तालाबंदी शुक्रवार की रात 11 बजे से सोमवार सुबह 6 बजे तक रहेगी। इस अवधि में निम्नानुसार गतिविधियों पर प्रतिबंध रहेगा-

परिवहन पर प्रतिबंधः जिले में समस्त सार्वजनिक परिवहन सेवाएं, जिसमें निजी बसें, टैक्सी ,ऑटो रिक्शा ,बसे , ई रिक्शा, रिक्शा इत्यादि भी शामिल है, के परिचालन को तत्काल प्रभाव से बंद किया जाता है। केवल इमरजेंसी मेडिकल सेवा वाले व्यक्तियों को वाहन द्वारा आवागमन की अनुमति रहेगी। ऐसी निजी वाहन जो इस आदेश के अंतर्गत आवश्यक वस्तुओं /सेवाओं के उत्पादन एवं उनके परिवहन का कार्य कर रहे हो, उन्हें भी अपवादिक स्थिति में तत्कालिक आवश्यकता को देखते हुए परिवहन की छूट रहेगी।

इसी तरह आवश्यक सेवाएं प्रदान करने वाले कार्यालय और प्रतिष्ठान को छोड़कर सभी दुकानें, व्यवसायिक प्रतिष्ठान, कार्यालय ,सप्ताहिक हाट बाजार आदि अपनी संपूर्ण गतिविधियों को बंद रखेगी।

सीजीएचएस कोड के बिना नहीं होगा मेडिकल का भुगतान

नवप्रदेश संवाददाता

कोरबा। बिजली कंपनी ने अधिकारी कर्मचारियों को निर्देश जारी किया है कि इलाज के लिए रेफर किए गए मामलों में मेडिकल बिल के भुगतान के दौरान फाइनल बिल में अगर सेंट्रल गर्वमेंट हेल्थ स्कीम (सीजीएचएस) कोड का उल्लेख नहीं होगा तो मेडिकल राशि का भुगतान नहीं किया जाएगा।

सुधार के लिए बिल को वापस भेज दिया जाएगा। इस तरह के बिलों का सुधार हो जाने के बाद ही बिल का सत्यापन किया जाएगा। बिजली कंपनी के ओर से जारी निर्देश में कहा गया है कि निजी अस्पतालों में रेफरल और वहां इलाज होने के बाद मेडिकल राशि लेने के लिए अस्पताल में सत्यापन के लिए प्रस्तुत किए जाते हैं। लेकिन यह देखने को मिल रहा कि कई बिलों में सीजीएचएस का कोड नंबर ही नहीं लिखा होता है। ऐसे में मेडिकल बिल के भुगतान के सत्यापन में दिक्कत होती है और भुगतान में भी देरी होती है। कई बार मरीजों को अधिक भुगतान हो जाने के बाद रिफंड के लिए भी भटकना पड़ता है। ऐसे में बिजली कंपनी ने कहा है कि रेफरल के बाद जब तक इमरजेंसी न हो इलाज से पहले या बिलिंग के पहले निजी अस्पतालों में होने वाले खर्च का इस्टीमेट लेकर ही औषधालय से चेक करवा लिया कि यह सीजीएचएस के दरों के अनुरूप है या नहीं। अगर किसी कारण से कर्मचारी पहले इस्टीमेट नहीं लिया गया है तो फाइनल बिल में सभी भुगतान राशियों के सामने सीजीएचएस कोड का अनिवार्य रूप से उल्लेख होना चाहिए, जिससे कर्मचारियों को परेशानी उठानी ना पड़े।

निर्देश के अनुसार ही अनुबंधित अस्पतालों में उपचार की सुविधा

बिजली कर्मियों की सीजीएचएस दरों पर उपचार के लिए अधिसूचित अस्पतालों की सूची पावर कंपनी समय-समय पर जारी करती है। इन अस्पतालों में कर्मचारियों के सीजीएचएस दरों पर बिलिंग की शर्त पर ही इन्हें अधिसूचित किया जाता है। लेकिन कर्मचारियों की यह शिकायत रहती है कि अस्पताल हमेशा सीजीएचएस दर पर बिलिंग नहीं करते। इससे कर्मियों को आर्थिक नुकसान होता है। उन्हें अतिरिक्त भुगतान खुद ही करना पड़ता है। वहीं विभाग से पूरी राशि नहीं मिल पाती है।

कैशलेस मेडिकल सुविधा की मांग अब तक नहीं हुई पूरी: वर्तमान में कर्मचारी अस्पतालों में खुद के खर्च पर इलाज कराते हैं बाद में उनको मेडिकल भुगतान विभागों से किया जाता है। कर्मचारियों की शिकायत रहती है कि जितना खर्च इलाज में लगता है, उतनी राशि कंपनी से नहीं मिल पाती। इससे आर्थिक समस्या झेलनी पड़ती है। वहीं बिजली कंपनी में अधिकारी कर्मचारी लंबे समय से कैश लेस मेडिकल सुविधा की मांग कर रहे हैं। इसकी प्रक्रिया आगे भी बढ़ाई, लेकिन वास्तव में कर्मचारियों को अब तक इसका लाभ मिलना शुरू नहीं हुआ है।

गुटका,तम्बाखू ,गुड़ाखु की हो रही कालाबाजारी 10 गुना दामो में बेची जा रही सामग्री

■ **प्रतिबंध के बावजूद चोरी छुपे बेचा जा रहा तम्बाखू उत्पाद**

नवप्रदेश संवाददाता

बचेली । लॉक डाउन के चलते संक्रमण को मद्देनजर रखते हुए जिला प्रशासन ने तम्बाखू उत्पादों को प्रतिबंधित किया था। कारण बताया गया था की सार्वजनिक स्थानों पर थूकने से संक्रमण का खतरा बना हुआ है। जिसके बाद नगरीय प्रशासन एवं पुलिस विभाग द्वारा छापा मारकर कुछ दुकानों से गुटके, तम्बाखू,गुड़ाखु,आदि बरामद किया गया था एवं चलानी कार्यवाही भी की गई थी। जिसके बाद आलम यह है की 5 रु का गुटका 30 रुपये में बिक रहा है,10 रुपये का गुड़ाखू 150 तक में बेचा जा रहा है। सिगरेट,तम्बाखू भी मनमानी कीमतों में चोरी छुपे बेची जा रही है। प्रतिबंध की वजह से इन चीजों की कालाबाजारी चरम पर है। इस विषय पर बचेली तहसीलदार श्री पीआर पात्र से बात की गई तो उन्होंने बताया की पहले भी कई लोगो के ऊपर छापामार कार्यवाही कर सामग्री जप्त की गई थी अभी भी चोरी छुपे तम्बाकू उत्पाद बेचे जाने की जानकारी प्राप्त हो रही है। ऐसे लोगो पर भी जल्द ही कठोर कार्यवाही की जाएगी नगरवासियो से अपील है की प्रशासन का सहयोग करे। इस विषय मे जानकारी हो तो प्रशासन से साझा करें।

प्रोजेक्ट मॉनीटरिंग यूनिट से होगी कोल ब्लॉकों की राह आसान

नवप्रदेश संवाददाता

कोरबा। नए कोयला खदानों की राह आसान करने के लिए कोयला मंत्रालय ने पर परियोजना निगरानी इकाई याने प्रोजेक्ट मॉनीटरिंग यूनिट की शुरुआत की है। इसका उद्देश्य कोल परियोजनाओं के रास्ते आने वाली बाधाओं को दूर करना है।

प्रोजेक्ट मॉनीटरिंग यूनिट के माध्यम से केंद्र व राज्य के विभिन्न विभागों से जरूरी अनुमति या अन्य कार्यवाहियों में भी सहयोग मिलेगा। इज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देने की कड़ी में इसे महत्वपूर्ण बताया जा रहा है। हाल ही में कोयला मंत्रालय के सचिव ने कोल ब्लॉक आवंटन हासिल करने वाली कई कंपनियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए चर्चा की। इस दौरान उनको प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग यूनिट के संबंध में जानकारी दी गई। यह भी बताया गया कि पीएमयू के लिए मेसर्स केपीएमजी को सलाहकार के नियुक्त किया गया है। जिसका लाभ कंपनियां ले सकेंगे। दरअसल सरकार कमर्शियल माइनिंग के तहत कोयला क्षेत्र में निजी निवेशकों को प्रोत्साहित करने की नीति पर काम कर रहा है। इसका उद्देश्य कोयला उद्योग को प्रतिस्पर्धी बनाना है। दूसरी तरफ सरकार कोल इंडिया की स्थिति भी मजबूत करने के लिए कई तरह के निर्णय ले रही है। चालू वित्तीय वर्ष में कोल इंडिया को 710 मिलियन टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य दिया गया है। इसके लिए कोल कंपनियों को अभी से तैयारी में जुटने कहा गया है। पूर्व में सरकार ने बेहतर रेटिंग वाले कोयला खदानों सम्मानित करने का भी निर्णय लिया था।

व्यवसायिक माहौल में होगा सुधार

प्रोजेक्ट मॉनीटरिंग यूनिट के माध्यम से सरकार को उम्मीद है कि इससे कोयला खनन क्षेत्र में व्यवसायिक माहौल में सुधार किया जा सकेगा। आने वाले समय में भी कोल ब्लॉक के आगामी नीलामी में प्रतिस्पर्धी रूप में शामिल होने वाली कंपनियां इससे प्रोत्साहित होंगे और लाभ उठाएंगे।

जिले में भी कोल ब्लॉक को उत्पादन का इंतजार

जिले का मदनपुर कोल ब्लॉक आंध्र मिनरल डेवलपमेंट को आवंटित किया गया है। स्थानीय लोगों के विरोध के चलते इसकी प्रक्रिया धीमी गति से चल रही है। इसके लिए पर्यावरण जनसुनवाई भी होना है। यहां 183 मिलियन कोयले का खनन होना है। लेकिन अब तक परियोजना आगे नहीं बढ़ पाई है।

लाकडाउन में फंसे अन्य राज्यों के लोगों की वापसी हेतु आनलाइन पंजीयन 11 से

जांजगीर-चांपा। जांजगीर-चांपा जिले में कोविड-19 वायरस के कारण लाकडाउन में अन्य राज्यों के फंसे लोगों को अपने गृहराज्य में वापस जाने हेतु ऑनलाइन पंजीयन 11 मई से प्रारंभ हो रहा है। दूसरे राज्यों के जिले में फंसे ऐसे लोगों को छत्तीसगढ़ शासन श्रम विभाग की वेबसाइट में जाकर लाग इन करना होगा। 11 मई के पहले दूसरे राज्यों में जाने प्राप्त आवेदनों की आनलाइन प्रविष्टि का कार्य कलेक्टर कार्यालय द्वारा कलेक्टर की निगरानी में की जाएगी। कलेक्टर श्री जनक प्रसाद पाठक ने दूसरे राज्यों के जांजगीर-चांपा जिले में फंसे लोगों को अपने गृह राज्य वापस जाने के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की अपील की है।

साफिया, जाफिया और ईशिका की चहल कदमी से घर में आई रौनक

जांजगीर-चापा। राज्य में कुपोषित एवं एनिमिया पीड़ित बच्चों और एनिमिक महिलाओं के स्वास्थ्य में सुधार लाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत चिन्हित हितग्राहियों को निःशुल्क पौष्टिक भोजन प्रदाय किया जा रहा है। हितग्राहियों को दिए जाने वाले पौष्टिक भोजन की गुणवत्ता का विशेष ध्यान दिया जा रहा है। स्थानीय स्तर पर उपलब्ध पोषक खाद्य पदार्थो का उपयोग करने के निर्देश भी दिए गए है। कुपोषित और एनिमिया पीड़ित बच्चों के लिए अलग-अलग मेनू बनाने के निर्देश दिए हैं। निश्चित समय-सीमा के बाद हितग्राहियों के स्वास्थ्य में हो रहे परिवर्तन की भी जानकारी संधारित की जा रही है। इस योजना का लाभ भी जिले के कुपोषित छोटे बच्चों को मिल रहा है। अभियान के तहत 6 माह से 3 वर्ष तक के बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर पोषण स्तर की जांच की जाती है। इस क्रम में जांजगीर खरखोद-पामगढ़ की कुमारी साफिया खान, जांजगीर-नैला के वार्ड क्रमांक 02 की कुमारी जाफिया और डोंगाकोहरौद-पामगढ़ की कुमारी ईशिका को मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान से लाभ मिला।

मदद के हाथ | स्वयंसेवी संस्थाएं भी निगम को कर रही निरंतर सहयोग

2,281 लोगों को दिया भोजन, 365 को राशन

कोरबा । लॉकडाउन के 44वें दिन भी जरूरतमंद व्यक्तियों को राशन सामग्री निःशुल्क उपलब्ध कराने एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से बने हुए भोजन का वितरण कराने में बिना थके निगम का अमला डटा रहा। 2,281 लोगों को बना हुआ भोजन उपलब्ध कराया गया। दूसरी ओर 365 व्यक्तियों को राशन सामग्री से युक्त किट जरूरतमंदों को निःशुल्क प्रदान किए गए।

शहर की बेहतर साफ-सफाई, सैनिटाइजेशन, बाजारों में फिजिकल डिस्टेंसिंग का पालन जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रतिदिन लगातार कार्य किए जा रहे हैं। फिजिकल डिस्टेंसिंग का अनिवार्य रूप से पालन करने तथा मास्क को अनिवार्य रूप से पहनने के लिए लोगों को लगातार समझाइश दी जा रही है। इनके उल्लंघन पर अर्थदंड भी लगाया जा रहा है। स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से 2,281 लोगों को बना हुआ भोजन उपलब्ध कराया गया, तो दूसरी ओर 365 व्यक्तियों को उनके घर पहुंचकर राशन सामग्री किट प्रदान की गई। अग्रवाल समाज, रोटरी क्लब, लायंस क्लब, छत्तीसगढ़ हेल्प वेलफेयर सोसाइटी, एक्ट आफ ह?यूमिनिटी, जंगल फैमिली कोरबा, सिख समाज कोरबा ने भोजन उपलब्ध कराया। कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के लिएनगर पालिक निगम निरंतर रूप से सैनिटाइजेशन का कार्य कर रहा है। शासकीय कार्यालयों, क्वारंटाइन सेंटरों, जिला चिकित्सालय, निजी अस्पताल व क्लीनिक, पुलिस थाना-चौकियों, एंबुलेंस एवं शासकीय वाहनों, रैनबसेरों, सब्जी बाजारों, एसएलआरएम सेंटरों सहित वार्ड क्रमांक 09, 37, 44 तथा अन्य स्थानों का सैनिटाइजेशन का कार्य कराया गया। निगम अमला संपूर्ण निगम क्षेत्र में नियमित रूप से किए जाने वाले साफ-सफाई कार्यों को एक विशेष अभियान के रूप में संचालित करा रहा है। नालियों, सड़कों की सफाई, कचरे का तुरंत उठाव, डोर-टू-डोर अपशिष्ट का संग्रहण, कीटनाशक दवाओं का छिड़काव सहित अन्य साफ-सफाई संबंधी कार्य किए गए।

ग्रीन नर्सरी ने दिया पांच क्विंटल चावल

जरूरतमंदों को राशन सामग्री उपलब्ध कराने के लिए राजस्व व आपदा प्रबंधन मंत्री जयसिंह अग्रवाल एवं महापौर राजकिशोर प्रसाद की पहल पर शहर के दानदाता खुले हाथ से सहयोग दे रहे। इसी कड़ी में कोरबा ग्रीन नर्सरी के प्रतिनिधि हाजी एम हारून रसीद ने पांच क्विंटल चावल जरूरतमंदों के सहयोग के लिए निगम को उपलब्ध कराया है।

गरीब आदिवासियों की सुरक्षा की चिंता नहीं शासन-प्रशासन को : मुदलियार

■ **कलेक्टर को पत्र लिख मांगी क्वॉरेंटाइन केंद्रों की जानकारी - श्रीनिवास मुदलियार।**

■ **तेलंगाना, महाराष्ट्र से अत्यधिक मात्रा में तेंदूपत्ता मजदूरों के प्रवेश पर प्रशासन द्वारा रोक ना लगाकर यहां के गरीब आदिवासियों का हनन किया जा रहा है।**

बीजापुर। कोविड -19 के वैश्विक महामारी के प्रकोप से बचाव व नियंत्रण हेतु केंद्र व राज्य सरकारों ने समय- समय पर उचित निर्णय लेकर काफी हद तक नियंत्रण किया। किंतु बीजापुर जिले में भी लॉक डॉउन के नियमों का यहां के नागरिक पूर्णतया पालन कर घरों में रहकर अपने को सुरक्षित रखा। वहीं इस पूरे अभियान में पुलिस अधिकारी कर्मचारियों एवं स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम काफी मुस्तैद रहकर बीजापुर जिले को सुरक्षित रखने का महत्वपूर्ण जिम्मा उठाया। निसन्देह जिला प्रशासन लॉक डॉउन को लेकर काफी गंभीर व सजग रहा। परंतु तेंदूपत्ता ठेकेदारों व उनके सहयोगियों के प्रति लॉक डॉउन के नियमों को ताक में रखकर निजी हित साधने उन्हें अनुमति पास उपलब्ध करा कर बेख़ौफ़जिले व मुख्यालय में घूमने की इजाजत दिया गया। जो लॉक डॉउन के नियमों का घोर उल्लंघन है। तेंदूपत्ता तोड़ाई यहां के गरीब आदिवासियों का जीवनयापन का एक बहुत बड़ा साधन है। पर शासन-प्रशासन को उनके जीवन की सुरक्षा प्राथमिकता में हो, उनकी जीवन सुरक्षित रहे तो जीवन यापन के अनेकों साधन जुटाया जा सकता है। यहां के गरीब आदिवासियों का जीवन यापन मुख्य रूप से वनों पर आधारित होता है। परंतु कोरोना महामारी के संक्रमण से पूर्ण सुरक्षा के साथ तेंदूपत्ता संग्रहण तोड़ाई का कार्य लॉक डॉउन के नियमों के पालन से करते तो बेहतर होता। वहीं तेलंगाना, महाराष्ट्र से अत्यधिक मात्रा में तेंदूपत्ता मजदूरों के प्रवेश पर प्रशासन द्वारा रोक ना लगाकर यहां के गरीब आदिवासियों का हनन किया जा रहा है। जो गंभीर चिंतन का विषय है और क्षेत्रीय विधायक को यहां के गरीब आदिवासियों की कोई चिंता नहीं, सभी अपने अपने हित साधने में लगे हैं। शासन / प्रशासन गरीब आदिवासियों व यहां के नागरिकों का सुरक्षा की चिंता नहीं करते हुए, तेंदूपत्ता तोड़ाई को आवश्यक समझे। किंतु तेंदू पत्ता तोड़ाई उतना ही आवश्यक था, तो लॉक डॉउन के नियमों का पालन करना भी उतना ही नितांत आवश्यक था। बीजापुर जिला कोरोना संक्रमण से मुक्त व सुरक्षित रहे, यदि किसी प्रकार की भी नुकसान यहां के नागरिकों का होता है।

सीईओ की भूमिका पर उठे पंचायतों में 14 -15 वें वित्त की राशि में बंदरबांट, सीईओ की भूमिका पर उठे सवाल

■ कलेक्टर ने एफआईआर दर्ज करने के दिए निर्देश

नवप्रदेश संवाददाता

बीजापुर। ग्राम पंचायतों में सामाग्री खरीदी के बिल स्थानीय टेंडर संजय जैन के द्वारा एडवांस देकर प्रस्ताव मंगाये जा रहे थे। जिसमें स्थानीय ठेकेदार, फर्म और जिला पंचायत सीईओ की भूमिका और संलिप्ता बताई गई थी। जिले के 4 विकासखंडों में 14-15वें वित्त राशि में बंदरबांट की शिकायत सही पाए जाने पर कलेक्टर केडी कुंजाम ने भुगतान पर तत्काल रोक लगा दी है। इसके साथ ही राशि की वसूली करने और थाने में एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर बीजापुर ने पत्र के माध्यम से स्पष्ठ लिखा है - कि कई ग्राम पंचायतों के सरपंच - सचिवों के द्वारा उपरोक्त मद में राशि व्यय न करते हुए क्रिकेट किट, स्पोर्ट्स किट,

फेटोकॉपी मशीन इत्यादि में अनावश्यक व्यय कर शासकीय धन का दुरुपयोग कर रहे हैं। इस आदेश के माध्यम से कलेक्टर ने जनपद पंचयय एवं ग्राम पंचायतों का 14 -15 वें वित्त आयोग योजना के तहत जारी की गई राशि को तत्काल रोक लगाई है। और जिन जनपद पंचायतों और ग्राम पंचायतों के द्वारा शासकीय धन का दुरुपयोग किया है। उनसे राशि की वसूली करने के साथ-साथ उनके विरुद्ध पुलिस थाने में प्रथम सूचना (स्त्रढ्ढक्र) दर्ज कराते कलेक्टर कार्यालय को अवगत कराने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत बीजापुर को पत्र जारी किया गया है। मामले का खुलासा होने के बाद कांग्रेस व भाजपा के नेताओं ने भी तेवर कड़े कर दिए है।

सीईओ जिला पंचायत ने तमाम आरोपों को बेबुनियाद और झूठा करार दिया है। 6 मई 2020 को जारी पत्र में स्पष्ठ किया है कि 1 अप्रैल 2020 से 14 -15 वें वित्त आयोग अंतर्गत त्रिस्तरीय पंचायतों को प्राप्त होने वाली राशि का 50 फीसदी निम्न कार्यों में व्यय करने की अनुशंसा की गई है। जिसमें 1- पेयजल व्यवस्था 2- स्वास्थ्य एवं स्वच्छता 3- लघु-सिंचाई 4 - सामुदायिक प्रणाली का रख रखाव।

कांग्रेस नेता अजय सिंह ने चर्चा में बताया कि राशि की हेरा फेरी मामले पर मैंने कलेक्टर को शिकायत की है कलेक्टर ने मामले को संज्ञान में लेकर 14 -15 वें वित्त की आहरण पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी। और अपने आदेश में कहा कि जहां भी जिस पंचायत में 14 वें वित्त की राशि का दुरुपयोग हुआ है। वसूली कर प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कर अवगत कराएं। इससे साफहोता है कि प्रशासन ने माना कि गड़बड़ी हुई है या होने की संभावना थी।

भाजपा जिलाध्यक्ष श्रीनिवास मुदलियार ने कलेक्टर के आदेश को सही माना है। बड़े भ्रस्टाचार को रोकने और प्राथमिकी दर्ज कराया जाना अनिवार्य है। किसी अधिकारी द्वारा ग्राम पंचायतों के हक को मारना न्यायोचित नहीं है।।

कोण्डागांव पुलिस ने किया 02 ईनामी नक्सली सदस्यों को गिरफ्तार

कोंडागॉव। पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज, जगदलपुर सुन्दरराज पी. एवं पुलिस उप महानिरीक्षक उत्तर बस्तर रेंज, कांकेर डॉ. संजीव शुक्ला के कुशल मार्गदर्शन में संचालित नक्सल विरोधी अभियान में जिला कोण्डागांव पुलिस अधीक्षक बालाजी राव के कुशल रणनीति के तहत् जिले के सुरक्षा बलों को ककड़ीपदर पारा, तुमड़ीवाल के जनमिलिषिया कमाण्डर पोहडू राम एवं आमदई एलजीएस सदस्य कमलूराम कष्यप निवासी तुमड़ीवाल को गस्त सर्चिंग अभियान के तहत् गिरफ्तार करने में सफ्लता मिली है। कमलूराम वर्ष-2015 में बड़ेकुरूषनार क्षेत्र में पुलिस मुखबीरी के संदेह में एक आमजन की हत्या करने में शामिल था। वहीं दिनांक 02.05.2020 को पोहडू राम अपने साथियों के साथ एक आमजन पर जान लेवा हमला करने की घटना का मुख्य आरोपी था। इस घटना के बाद जिला पुलिस बल, डीआरजी एवं आईटीबीपी 41वीं वाहिनी ने संयुक्त अभियान चलाकर इन दोनों नक्सलियों को गिरफ्तार करने में सफ्लता प्राप्त की है। इस अभियान को जमीनी अमलीजामा पहनाने में अति. पुलिस अधीक्षक अनंत कुमार साहू, उप पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा एवं थाना प्रभारी मर्दापाल रमन उसेण्डी सक्रिय भूमिका में रहे।

क्वारेंटाइन सेंटर में रूके विद्यार्थियों को भेजा गया उनका गृह जिला

कांकेर। जिला मुख्यालय कांकेर के ईमलीपारा स्थित बालक छात्रावास में रूके हुये विद्यार्थियों सहित पुलिस के जवानों को आज उन्हें उनके गृह जिला के लिए बस एवं बुलेरो वाहन से रवाना किया गया। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ शासन द्वारा पहल करते हुए कोटा राजस्थान के कोचिंग संस्थाओं में अध्ययनरत विद्यार्थियों को वापस छत्तीसगढ लाकर राज्य के विभिन्न जिलों के क्वारेंटाइन सेंटर में ठहराया गया था, ईमलीपारा कांकेर के क्वारेंटाइन सेंटर में रूके हुए मुंगेली, कवर्धा, दूर्ग, रायपुर, जांजगीर-चांपा, कोरबा, रायगढ़, कोरिया, बिलासपुर, राजनांदगांव, बेमेतरा, बालोद एवं बलौदाबाजार इत्यादि जिलों के विद्यार्थी एवं पुलिस के जवानों को मिलाकर 61 व्यक्ति रूके हुये थे, जिन्हें आज तीन बस और दो बुलेरो वाहन से उनके गृह जिला के लिए रवाना किया गया।

चमत्कार से कम नहीं, कोरिया में परिवहन ईपास बनवाना

■ नोडल अधिकारी के अड़ियल रुख़ से सैकड़ो आवेदन लम्बित

बैकुण्ठपुर। लॉक डाउन के दौरान गृह मंत्रालय भारत सरकार और छत्तीसगढ़ शासन के द्वारा समय समय पर निर्देश जारी करते हुए जरूरतमंद लोगो को आवागमन हेतु एक प्रक्रिया के तहत अनुमति जारी करने का अधिकार प्रत्येक जिले के कलेक्टर को दिया गया है। जिसके तहत राज्य के विभिन्न जिलों में लोगों को अनुमति दिया जा रहा है,लेकिन इससे उलट कोरिया जिले में सुस्त प्रशाशनिक व्यवस्था के कारण पर्याप्त कारण के बाद भी अनुमति लेने में पसीने छूट रहे हैं जिससे जिले में गंभीर परिस्तिथियों में भी

पास बनना किसी चमत्कार से कम नही !जब कि प्रतिदिन सैकड़ो लोग अनुमति लेने के लिए कलेक्टर कार्यालय के चक्कर लगा रहे हैं लेकिन जिला प्रशासन की लचर व्यवस्था के कारण उन्हें अनुमति नही मिल पा रही है।

इस बारे में बताया जाता है कि लॉक डाउन की अवधि में मेडिकल सहित अन्य आवश्यक कार्य के लिए अनुमति देने के लिए जिलों के कलेक्टर को अधिकृत किया गया हैं। वही जरूरतमंद व्यक्तियो द्वारा निर्धारित प्रारूप में आवेदन कलेक्टर के समक्ष किया जाना है। शासन की इसमें स्पष्ट मंशा है कि लाकडाउन में लोग जो दूसरे जगह फँसे हुए हैं वे अनुमति के बाद अपने घर पहुँच जाएं, वही गम्भीर बिमारी में दस्तावेज के आधार पर जरूरी होने पर अनुमति दी जाये लेकिन कोरिया जिले में इन दिनों अनुमति जारी करने में जिस प्रकार की अव्यवस्था दिखाई दे रही है। उससे लगता है कि प्रशासन कड़े नियम कानून के चलते या फिर जानबूझकर लोगो को परेशान कर रहा है। उसे नागरिकों की समस्याओं से कोई लेना देना नही है।यही कारण है कि जिले में दर्जनों आवेदन अब भी विचाराधीन है।

प्रशासन पर परेशान करने का आरोप

अनुमति लेने के लिए कलेक्टोरेट पहुँचे कई लोग निराश होकर वापिस हुए। लोगो ने बातचीत के दौरान प्रशासन पर जानबूझकर परेशान करने का आरोप भी लगाया। लोगो का कहना है कि जिला प्रशासन लोगो की समस्याओं को सुनना तक नही चाहता। लोग चिरमिरी, मनेन्द्रगढ़, जनकपुर से आकर कार्यालय के चक्कर काट रहे हैं। ठोस आधार होने के बावजूद अनुमति के लिए आनाकानी किया जा रहा है। यह समझ से परे है। ज्ञात हो कि लॉक डाउन की अवधि के दौरान कलेक्टर कार्यालय में रोज सैकड़ो लोग आ रहे हैं अपर कलेक्टर कार्यालय के बाहर रोज ऐसे लोगों की कतार देखने को मिल रही है। लेकिन सुस्त पड़े कोरिया जिला प्रशासन के आगे सभी ने मजबूर होकर घुटने टेक दिये हैं। प्रशासन का लापरवाहीपूर्वक रवैया देखकर लगता है कि वह अपने मे मस्त है, जनता परेशान है तो होती रहे।

पास जारी होने के बाद भी समस्या

वही यदि किसी तरह पास जारी हो भी गया तो उसे केवल जाने की अनुमति दी जा रही हैं वही आने को लेकर पास में स्पष्ट नही लिखा जा रहा जिससे किसी भी कारण जिले से बाहर जाने के पश्चात आने को लेकर समस्या हो रही हैं जिससे आये दिन जिले के सीमावर्ती छेत्रो में झड़प होने की शिकायते मिल रही है जिस पर शासन को पहल की जरूरत है ।

वरिष्ठ पत्रकार बंशीलाल शर्मा का निधन

■ जिले में शोक की लहर, पत्रकार जगत में बड़ी क्षति

काँकेर। नगर के वरिष्ठ पत्रकार बंशीलाल शर्मा का 85 वर्ष की आयु में 8 मई 2020 शुक्रवार को रात्रि 10 बजे रायपुर के एमएमआई अस्पताल में निधन हो गया ।देर रात काँकेर में जैसे ही निधन की खबर लगी काँकेर जिले के पत्रकार स्तब्ध हो गए।

देर रात ही उनके पार्थिव शरीर को रायपुर से काँकेर परिजनों द्वारा लाया गया। बता दे की वरिष्ठ पत्रकार बंशीलाल शर्मा विगत 40 साल से बस्तर के आदिवासी बाहुल्य बीहड़ इलाको में आदिवासीयो के अलावा जल जंगल जमीन की शानदार रिपोटिंग कर अंदरूनी इलाके की समस्या से जनता प्रशासन से लेकर सरकार तक पहुचाने में बेहद सफ्ल हुए थे।वर्तमान समय मे भी वे कलम से अपनी पत्रकारिता के ज़रिए अनेकों खबर के रूप में सरकारी तंत्र को जगाने में बेहद अहम भूमिका निभाई है।बंशीलाल शर्मा जी की सबसे बड़ी खोज अबूझमाड़ में अपनी 20 दिन की यात्रा के दौरान आदिवासीयो पर शोध कर आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र से लौटकर वहां की स्थिति परिस्थितियों से प्रशासन सरकार तक पहुचाया गया था ।इस समय उनके पुत्र राजेश शर्मा काँकेर दैनिक भास्कर के ब्यूरोचीफ के रूप में अपनी सेवा दे रहे है।और इनके परिवार में बंशीलाल शर्मा जी के छोटे भाई सीताराम शर्मा अमृत संदेश ब्यूरोचीफ नथमल शर्मा बिलासपुर देशबंधु ब्यूरोचीफ के रूप में पत्रकारिता से जुड़कर आज भी पत्रकारिता के माध्यम से लोगो की आवाज सरकार प्रशासन तक पहुचाकर सेवा कर रहे है। निधन की खबर के बाद काँकेर जिले के पत्रकारों ने लाकडाउन के चलते शासन के नियमों का पालन करते अपनी अपनी श्रधांजलि सोसल मीडिया के ज़रिए देकर पत्रकारिता के आधार स्तम्भ का जाना बहुत बड़ी क्षति बताया ।

लाकडाउन के चलते परिजनों व करीबी लोगो की उपस्थिति में शनिवार 10 बजे मुक्तिधाम में किया गया अंतिम संस्कार

वर्तमान लॉक डाउन की परिस्थिति को देखते हुए व जिले के वरिष्ठ पत्रकार बंशी लाल शर्मा की निधन की खबर लगते ही उनके पुत्र राजेश शर्मा व परिवारजनों ने कोरोना वायरस और शासन के नियमों का पालन करते पत्रकारिता से जुड़े लोगों व स्थानीय जनों से सन्देश दिया कि वे अपनी संवेदना मोबाइल एवं पत्र से ही प्रेषित करें। शासकीय निर्देशो का पालन करना ही उनके लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी। शासकीय नियमो के तहत अंतिम संस्कार में हम पारिवारिक सदस्य व कुछ ही मित्रगण रहेंगे।

विधायक एवं कलेक्टर ने किया निर्माण कार्यों का निरीक्षण

कांकेर। कांकेर विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री शिशुपाल शोरी और कलेक्टर श्री के.एल. चौहान ने आज शनिवार को जिले के आला अधिकारियों के साथ नरहरपुर विकासखण्ड में संचालित निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया और उसमें गति लाने के निर्देश संबंधित विभागीय अधिकारियों को दिये।

विधायक श्री शोरी और कलेक्टर श्री चौहान ने शनिवार को विकासखण्ड मुख्यालय नरहरपुर में 07 करोड़ 14 लाख रूपये की लागत से निर्माणाधीन कन्या छात्रावास भवन और 07 करोड़ 14 लाख रूपये की लागत से निर्माणाधीन बालक छात्रावास भवन का निरीक्षण किया तथा कार्य में गति लाने के लिए आदिवासी विकास विभाग के उपायुक्त विवेक दलेला और इंजीनियर खान को निर्देशित किया। ग्राम सरोना में 01 करोड़ 87 लाख रूपये की लागत से निर्मित 100 सीटर कन्या छात्रावास का भी निरीक्षण उनके द्वारा किया गया, उक्त भवन में आगामी शिक्षा सत्र से आवासीय विद्यालय शुरू करना प्रस्तावित हैं। नरहरपुर में नवनिर्मित आईटीआई भवन में बनाने गये कोविड-19 अस्पताल का भी उन्होंने निरीक्षण किया। इसके पूर्व उन्होंने नगर पंचायत नरहरपुर के सभाकक्ष में अधिकारियों की बैठक लेकर नगर पंचायत और जनपद पंचायत क्षेत्र में संचालित निर्माण कार्यों की समीक्षा किया एवं स्वीकृत सभी कार्यों को तत्काल शुरू करने के निर्देश दिये।

Office of Chief Medical And Health Office, Baikunthpur District- Korea (C.G.)

Phone No. .... Email-dam.baikunthpur@gamil.com

S.No.NHM/2020-21/253 Korea, Date 08/05/2020

Short Tender Notice

Sealed Tenders/bids are heraby invited from Interested and eligible bidders for "Enpanelment of vanders for supply Installation Testing Comising AHU Unit for CHC- Patna, Manentragarh and DH Bailunthpur.

The Tender document may be obtained when submitted demand draft of 500/- Rs. only in The name of chief medical & Health officer Baikunthpur Koera.

A Complete set of the sealed Tender encelope submission in office of the chief medical & Health officer Baikunthpur as per the detail given below.

S.No.	Tender RFP Details	Date
1	Last Date & time The Sale of Tender Documents	15/05/2020 up to 05.00 PM
2	Last Date & time for receipt of Tender documents	18/05/2020 up to 02.00 PM
3	Date & Time of Tender Opening (technical & Financial Bid)	20/05/2020 up to 04.00 PM
4	Address for Communication Place of Sale & Opening of Tender Documents	Office of Chief Medical & Health Office, Baikunthpur Korea (C.G.)

S.-25334/3

Chief Madical & Health Officer
Dist. Korea C.G.

प्रथम पृष्ठ का शेष...

30 हजार के पैकेज...

स्तर पर ही यह निर्णय लिया जा सके की उद्योगों, व्यवसायों, कामगारों, कृषकों और अन्य गतिविधियों को कितनी-कितनी आर्थिक सहायता दी जाए। मुख्यमंत्री बघेल ने प्रधानमंत्री को पत्र में लिखा है कि देश में कोविड-19 वायरस के संक्रमण के कारण अभूतपूर्व संकट की स्थिति उत्पन्न हुई है। केन्द्र और राज्य सरकारों द्वारा पूर्ण एकजुटता के साथ इस गंभीर आपदा से निपटने के लिए हर संभव प्रयत्न किए जा रहे है। राज्य में 8 मई तक पूर्ण लॉकडाउन के 48 दिन पूर्ण हो चुके है। अभी भी कोविड-19 वायरस के नए संक्रमितों की संख्या निरंतर बढ़ने से यह प्रतीत होता है कि निकट भविष्य में इस महामारी के पूर्ण नियंत्रित होने अथवा समाप्त होने की संभावनाएं अत्यंत क्षीण है।

सीएम पहले भी कर चुके 30 हजार करोड़ की मांग

मुख्यमंत्री ने यह भी लिखा है कि उनके द्वारा पूर्व में भी यह अनुरोध किया गया है कि यदि राज्य को आगामी 3 माहों में 30 हजार करोड़ रुपए का पैकेज स्वीकृत नही किया गया तो आर्थिक संकट के कारण राज्य के सामान्य काम-काज का संचालन संभव नहीं हो सकेगा। राज्य की अर्थव्यवस्था को पुनः पटरी पर लाने के लिए उपरोक्त पैकेज में से 10 हजार करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता तत्काल दी जाना चाहिए ताकि राज्य स्तर पर ही यह निर्णय लिया जा सके कि उद्योगों, व्यवसायों, कामगारों, कृषकों और अन्य गतिविधियों को कितनी-कितनी आर्थिक सहायता दी जाए। मुख्यमंत्री बघेल ने प्रधानमंत्री श्री मोदी से पुनः अनुरोध किया है कि राज्य द्वारा दिए गए सुझावों पर शीघ्र स्वीकृति प्रदान करने का कष्ट करें ताकि शीघ्र अति शीघ्र सामान्य जन-जीवन बहाल हो सके।

जोन निर्धारण को लेकर मुख्यमंत्री ने ऐसे जताई चिंता

-मुख्यमंत्री बघेल ने कहा है कि भारत सरकार के स्तर से विभिन्न जोनों के निर्धारण में व्यावहारिक कठिनाई है।

-जोन निर्धारण के तत्काल बाद ग्रीन जोन में नये संक्रमितों के मिलने की पूर्ण संभावना है। ,

-ऐसी स्थिति में यदि उसे पुनः रेड जोन में लाया जायेगा तो जो थोड़ी बहुत आर्थिक गतिविधियां आरंभ हुई थी वह पुनः बंद हो जाएंगी।

-लम्बे इंतजार के बाद एक बार किसी आर्थिक गतिविधि को यदि पुनः बंद किया गया तो उससे असंतोष बढ़ेगा तथा अनिश्चितता की स्थिति बनी रहेगी।

-वर्तमान में यह अनिश्चितता भी बनी हुई है कि 17 मई के पश्चात लॉकडाउन के संबंध में क्या स्थिति रहेगी।

-इन सब अनिश्चितताओं को समाप्त करने के लिए आवश्यकता इस बात की है कि हम सभी संभव सावधानियां बरतते हुए आर्थिक गतिविधियों को क्रमशः आरंभ करें।

-ऐसी स्थिति में यह उचित होगा कि राज्य के अन्दर विभिन्न आर्थिक गतिविधियां के संचालन करने के संबंध में पूर्ण अधिकार राज्यों को सौंप दिए जाएं।

पूर्व सीएम अजीत जोगी...

इलाज चल रहा है। नारायण अस्पताल के संचालक डॉ सुनील खेमका ने बताया कि उन्हें शनिवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डाक्टरों ने गहन जांच शुरू कर दी है। डॉ खेमका ने कहा कि उनकी स्थिति फिलहाल चिंताजनक है। वहीं, जानकारी मिलते ही जोगी के शुभचिंतक अस्पताल के बाहर जुटे हुए हैं। इसके अलावा सीएम ने ट्वीट किया, 'छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी जी के स्वास्थ्य के बारे में उनके सुपुत्र अमित जोगी जी से फोन पर बात हुई। मैंने उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है।'

स्वस्थ्य हुए और पांच...

बच्चा शामिल हैं। जबकि सूरजपुर व दुर्ग से भी एक-एक मरीज ठीक हुआ है। ये दोनों पुरुष हैं। इस तरह राज्य में कोरोना पॉजिटिव की संख्या घटकर 16 रह गई है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में अब कोरोना संक्रमण के कुल 59 मामले सामने आ चुके हैं। इनमें से 43 स्वस्थ होकर डिस्चार्ज कर दिए गए हैं।

कुछ हफ्तों में...

20 देशों के बराबर। छोटे देशों में भी हमसे बहुत ज्यादा केस और मौतें हुई हैं। भारत बाकी दुनिया के मुकाबले बहुत अच्छा कर रहा है। लोग सरकार के निर्देशों का पालन कर रहे हैं।'

मैं पूर्ण स्वस्थ हूं

लोग अपने काल्पनिक सोच का आनंद लेते रहें, इसलिए मैंने कोई स्पष्टता नहीं की। परंतु मेरे पार्टी के लाखों कार्यकर्ताओं और मेरे शुभचिंतकों ने विगत दो दिनों से काफी चिंता व्यक्त की। उनकी चिंता को मैं नजरअंदाज नहीं कर सकता।

अफवाह फैलाने वालों के प्रति मेरे मन में कोई दुर्भावना नहीं

मेरे शुभचिंतकों और पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं का मेरा हालचाल पूछने और मेरी चिंता करने के लिए मैं आभार व्यक्त करता हूं। जिन लोगों ने यह अफवाह फैलाई है उनके प्रति मेरे मन में कोई दुर्भावना या द्वेष नहीं है। आपका भी धन्यवाद।

लॉकडाउन में ढील जरूरी :

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि लॉकडाउन में धीरे-धीरे ढील देना जरूरी है। भारत दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है जहां पीएम मोदी ने असाधारण साहस का परिचय देते हुए इतने लंबे लॉकडाउन को लागू किया और लोगों ने इसका पालन किया। अब लॉकडाउन में ढील देना या न देना इसका प्रभाव तब तक नहीं होगा जब तक हम ये न भूल जाएं कि इसके बाद भी सोशल डिस्टैंसिंग और मास्क पहनना बहुत जरूरी है। अगर लोग इस बात का ध्यान रखें तो कोरोना वायरस हमारा बाल भी बांका नहीं कर सकता। हालांकि उन्होंने कहा कि 17 मई के बाद लॉकडाउन पर फैसला पीएम मोदी ही लेंगे और यह फैसला मुख्यमंत्रियों के फीडबैक के आधार पर लिया जाएगा।

डब्ल्यूएचओ ने...

आया है। डब्ल्यूएचओ ने प्रेस ब्रीफिंग करते हुए कहा कि यह साफ है कि कोरोना वायरस के फैलने में इस मार्केट ने काफी अहम रोल निभाया है। लेकिन यह क्या रोल है, अभी हम नहीं जानते हैं। डॉ. पीटर एम्बारेक ने ब्रीफिंग के दौरान कहा कि यह साफ नहीं है कि क्या जिंदा जानवर की वजह से फैला या फिर इसे मार्केट में कोई दुकानदार लेकर आया और फिर वहां से अन्य लोगों में फैल गया। अमेरिकी मंत्री ने कहा था कि उन्होंने इस बात के सबूत देखे हैं कि यह वायरस संभवतः वुहान विषाणु विज्ञान संस्थान से निकला है। उन्होंने कहा कि मैंने इस बात को अस्वीकार करने वाले सबूत भी देखे हैं। हमें इस बात की तह तक जाना चाहिए, इसलिए हम पिछले कई महीनों से कह रहे हैं कि पश्चिमी देशों को इस सूचना तक पहुंच मुहैया कराई जाए।

CHHATTISGARH STATE POWER GENERATION CO. LTD.

(A Govt. of Chhattisgarh Undertaking)

NO.021-10/PUBLICATION/ 1490 Korba West, dtd.08.05.2020

e-Bidding TENDER NOTICE No. 1023/2020.

Online tenders are invited from Experienced & Prospective Firms for the following Work/Supply:-

Sl. No	Tender No. 021-10	Particulars	Quantity/ Period	Cost of tender document	E.M.D (Rs.)	Last date of submission & opening of tender Part (I&II)
1.	[illegible]	Work of Assisting Maintenance Staff in routing maintenance work of EMD-I, HTPS, Korba West.	As Per Tender Schedule	590/-	11,200/-	27.05.2020

NOTE:- 1. Payment of Tender cost & EMD shall be done online through e-bidding portal. The tender documents can be seen from our website www.cspc.co.in - e-Bidding.

SAVE ENERGY FOR THE BENEFIT OF SELF & NATION S.-25335/2

SUPERINTENDING ENGINEER (C)

कार्यालय अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग (भ/स) अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर

निविदा आमंत्रण तिथि-02.05.2020

ई-प्रोक्यूमेंट निविदा सूचना

01. निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए Log in करे http://eproc.cgstate.gov.in
02. आनलाईन निविदा डालने की अंतिम तिथि- 18.05.2020

सरल क्र.	एन.आई.टी. क्र.	ऑन लाईन सिस्टम क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)	संबंधित संभाग
1	2	3	4	5	6
1	07 1st Call D Class & Above	63485	जिला बलरामपुर के हरिगंवा में हाई स्कूल भवन का निर्माण कार्य।	61.14	रामानुजगंज
2	08 1st Call D Class & Above	63486	जिला बलरामपुर रामानुजगंज के महेवा में हाई स्कूल भवन का निर्माण कार्य।	61.14	रामानुजगंज
3	09 1st Call D Class & Above	63488	जिला बलरामपुर रामानुजगंज के सिंगचौरा में हाई स्कूल भवन का निर्माण कार्य।	61.14	रामानुजगंज
4	10 1st Call D Class & Above	63490	जिला बलरामपुर रामानुजगंज के जावर में हाई स्कूल भवन का निर्माण कार्य।	61.14	रामानुजगंज
5	11 1st Call D Class & Above	63495	जिला बलरामपुर रामानुजगंज के सबाग में हाई स्कूल भवन का निर्माण कार्य।	69.02	रामानुजगंज
6	12 1st Call D Class & Above	63496	जिला बलरामपुर रामानुजगंज के भेण्डरी में हाई स्कूल भवन का निर्माण कार्य।	69.02	रामानुजगंज
7	13 1st Call D Class & Above	63497	जिला सरगुजा विकासखण्ड सीतापुर के पेटला में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन का निर्माण कार्य। विद्युतीकरण सहित।	121.16	अम्बिकापुर
8	14 1st Call D Class & Above	63516	जिला सरगुजा विकासखण्ड सीतापुर के उलकिया में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन का निर्माण कार्य। विद्युतीकरण सहित।	110.44	अम्बिकापुर
9	15 1st Call D Class & Above	63520	जिला सरगुजा विकासखण्ड सीतापुर के शिवनाथपुर में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन का निर्माण कार्य। विद्युतीकरण सहित।	110.44	अम्बिकापुर
10	16 1st Call D Class & Above	63521	जिला सरगुजा विकासखण्ड अम्बिकापुर के बकरिमा में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन का निर्माण कार्य। विद्युतीकरण सहित।	110.44	अम्बिकापुर

जी-80535/6

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग
अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक यशवंत धोटे द्वारा बंसल स्कूल कैम्पस, अशोक विहार कॉलोनी, पण्डरी से मुद्रित कर कुबेर प्लाजा शॉप नं. 226 सेकंड फ्लोर लिंक रोड बिलासपुर से प्रकाशित, संपादक- रविशंकर शुक्ला*
RNI NO.CHHHIN/2015/62431, डाक पंजीयन क्रमांक जी.2-112/सी.जी./बी.एल.पी./108/2020-2022, email: navpradesh@gmail.com, फोन व फैक्स : 07752-400878

इरफान को याद कर इमोशनल हुईं दीपिका

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड की डिंपल गर्ल दीपिका पादुकोण दमदार अभिनेता इरफान खान को याद कर इमोशनल हो गयी और उनकी याद में सोशल मीडिया पर एक कविता शेयर किया।

इरफान खान के निधन ने सभी को हिलाकर रख दिया है। दीपिका पादुकोण , इरफान खान को याद कर इमोशनल हो रही हैं। उन्होंने इरफान के साथ एक तस्वीर शेयर करके भावुक कविता के जरिए उन्हें श्रद्धांजलि दी है। दीपिका-इरफान स्टारर फिल्म 'पीकू' को रिलीज हुये पांच साल हो गये हैं। दीपिका पादुकोण ने पीकू के पांच साल पूरे होने के मौके पर अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर बेहद इमोशनल पोस्ट शेयर किया है। इस पोस्ट में उन्होंने पीकू के सेट पर हंसते-मुसकुराते दिख रहे इरफान खान की फोटो शेयर की है और इस तस्वीर के कैप्शन में दीपिका ने एक कविता भी लिखी है।

दीपिका की ये इमोशनल कविता सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। इस तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा ,'रेस्ट इन पीस माय फ्रेंड'।दीपिका की इमोशनल कविता फिल्म 'पीकू' से ही ली गई है।

सलमान-जैकलीन का नया गाना 'तेरे बिना' जल्द रिलीज

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड के दबंग स्टार सलमान खान और जैकलीन फर्नांडीस का नया गाना 'तेरे बिना' जल्द रिलीज होगा।

लॉकडाउन के दौरान सलमान खान ने लोगों को घरों में रहने, स्वस्थ रहने और प्यार फैलाने के लिए 'प्यार करोना' सॉन्ग गाया था, जिसको उनके फैंस ने काफी पसंद किया था। अब जल्द वह अपने फैंस के लिए एक दूसरा गाना लेकर आने वाले हैं, जिसका नाम है तेरे बिना। इस गाने को भी सलमान ने अपनी आवाज दी है। जल्द ही इस गाने का टीजर आने वाला है। इस गाने में सलमान के साथ जैकलीन फर्नांडीस भी नजर आएंगीं।

सलमान ने जैकलीन फर्नांडीस के साथ एक इंटरव्यू दिया, जिसमें उन्होंने कहा कि एक गाना मेरे जेहन में थे तो मैंने सोचा कि इस समय में गाने को रिलीज कर ही देते हैं। हमारी बिल्डिंग गैलेक्सी के अंदर एक हमारे बचपन का दोस्त रहता है, जिसका नाम है अज्जू भाटिया। जब उन्होंने यह सॉन्ग सुनाया, मुझे बहुत पसंद आया। उन्होंने कहा कि ये इस तरह का गाना है, जो किसी फिल्म में फिट नहीं हो रह था तो मैंने सोचा कि इस गाने को यही पर रिलीज कर देते हैं। अपना प्रोडक्शन हाउस तो है ही। सलमान ने बताया कि इस गाने को उनके पनवेल वाले फॉर्म हाउस पर ही शूट किया गया है। शूट करने में लगभग 4 दिन लगे, फिर भी, हमने अभी तक इस प्रोपर्टी का बहुत ज्यादा इस्तेमाल नहीं किया है, इसके चलते मुझे इसे प्रिजेंट करने की जरूरत नहीं है। जैकलीन ने कहा कि जहां ऐसे शूट के लिए तमाम लाइट, मैकअप और बाकी की चीजों के लिए लोगों की जरूरत होती थी, वहीं यहां केवल तीन लोगों ने सारा काम कर लिया।मैंने गाने की शूटिंग के साथ-साथ लाइट आदि चेक का काम भी किया।

ऋतिक रोशन ने पुलिस को दिये हैंड सैनिटाइटर

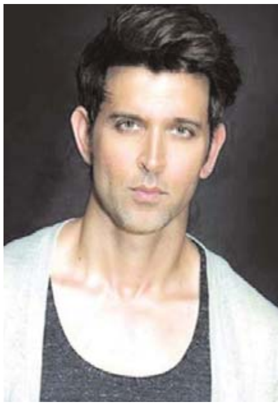

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड के माचो मैन ऋतिक रौशन ने कोरोना वायरस महामारी के दौरान ड्यूटी पर तैनात मुंबई पुलिस की सुरक्षा के लिए हैंड सैनिटाइटर दिये हैं।

ऋतिक ने कोरोना वायरस महामारी के दौरान ड्यूटी पर तैनात मुंबई पुलिस की सुरक्षा के लिए हैंड सैनिटाइटर उपहार में दिए है। मुंबई पुलिस ने ट्विटर पर उन्हें इस बात के लिए धन्यवाद दिया हैं। मुंबई पुलिस ने अपने ट्विट्टर हैंडल पर लिखा, ÷ड्यूटी पर तैनात मुंबई पुलिस के जवानों के लिए हैंड सैनिटाइटर देने के इस सोच के लिए धन्यवाद। हम अपने योद्धाओं के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए आपके योगदान के आभारी हैं। ऋतिक ने ट्वीट किया, मेरा पुलिस के प्रति आभार, जिन्होंने हमारी सुरक्षा को अपने हाथों में ले रखा है। वह सुरक्षित रहें। कर्तव्य के लिए अगली पंक्ति में खड़े सभी पुलिसकर्मियों को मेरा प्यार और सम्मान।

इंटरनेशनल सिंगर्स को पछाड़कर नेहा कक्कड़ ने बनाया रिकॉर्ड

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड की मशहूर पार्श्वगायिका नेहा कक्कड़ ने दुनियाभर के इंटरनेशनल सिंगर्स को पछाड़ते हुए एक नया रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है।

नेहा का रिकॉर्ड भारतीयों के लिए काफी खुशी की बात है। रिकॉर्ड के साथ नेहा इंटरनेशनल स्टार भी बन गई हैं। एक्स एक्ट्स चाट्र्स ने हाल ही में एक लिस्ट जारी की है, जिसमें ऐसी महिला आर्टिस्ट के बारे में बताया गया है, जिन्हें वर्ष 2019 में यूट्यूब पर दुनिया भर में सबसे ज्यादा देखा गया है और इस लिस्ट में नेहा कक्कड़ ने दूसरी रैंकिंग हासिल की है जो कि नेहा और उनके फैंस के लिए काफी खुशी की बात है। नेहा ने कई इंटरनेशनल स्टार्स को पीछे छोड़ते हुए यह रैंकिंग हासिल की है।इस लिस्ट में नेहा कक्कड़ के अलावा दूसरा कोई भारतीय आर्टिस्ट नहीं है। नेहा अकेली ऐसी भारतीय स्टार हैं, जिन्होंने इस लिस्ट में जगह बनाई है।

ऑनलाइन सत्र में कुल संभावित 32 सीनियर पुरुष और 23 सीनियर महिला खिलाड़ी हिस्सा लेंगे

सीनियर हॉकी संभावितों के लिये ऑनलाइन कोचिंग कोर्स

बेंगलुरु (वार्ता)। हॉकी इंडिया ने लॉकडाउन के समय का उपयोग करने के उद्देश्य से बेंगलुरु के साई सेंटर में सीनियर कर संभावितों के लिये 'प्रारंभिक' ऑनलाइन कोचिंग कोर्स आयोजित करने की घोषणा की। हॉकी इंडिया के इस ऑनलाइन सत्र में कुल संभावित 32 सीनियर पुरुष और 23 सीनियर महिला खिलाड़ी हिस्सा लेंगे।

भारतीय महिला टीम की कप्तान रानी पहले ही हॉकी इंडिया कोचिंग एड्केशन में हिस्सा ले चुकी हैं और हॉकी इंडिया के लेवल '1' कोच प्रमाण पत्र को प्राप्त कर चुकी हैं।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष मोहम्मद मुश्ताक अहमद ने अपने एथलीटों को इस तरह का अवसर प्रदान करने पर खुशी जताते हुए कहा, ÷हॉकी इंडिया में मौजूद सभी लोगों ने यह सुनिश्चित किया है कि इस कठिन दौर में भी हम बिना किसी व्यवधान के अपने काम करने की नीतियों को और दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों को विभिन्न तरीकों से संचालन करने में भी सक्षम होंगे।

मुश्ताक अहमद ने कहा, ÷वर्तमान में बेंगलुरु के एसएआई सेंटर में मौजूद हमारे संभावितों को इस पाठ्यक्रम के माध्यम से कोचिंग के समझने का अवसर प्रदान कराना होगा। मुझे पूरा विश्वास है कि एथलीट कोचिंग की बारीकियों के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे और खेल को बेहतर ढंग से समझने के लिए कुछ जरूरी तौर-तरीकों के बारे में ज्ञान अर्जित करेंगे। हॉकी इंडिया 'प्रारंभिक' स्तर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम बारीकी से डिजाइन किया एक ऐसे प्रशिक्षण प्रोग्राम का हिस्सा है, जिसे हॉकी इंडिया की कोचिंग प्रशिक्षण के रूप में जाना जाता है। यह 2019 में शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य जमीनी स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने वाले कोचों को विश्व स्तरीय कोचों बनने में मदद करना है। हॉकी इंडिया के इस कदम से संभावितों को अपने ऑनलाइन सत्रों की समीक्षा करने के लिए 36 घंटे मिलेंगे जिसके बाद उन्हें ऑनलाइन मूल्यांकन परीक्षा पास करनी होगी। यह ऑनलाइन परीक्षा नये एफआईएच नियमों और विनियमों पर आधारित होगी।

दिल्ली में होने वाली एफआईएच कांग्रेस का स्थगित किया गया

लुसाने (वार्ता)। अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) की भारत की राजधानी दिल्ली में होने वाली 47वीं कांग्रेस को वैश्विक महामारी बन चुके कोरोना वायरस कोविड-19 के बढ़ते प्रकोप के कारण मई 2021 तक के लिए स्थगित कर दिया गया है।

एफआईएच की 47वीं कांग्रेस 28 अक्टूबर से एक नवम्बर तक दिल्ली में आयोजित होनी थी लेकिन कोरोना के कारण इसे स्थगित कर दिया गया है। कांग्रेस की अगली तारीखों की घोषणा जल्द की जायेगी। अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ के कार्यकारी बोर्ड ने ऑनलाइन कॉन्फ्रेंस के जरिये शुक्रवार को यह फैसला किया कि 47वीं कांग्रेस को स्थगित कर दिया जाए। एफआईएच ने अपने सभी 137 राष्ट्रीय संघों को कांग्रेस की तारीख में संभावित परिवर्तन के बारे में अप्रैल में सूचित कर दिया था।

एफआईएच के मौजूदा अध्यक्ष डॉ नरेंद्र ध्रुव बत्रा और कार्यकारी बोर्ड के सदस्यों का कार्यकाल अक्टूबर 2020 में समाप्त होना था लेकिन कांग्रेस स्थगित होने से यह कार्यकाल मई 2021 में होने वाली कांग्रेस तक बढ़ा दिया गया है। इस परिवर्तन से इन पदों पर अगला कार्यकाल विशेष आधार पर 2021 के मध्य से 2024 तक होगा।

दिलशान की वनडे एकादश में एकमात्र भारतीय सिर्फ सचिन

कोलम्बो (वार्ता)। श्रीलंका के पूर्व अनुभवी बल्लेबाज ने अपनी सर्वश्रेष्ठ वनडे एकादश चुनी है जिसमें एकमात्र भारतीय सचिन तेंदुलकर हैं। श्रीलंका के लिए 330 वनडे में 10 हजार से ज्यादा रन बनाने वाले दिलशान ने यह एकादश उन खिलाड़ियों में से चुनी है जो उनके टीम साथी रहे हैं और जिनके खिलाफ वह खेले हैं। दिलशान ने अपनी एकादश में ओपनर सनत जयसूर्या, क्रिकेट के सभी रिकॉर्ड अपने नाम रखने वाले भारत के सचिन तेंदुलकर, दिग्गज बल्लेबाज ब्रायन लारा, माहेला जयवर्धने, कप्तान रिकी पोंटिंग (कप्तान), जैक्स कैलिस, दक्षिण अफ्रीका के 360 डिग्री बल्लेबाज एबी डिविलियर्स (विकेटकीपर), पाकिस्तान के बाएं हाथ के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज वसीम अकरम, वेस्ट इंडीज के दिग्गज तेज गेंदबाज कोर्टनी वाल्श, श्रीलंका के करिश्माई ऑफ स्पिनर मुथैया मुरलीधरन और ऑस्ट्रेलिया के लीजेंड लेग स्पिनर शेन वार्न को शामिल किया है।

टी-20 विश्व कप होने की संभावना कम: धूमल

नई दिल्ली (वार्ता)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के कोषाध्यक्ष अरुण धूमल ने शुक्रवार को कहा कि इस वर्ष ऑस्ट्रेलिया में टी-20 विश्व कप होने की संभावना कम है। धूमल ने सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड से कहा, ÷ऑस्ट्रेलिया में अक्टूबर-नवंबर में टी-20 वर्ल्ड कप होने की संभावना कम ही है। ऐसा सिर्फ यात्रा पाबंदियों की वजह से नहीं है। खिलाड़ी लंबे समय से क्रिकेट से दूर है। क्या यह संभव होगा कि कि वे बिना किसी तैयारी के तैयारी के सीधे उतरकर विश्व कप में हिस्सा ले। इस बारे में सभी क्रिकेट बोर्डों को फैसला लेना होगा। ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी-20 विश्व कप के भविष्य पर कोरोना वायरस के खतरे के बादल मंडरा रहे हैं और अभी कुछ नहीं कहा जा सकता कि इस टूर्नामेंट का आयोजन हो पायेगा या नहीं।

एफआईएच अध्यक्ष बत्रा का कार्यकाल मई 2021 तक बढ़ा

लुसाने(वार्ता)। अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ की 47वीं कांग्रेस को वैश्विक महामारी बन चुके कोरोना वायरस कोविड-19 के बढ़ते प्रकोप के कारण मई 2021 तक के लिए स्थगित कर दिया गया है जिसके कारण एफआईएच डॉ नरेंद्र ध्रुव बत्रा का कार्यकाल बढ़ गया है। एफआईएच की 47वीं कांग्रेस 28 अक्टूबर से एक नवम्बर तक दिल्ली में आयोजित होनी थी लेकिन कोरोना के कारण इसे स्थगित कर दिया गया है।

अकमल को अपनी गलती का कोई पश्चाताप नहीं: जस्टिस

लाहौर (वार्ता)। पाकिस्तान के बल्लेबाज उमर अकमल पर भ्रष्टाचार के मामले में तीन साल का प्रतिबंध लगाने वाले अनुशासन समिति के अध्यक्ष रिटायर न्यायाधीश फजले मिरान चौहान ने शुक्रवार को कहा कि अकमल को अपनी इस गलती का कोई पश्चाताप नहीं है और क्रिकेटर ने मामले में माफी मांगने की जरूरत नहीं समझी है।

न्यायाधीश फजले मिरान चौहान ने अकमल को पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की भ्रष्टाचार रोधी सहिंता की दो धाराओं के उल्लंघन का दोषी ठहराते हुए गत 27 अप्रैल को क्रिकेट के सभी प्रारूपों से तीन साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया था। अकमल पर तीन साल का प्रतिबंध लगाए जाने के लगभग दो सप्ताह बाद न्यायाधीश ने पीसीबी को शुक्रवार को सौंपी अपनी रिपोर्ट में अकमल के रवैये की तीखी आलोचना की है। पीसीबी की विज्ञप्ति के अनुसार न्यायाधीश फजले मिरान ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि दोनों अपराधों में सजा 20 फरवरी 2020 से शुरू होगी जिस दिन अकमल को निलंबित किया गया था। 29 वर्षीय अकमल अब 19 फरवरी 2023 से ही खेलने के लिए उपलब्ध हो पाएंगे। न्यायाधीश फजले मिरान ने आरोपों का खुलासा करते हुए अकमल के रवैये पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसा लगता है कि अकमल को अपनी गलती का कोई पश्चाताप नहीं है और वह माफी मांगने तक को तैयार नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अकमल अपनी गलती मानने के बजाये यह बहाना देते हैं कि पहले जब भी उनसे ऐसा कोई संपर्क साधा गया तो उन्होंने मामले की जानकारी दी थी। अकमल ने पीसीबी के सतर्कता और सुरक्षा विभाग तथा जांच टीम से कोई सहयोग नहीं किया था।

पीसीबी ने पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के दौरान स्पॉट फिक्सिंग के मामले को लेकर अकमल पर आरोप लगाए थे और बोर्ड ने इस मामले को अनुशासन समिति को भेजा था। अकमल को गत 20 फरवरी को अस्थायी रुप से निलंबित किया गया था।

भारतीय टीम दो सप्ताह क्वारेंटीन में रह सकती है: बीसीसीआई

नई दिल्ली (वार्ता)। भारतीय क्रिकेट टीम इस साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया दौरा करने के लिए जरुरत पड़ने पर दो सप्ताह क्वारेंटीन में रह सकती है। भारतीय टीम को इस साल दिसंबर और जनवरी में ऑस्ट्रेलिया के साथ चार टेस्ट और तीन वनडे मैचों की सीरीज खेलनी है लेकिन कोरोना वायरस के खतरे के कारण इसके आयोजन पर अभी से खतरे के बादल मंडरा रहे हैं।ऑस्ट्रेलिया में सीए और सरकार के बीच भारतीय टीम के दौरे को लेकर प्रोटोकॉल के बारे में बातचीत चल रही है जबकि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) का कहना है कि टीम इंडिया जरुरत पड़ने पर दो सप्ताह क्वारेंटीन में रह सकती है।

अस्थायी आधार पर टीम को पांच सब्स्टिट्यूशन्स की अनुमति होगी: फीफा

बर्न (वार्ता)। अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल महासंघ फीफा ने शुक्रवार को कहा कि इस साल टीमों को हर मैच में तीन सब्स्टिट्यूशन्स के बजाए पांच सब्स्टिट्यूशन्स करने की अनुमति होगी। वैश्विक महामारी बन चुके कोरोना के कारण दुनिया भर में फुटबॉल गतिविधियां बंद हैं और अगले कुछ दिनों में जो शुरू होनी हैं वे दर्शकों के बिना होंगी। फीफा का कहना है कि जैसे ही फुटबॉल शुरू होगा मैचों की संख्या और कार्यक्रम काफी व्यस्त हो जाएगा। इस स्थिति से निपटने के लिए फीफा अस्थायी तौर पर पांच सब्स्टिट्यूशन्स को शुरू कर रहा है।

फीफा ने कहा कि नियमों में परिवर्तन सभी प्रतियोगिताओं में लागू होंगे जिन्हें इस वर्ष के अंत तक पूरा किया जाना है। लेकिन यह व्यक्तिगत टूर्नामेंट आयोजक पर निर्भर करेगा कि वे इसे लागू करना चाहते हैं या नहीं।

फीफा ने साथ ही कहा कि जो प्रतियोगिताएं वीडियो रिप्ले सिस्टम (वार) का इस्तेमाल कर रही हैं वे इसे खेल शुरू होने के बाद इस्तेमाल नहीं करने के लिए स्वतंत्र हैं।

न्यूज गैलरी

उप समिति गंडई में आज मनाया गया महाराणा प्रताप जंयती

गंडई पंडरिया। उप समिति गंडई मे अंग्रेजी तारीख के हिसाब से 9 मई को महाराणा प्रताप जंयती सुबह 7:30 बजे मनाया गया । अध्यक्ष श्री प्रमोद सिंह, वरिष्ठ सदस्य विष्णु सिंह, सचिव सुनील सिंह के. कार्य.सदस्य श्री दिनेश सिंह बैस के. निर्णायक सदस्य संजय सिंह राजपूत, कार्यकारणी सदस्य एवं सरपंच संघ अध्यक्ष रणजीत सिंह चंदेल, शिव सिंह ,जय सिंह एवं विनोद सिंह जी की उपस्थिति मे राजपूत कुलभूषण वीर शिरोमणी महाराणा प्रताप जी के आदम कद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर प्रसाद वितरण कर किया गया इस दौरान बहुत से गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे। उक्त कार्यक्रम के दौरान फिजिकल डिस्टेंस का पालन किया गया । कार्यक्रम के दौरान रणजीत सिंह चंदेल द्वारा सेनेटाईजर का वितरण किया गया।

छुईखदान के शिक्षकों ने मुख्यमंत्री राहत कोष में जमा कराया 11 लाख 56 हजार रूपये

गंडई पंडरिया। कोरोना महामारी से निपटने छुईखदान विकासखंड के सभी शिक्षक संघ की सहमति से अप्रैल माह मे 1 दिन का वेतन मुख्यमंत्री राहत कोष मे जमा कराने के संकल्प के बाद विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय के द्वारा विकासखंड मे कार्यरत शिक्षकों के वेतन से कुल 11 लाख 56 हजार रूपये की राशि मुख्यमंत्री राहत कोष मे जमा कराया गया। विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री एच डी कोसरे ने सभी शिक्षक संघ एवं विकासखंड मे कार्यरत शिक्षक/ शिक्षिका को धन्यवाद देते हुए भविष्य मे भी इसी प्रकार सहयोग एवं समर्थन की अपेक्षा व्यक्त किये। शिक्षक/ शिक्षिका के सहयोग के लिए शिक्षक संघ अध्यक्ष-श्री पन्ना लाल जंघेल, छ ग शिक्षक संघ- श्री अजय श्रीवास्तव, , शिक्षक फेडरेशन अध्यक्ष- श्री कौशल श्रीवास्तव, शालेय शिक्षा कमी संघ- रविशंकर बंसोड ने सभी शिक्षको का आभार व्यक्त किया ।

छत्तीसगढ़ सरकार को बर्खास्त करने की मांग की किसान नेता योगेश ने

बेमेतरा/साजा। कृषक नेता योगेश तिवारी के नेतृत्व में शुक्रवार को राज्यपाल के नाम से बेमेतरा कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर छत्तीसगढ़ सरकार को बर्खास्त करने की मांग की गई। ज्ञापन में कहा गया है वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के सुरक्षा संबंधी निर्देश में सरकार के द्वारा कहा गया है कि सोशल डिस्टेंस का पालन करें, इसके लिए छत्तीसगढ़ प्रदेश के सभी जिलों में धारा 144 लागू किया गया है। इसके तहत सार्वजनिक जगहों पर समूह के रूप में इकट्ठा होने वालों के ऊपर इस धारा के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए उसके ऊपर कार्यवाही करने का प्रावधान है। जिसके तहत प्रदेश में अनेकों व्यक्तियों के ऊपर इस धारा का उल्लंघन का आरोप लगाते हुए प्रक्ररण दर्ज किया गया है। लेकिन छत्तीसगढ़ सरकार के द्वारा बंद पड़ी शराब दुकानों को पुनः प्रारंभ कर हजारों की तादाद में लोगों को इकट्ठा करने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेश वासियों को प्रेरित कर रही है। धारा 144 के उलंघन के आरोप पर प्रदेशवासियों पर बड़ी संख्या में चालानी कार्रवाई करते हुए जुर्माना वसूला जा रहा है। तो सरकार के द्वारा शराब दुकानों को पुनः प्रारंभ कर हजारों की संख्या में भीड़ इकट्ठा करनें के लिए छत्तीसगढ़ सरकार को भी दोषी मानकर उनके उपर भी कार्यवाही किया जाना चाहिए। इस कृत्य के लिए छत्तीसगढ़ सरकार के उपर कोरोना वायरस फैलानें के लिए उपयुक्त वातावरण बनानें का आरोप लगाकर छत्तीसगढ़ सरकार को तत्काल बर्खास्त किया जाना चाहिए।

शासकीय कन्या हायर सेकेन्डरी स्कूल में कक्ष निर्माण के लिये राशि स्वीकृत

साजा। नगर पंचायत साजा विधायक प्रतिनिधि मनोज जायसवाल एवं पार्षदों के प्रयास से क्षेत्रीय विधायक व केबिनेट मंत्री रविन्द्र चौबे की अनुशंसा पर राज्य परियोजना कार्यालय द्वारा नगर पंचायत साजा के शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय साजा में प्रयोगशाला कक्ष, कला एवं संस्कृति कक्ष, पुस्तकालय कक्ष निर्माण के लिए

23.59 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। उपरोक्त कक्ष निर्माण की स्वीकृति के लिए नगर पंचायत साजा अध्यक्षा शालिनी मनोज जायसवाल, विधायक प्रतिनिधि मनोज जायसवाल, उपाध्यक्ष युगेश्वर सोनी, पार्षदगण लोकेश्वरी साहू, बिसरू राम साहू, राजेश ठाकुर, मेनुका सोनी, राधे वर्मा, ज्योति राठी, दुर्गा गोयल, पुष्पा सिन्हा, हंसा शर्मा, अवधेश गोयल, संतोष यादव, खेमेश्वरी साहू एवं एल्डरमैन जितेंद्र जैन, रोहित वर्मा, शांता निर्मलकर ने कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए विद्यालय परिवार की तरफ से आभार व्यक्त किया।

रुके कार्यों को भी शीघ्र प्रारंभ करने का दिया अश्वासन

- सालो पुरानी जर्जर सड़क सुधरेगी अब
- मंत्री शिव कुमार डहरीया का किया धन्यवाद

गंडई पंडरिया। नगर मे बहुत से करी रुके हुये थे । इस पर कांग्रेस के कार्यकर्ताओ द्वारा शासन प्रशासन को लगातार अवगत कराया जा रहा था। छत्तीसगढ़ प्रदेश के नगरी प्रशासन मंत्री शिव कुमार डहरिया जी को बहुत - बहुत धन्यवाद एवं आभार व्यक्त करते हुये कांग्रेस के पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष रूखमणी कृष्णा देवांगन के कार्यकाल में स्विकृत कार्य मुख्य रूप से गांधी चौक (गंडई पंडरिया) से बहराभाठा तक डामरीकरण रोड़ निर्माण लागत पैतालीस लाख छत्तीस हजार रुपये है तथा ऐसे कई रुके विभिन्न कार्य जैसे वार्ड क्रमांक 14 मे सार्वजनिक सामुदायिक भवन निर्माण व वार्ड क्रमांक 15 में नाली निर्माण रुके कार्यों को प्रारंभ करने की

स्वीकृति प्रदान करने की कृपा करने हेतु ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष साकेत दुबे ने अपने लेटरपेड के माध्यम से अवगत कराया गया था जिसे आज कार्य प्रारंभ करने हेतु स्विकृति प्रदान दी गई है और साथ ही साथ सभी रुके कार्यों को भी शिघ्र प्रारंभ करने की अनुमति प्रदान की आश्वासन दी है जिससे गंडई नगर पंचायत के बहुप्रतीक्षित मांग गांधी चौक से बहेराभाठा वार्ड क्रमांक 01 तक डामरीकरण रोड़ बनाया जायेगा इस अनुशंसा पर पूर्व जमीदार लाल टारकेश्वरशाह खुसरो,राजमहन्त महेश दास रात्रे,ब्लाक कांग्रेस कमेटी गंडई अध्यक्ष साकेत दुबे ,अय्यूब कुरैशी,एवं नगर पंचायत के वार्ड क्रमांक 01 पार्षद भिज्ञेश यादव, वार्ड क्रमांक 04 के पार्षद सूरज नामदेव वार्ड क्रमांक 06 के पार्षद क्रांति ताम्रकार वार्ड क्रमांक 07 के पार्षद लियाक़त अलि खान वार्ड क्रमांक 13 के पार्षद चेतन देवांगन वार्ड क्रमांक 14 के पार्षद डा. नारायण चतुर्वेदी वार्ड क्रमांक 15 के पार्षद दिलीप ओगरे, रणजित सिंह चंदेल, मोहसिन खान, शुभम बघेल ब्लाक मीडिया प्रभारी अमित टंडन ने नगरी निकाए मंत्री शिवकुमार डहरिया का धन्यवाद किया ।

एसडीएम की समझाईश के बाद कोरोना को लेकर जागरूक हुए लोग

- नगर में अब लोग लगा रहे मास्क और दूसरे को भी दे रहे समझाईश

नवप्रदेश संवाददाता

देवभोग। एसडीएम सहित जनपद सीईओ थाना प्रभारी के दिन रात मुस्तैदी से आज क्षेत्र में कोरोना वायरस अभी तक अपना पैर पसारने में नाकाम साबित हुआ है। जबकि देवभोग अंतिम पंचायत गोहरा पदर नीचेपारा से 10 किलोमीटर बेहरागुड़ा उड़ीसा पर कोरोना पॉजिटिव मरीज मिला उसके बाद गोहरापदर सहित आसपास के इलाके में भय का माहौल बन गया था। लेकिन एसडीएम भूपेंद्र साहू की सूझबूझ के साथ तत्काल बॉर्डर सहित गांव आने वाले कोने कोने के मार्ग को पूरी तरह सीलबंद कर दिया गया। बाकायदा इसकी कमान स्वयं एसडीएम भूपेंद्र साहू संभालते हुए सुबह शाम सीमावर्ती इलाके का निरीक्षण करते भी नजर आते हैं। शायद यही वजह है, कि अब

तक कोरोना वायरस क्षेत्र में दस्तक नहीं दे पाया है। जबकि उक्त बेहरागुड़ा गांव के मार्केट पर गोहरापदर सहित अन्य सैकड़ों ग्रामीणों का आना जाना लगा होता था। लेकिन एसडीएम साहू गंभीरता दिखाते हुए सबसे पहले रास्ता बंद क्या तत्पश्चात ग्रामीणों को वायरस को लेकर जागरूक करने की पहल करने के बाद अब सीमावर्ती क्षेत्र में एवं ग्रामीण भी निगरानी कर रहे हैं। मतलब एसडीएम की जागरूकता अभियान से आज ग्रामीण भी इस महामारी में मुस्तैद दिखाई पड़ रहे हैं। जिससे स्थानीय अधिकारियों को भी काफी सहूलियत मिल रहा है। सबसे ज्यादा स्थानीय अधिकारियों को बड़ा चैलेंज था कि लोगों को बेवजह घर से निकलने पर कैसे रोका जाए इसके लिए चालान की कार्यवाही करने के साथ साथ शक्ति भी बरती गई बावजूद इसके लोग बिना मास्क के बाहर नजर आए जिसे देख एसडीएम भूपेंद्र साहू को मैदान में उतरकर लोगों को जागरूक करना पड़ा। जिसका असर अच्छा देखने को मिल रहा है। लोग कोरोना वायरस को लेकर इतने गंभीर नजर आते हैं कि चौक चौराहे पर पुलिस को तैनात होने की मशक्कत नहीं करनी पढ़ रही है। लोग शाम 3 बजे के बाद से घर से निकालना पूरी तरह बंद कर दिए हैं, सिर्फ मेडिकल सहित अन्य इमरजैंसी वाले इक्के दुकके लोग ही बाहर निकलते देखा जाता है, जिसकी सराहना भी प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा करते सुना जाता है। हालांकि आने वाला दिन अधिकारियों के लिए चैलेंज भरा होगा क्योंकि आंध्रप्रदेश तेलंगाना गोवा हैदराबाद सहित अन्य राज्य से आने वाले सैकड़ों प्रवासी मजदूरों की जांच पर्दा पड़ताल कर देखभाल के साथ क्वॉरेंटाइन में रखना किसी परीक्षा से कम नहीं है और इस परीक्षा को लेकर एसडीएम भूपेंद्र साहूएमओ सुनील भारती, थाना प्रभारी सत्येंद्र श्याम, सीईओ मनोहर लाल मंडावी, प्रवासी मजदूरों को सुरक्षित रखने खाना-पीना सहित तमाम व्यवस्था करने में अपना कमर कस लिया है, भवनों को दुरुस्त गुणा - भाग लगाया जा रहा है, भवन का अभाव के अलावा प्रवासी मजदूरों को सोशल डिस्टेंस का ख्याल रखते प्रवासी मजदूरों को क्वॉरेंटाइन करना है, यही वजह है कि अधिकारी स्वयं गांव गांव जाकर भवन की हालत देख रहे हैं।

अब शिक्षकों को मिलेगा वेतन

- नवप्रदेश की खबर का असर

लापरवाही: शिक्षाकर्मियों को तीन माह से नहीं मिला वेतन

> शिक्षाकर्मियों वेतन राशि बैंक में जमा कर दिया गया है
>
> **एम एल मंडावी,** सीईओ देवभोग

देवभोग। फिर नवप्रदेश की खबर का असर देखने को मिला है। शिक्षाकर्मियों को 3 माह से वेतन नहीं मिलने की समाचार प्रकाशित करने के बाद जनपद पंचायत के जिम्मेदारों द्वारा आनन-फानन में आज शिक्षकों की वेतन जमा करने की कवायद शुरू कर दिया हालांकि फरवरी और मार्च माह का ही करीब 11 लाख रुपए शिक्षाकर्मियों की वेतन जमा होना बताया जाता है और अप्रैल माह की वेतन प्रक्रियाधीन होने की बात कही जा रही है। उल्लेखनीय की ब्लॉक के करीब 70 वर्ग तीन के शिक्षाकर्मियों को पिछले 3 माह से वेतन नहीं दिया गया रहा जबकि संचनालय द्वारा नोवल कोरोना वायरस महामारी को ध्यान में रखते हुए पहले से ही आवंटन जारी कर दिया जिसके बाद से स्थानीय अधिकारी उदासीन बरतते हुए आज कल में वेतन जमा करने की बात कहकर लेट लतीफकर रहे थे। जिसके चलते शिक्षाकर्मियों को अपने परिवार का भरण पोषण करना मुश्किल हो रहा था और शिक्षाकर्मियों की वेतन नहीं मिलने को लेकर नवप्रदेश ने प्रमुखता के साथ खबर प्रकाशित करने के बाद जनपद सीईओ गंभीरता दिखाते हुए वेतन जमा करने के लिए कवायद शुरू कर दिया इससे शिक्षाकर्मियों को चेहरे पर साफसाफ खुशी देखी जा रही है क्योंकि अब थोड़ी बहुत लोन चुकाने के अलावा सेठ साहूकार से लिए खाद्यान्न सामग्री का पैसा भी किया जा सकता है मतलब डूबते को तिनके का सहारा वाली कहावत यहां पर सिद्ध होते दिख रहा है. क्योंकि संचनालय द्वारा पूरे 3 माह का राशि जारी करने के बाद भी पूरी राशि नहीं डाला गया है जबकि शिक्षाकर्मियों मैं पूरी उम्मीद बनी रहेगी 3 माह का पैसा एक साथ डाला जाएगा मगर नहीं डाले जाने से शिक्षकों में हल्की मायूसी भी देखने को मिल रहा है।

हर्षोल्लास के साथ मनाई गौतम बुद्ध की जयंती

दल्लीराजहरा। विश्व को शांति, करुणा, मैत्री एवं बंधुत्व का संदेश देने वाले महाकारुणिक संम्यक संबोधि तथागत गौतम बुद्ध की 2564 वीं जयंती छत्तीसगढ़ बौद्ध समाज द्वारा हर्षोल्लास के साथ मनाई गई । डॉ.आम्बेडकर सास्कृतिक भवन में नीले एवं पंचशील झंडे का ध्वजारोहण बौद्ध समाज अध्यक्ष जी.डी.मेश्राम एवं बौद्ध महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती शशि चुनारकर ने किया तत्पश्चात बौद्ध समाज के पुर्व अध्यक्ष डॉ. जे.डी.गजभिये ने त्रिशरण पंचशील की वंदना कराई । इस अवसर पर छत्तीसगढ़ बौद्ध समाज के प्रमुख अनिल खोबरागड़े ने प्रदेश एवं नगर वासियों को बौद्ध जंयती की बधाई देते हुए कहा कि आज हमारा देश पंचशील के सिद्धांत पर चल रहा है , पुरे विश्व ने भारत के प्राचीनतम धर्म बौद्ध धर्म के प्रवर्तक गौतम बुद्ध के बताये मार्ग शांति, करूणा, मैत्री एंव विश्व बंधुता को आत्मसात किया है । बौद्ध समाज बुद्ध,धम्म एवं संघ की अवधारणा के साथ आगे बढ रहा है । बौद्ध समाज के संरक्षक जी.एस.खोबरागड़े ,रिखीराम मोटघरे, अरुण उके, मदन चुनारकर, पवन मेश्राम,उत्तम उके, आंनद बोरकर ,सोहन रामटेके ,उत्तम बाम्बेश्वर , अनिल रामटेके, सुरेन्द्र रामटेके, ईश्वर खोबरागड़े, राजकुमार भोयर, दीनदयाल रंगारी, फेरुलाल बाम्बेश्वर,राजेन्द्र मेश्राम, मुकुंद उके, विकास खोबरागड़े , कमलकांत मेश्राम,बिसन कांडे ऋषि अलमोरे, हितेश मेश्राम, अमित बाम्बेश्वर, पवन खोबरागड़े सहित उपासको द्वारा बुद्ध जंयती पर अपने अपने घरों में रंगोली बनाई ,सांयकाल घरों में दीयें,मोमबत्ती से रोशनी कर वंदना की एवं खीर का वितरण किया ।

प्राथमिक स्वास्थ केंद्र रोहरा की टीम भी कर रही जाँच

भाटापारा। कोरोना महामारी के बीच अपनी जान जोखिम में डालकर संदिग्धों का सैंपल लेने वाले इन कोरोना योद्धाओं की जितनी तारीफकी जाए उतना ही कम है। इस गर्मी में अपने कार्यों को बखूबी निभा रहे हैं, जबकि दूसरी ओर लोग कोरोना महामारी से डर एवं भयभीत हैं, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिमगा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रोहरा के द्वारा बाहर से आए लोगों का ब्लड सैंपल से रैपिड टेस्ट किट से कोरोना जांच का कार्य चल रहा है। जानकारी मिलने पर टीम द्वारा अलग-अलग जगह क्वारांटाइन सेंटर में जाकर टेस्टिंग का कार्य किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग की इन टीम ने हैदराबाद से आए 30 मजदूरों का स्वास्थ्य परीक्षण कर संदिग्ध का रैपिड टेस्ट किट से कोरोना जांच किया जिसमें सभी के जांच नेगेटिव पाए गए। पलायन से लौटने वाले लोगों के स्वास्थ्य पर निस्तर निगरानी भी रखी जा रही है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रोहरा के टीम में ग्रामीण चिकित्सा सहायक तरन्नुम कुरैशी,मेडिकल लैब टेक्नोलोजिस्ट कुबेर साहू,नेत्र सहायक अधिकारी अनुसुइया साहू,आर एच ओ नूतेश साहू के नेतृत्व में पूरी टीम इस लड़ाई में पूरी निष्ठा के साथ डटे हुए हैं। इनमें स्वास्थ्य केन्द्र रोहरा की ओर से जानकारी देकर बचाव के तरीके एवं सावधानियों के बारे में लोगों को बताया गया।

शराबबंदी को लेकर भाजापा शहर मंडल ने सौंपा ज्ञापन

बालोद। वर्तमान में पूरा विश्व व हमारा भारत देश भी कोरोना नामक महामारी से जूझ रहा है तथा अपने नागरिकों की जान माल की हिफाजत करने में लगातार प्रयासरत है। केंद्र सरकार जहाँ देश के नागरिकों की सुरक्षा के लिए लॉक डाउन, सेनेटाइजेशन, बड़े पैमाने में लोगो की टेस्टिंग, संदिग्ध मरीजो को क्वारनटाइन व सोशल डिस्टेंसिनग जैसे अनेको प्रावधान लाकर लोगो के जीवन रक्षा हेतु प्रयास कर रही है। ऐसे में छग सरकार विगत 4 मई से शराब दुकाने खोलने के निर्णय का बालोद भाजपा शहर मंडल द्वारा कलेक्टर महोदय से

मिलकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर इसका कड़ा विरोध किया है और इसे तत्काल बंद करने का निवेदन किया ।

भाजपा ने ज्ञापन के माध्यम से आरोप लगाया है कि छग की काँग्रेस सरकार द्वारा राज्य में शराब भट्ठी को 4 मई से खोलकर राज्य के नागरिकों की जान माल के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।राज्य सरकार द्वारा लिया गया यह निर्णय पूर्णतः निन्दनीय है।

भाजपा शहर अध्यक्ष सुरेश निर्मलकर ने कहा कि छग की काँग्रेस सरकार ने अपने पूर्व के घोषणा पत्र में पूर्ण शराबबंदी का वादा किया था इसके अलावा काँग्रेस के जिम्मेदार पदाधिकारियों ने रायपुर प्रेस काँफ्रेंस में हाथ में गंगाजल उठाकर पूर्ण शराबबंदी करने का वचन दिया था, परंतु दुःखद विषय है कि वर्तमान में राज्य सरकार उन वादों को तो भूल ही चुकी है साथ ही केवल अपना राजकोष बढ़ाने के उद्देश्य के लिए राज्य के लाखों करोड़ों नागरिको को कोरोना नामक महामारी में धकेल रही है। इसके कारण सोशल डिस्टेंसिनग व कोरोना मुक्त समाज जैसे लक्ष्य को प्राप्त कर पाना मुश्किल हो जाएगा।

कलेक्टर ने जिले के सभी क्वारंटाइन सेंटरो का किया निरीक्षण

बीजापुर। कलेक्टर के डी कुंजाम ने जिले के सभी क्वारंटाइन सेंटरो का औचक निरीक्षण कर श्रमिकों का खाने पीने एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का जायज़ा लिया कुंजाम ने क्वारंटाइन सेंटर के प्रभारियों को निर्देश देते हुए बताया कि श्रमिकों को कोई दिक्कत ना आऐ इसका खास ध्यान रखने को कहा। क्वारंटाइन सेंटर मे व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालन के लिए पटवारीए शिक्षक एवं ग्राम पंचायत सचिवो का शिफ्ट मे ड्यूटी लगाया गया है। श्रमिकों की समस्याओ की जानकारी से अवगत हुए।

इसमें झारखंड के 161 श्रमिक विभिन्न क्वारंटाइन सेंटर में रूके है। कलेक्टर ने झारखंड के परिवहन सचिव को अवगत कराया एवं परिवहन सचिव द्वारा वाहन भेजने की बात कही गयी। श्रमिकों को आश्वासन देते हुए कहा कि जब तक वाहन नहीं आता तब तक आप सभी का पूरा ख्याल प्रशासन द्वारा रखा जाएगा।

गांवो में चल रहा मनरेगा के तहत कार्य

लवन। कोरोना संकट में स्थानीय मजदूरों को केंद्र सरकार की महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी का सहारा मिल रहा है। सैकड़ों मजदूरों को इस योजना के तहत काम दिया जा रहा है इससे मजदूरों की आर्थिक हालत में सुधार होने के साथ कि गांव के विकास कार्य शुरू हो गए हैं। कोविड-19 के कारण उत्पन्न वर्तमान परिस्थिति के लिए ग्रामीण जनों के लिए मनरेगा के तहत काम दिए जा रहे हैं प्रत्येक ग्राम पंचायतों में वृहद पैमाने पर कार्य स्वीकृत किए गए हैं जिससे पलायन एवं भुखमरी की स्थिति निर्मित न हो।

इन दिनों ज्यादातर स्थानों में मनरेगा के तहत तालाब गहरीकरण कार्य चबूतरा निर्माण डबरी निर्माण गोठान निर्माण का कार्य कराए जा रहे हैं इसी तारतम्य में ग्राम पंचायत बंनगबौद में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत बाहरा खार तालाब गहरीकरण कार्य के लिए 7 लाख 89 हज़ार रुपए की स्वीकृत हुई है जिसमें 100 मजदूर कार्य कर रहे हैं साथ ही मरीकटान तालाब गहरीकरण कार्य के लिए भी 7लाख 89 हज़ार रुपए की स्वीकृत हुई है जिसमें 120 मजदूर कार्य कर रहे हैं। रोजगार सहायिका योगेश्वरी बघेल सरपंच टीकाराम गिरी ने बताया कि उक्त दोनों तालाब गहरीकरण कार्य मे पिछले 4 सप्ताह से लगातार मजदूर कार्य कर रहे हैं।

राज्य शासन द्वारा लिए गए धान खरीदी केंद्रों में बनेगा पक्का शेड और चबूतरा निर्माण स्वागत योग्य : विद्या शर्मा

डौंडीलोहारा। जिला महिला कांग्रेस उपाध्यक्ष एवं नगर पंचायत उपाध्याक्ष विद्या शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ के धान खरीदी केंद्रों में बारिश को लेकर किसानों व समितियों को होने वाले समस्याओं को देखते हुए राज्य सरकार ने पक्का सेड निर्माण और चबूतरा निर्माण करने का फैसला लिया है, जो स्वागत योग्य है विद्या शर्मा उपाध्यक्ष नगर पंचायत ने कहा है कि आज प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनते ही मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में एक वर्ष के भीतर ही किसानों सहित अन्य लोगों की सुविधाओं के अनुरूप फैसला लिया गया।

पक्का सेड व चबूतरा निर्माण से किसानों को धान सुरक्षित रखने में सहायता होगी, साथ ही धान को सड़ने व खराब होने से बचाया जा सकेगा, साथ ही साथ राज्य सरकार को नुकसान भी नहीं होगा,,

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश व प्रदेश के 1333 धान खरीदी केंद्रों पर पक्का सेड चबूतरा का निर्माण किया जाएगा ,जिसके लिए विभाग व्यापक तैयारी में जुट गई है, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जीने कृषि सहकारिता विभाग से योजना पर काम शुरू करने कहा है, प्रदेश के धान खरीदी केंद्रों में समर्थन मूल्य पर खरीदे जाने वाले धान को बारिश से बचाने के लिए अभियान चलाकर पक्का सेड और चबूतरा निर्माण किया जाएगा ,कोरोना वायरस संक्रमण को नियंत्रण मैं रखने में अन्य राज्यों के मुकाबले छत्तीसगढ़ राज्य को अधिक सफलता मिली हैं, राज्य की भूपेश बघेल जी मुख्यमंत्री की सरकार ने राहत भरे फैसले कर संकट में फंसे प्रदेशवासियों की हर संभव मदद की है, विद्या शर्मा उपाध्यक्ष ने चर्चा करते हुए कहा कि विषम परिस्थितियों में संक्रमण को लेकर सरकार ने जो उपाय किए हैं, उसी का नतीजा है कि छत्तीसगढ़ राज्य दूसरे राज्यों की तुलना में ज्यादा सुरक्षित है,

सरकार के निर्देशों का प्रदेश की जनता ने पूर्णता पालन किया, जिसकी प्रति फल स्वरुप यह परिणाम सामने आए हैं कि राज्य में कोरोना वायरस महामारी का रूप नहीं ले पाया,

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी ने अपने संदेश मैं पहले ही कह दिया था कि हम अपने राज्य में किसी को भी भूखा सोने नहीं देंगे,

इस डेढ़ महीने से अधिक लाकडाउन के दौरान धरातल पर उन्होंने ऐसा किया भी राज्य के 56.48 लाख गरीब परिवारों को अप्रैल, मई और जून माह का राशन निशुल्क प्रदान किया गया है, बिना राशन कार्ड वाले व्यक्तियों को भी प्रति व्यक्ति 5 किलो चावल देने का निर्णय लिया गया है, लाकडाउन मैं मनरेगा योजना के अंतर्गत ग्रामीणों को रोजगार देने में छत्तीसगढ़ अभी पूरे देश का प्रथम स्थान पर है।

खादी ब्रांड की स्वीकार्यता बढ़ी

कारोबार साढ़े 88 हजार करोड रूपये के पार

नई दिल्ली (वार्ता)। खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग- केवीआईसी का वित्त वर्ष 2019-20 में कुल कारोबार 88 हजार 887 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। केवीआईसी के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना ने शनिवार को यहां कहा कि खादी उद्योग को पुनर्जीवित करने के सरकार के निरंतर प्रयासों और खादी को दैनिक जीवन की आवश्यकता के रूप में अपनाने के लिए, प्रधानमंत्री की अपील करने के परिणामस्वरूप , केवीआईसी लगातार विकास कर रहा है .

उन्होंने कहा कि पिछले एक वर्ष में खादी के कारोबार वित्त वर्ष 2018-19 में 3215.13 करोड़ रुपये था जो 31 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए वित्त वर्ष 2019-20 में 4211.26 करोड़ रुपये हो गया. ग्रामोद्योग उत्पादों का कारोबार वित्त वर्ष 2019-20 में 84 हजार 675.39 करोड़ रुपये तक पहुंच गया. इसमें पिछले वर्ष की तुलना में 19 प्रतिशत से ज्यादा की वृद्धि दर्ज की गई है. यह वित्त वर्ष 2018-19 में 71 हजार 077 करोड़ रुपये था.

आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2015-16 में खादी का उत्पादन 1,066 करोड़ रुपये आंका गया था , जो कि वित्त वर्ष 2019-20 में बढ़कर 2,292.44 करोड़ रुपये हो गया , जिसमें 115 प्रतिशत से ज्यादा की वृद्धि दर्ज की गई। दूसरी ओर, खादी की बिक्री और भी ज्यादा रही। खादी फैब्रिक उत्पादों की बिक्री वित्त वर्ष 2015-16 में 1,510 करोड़ रुपये थी, जो कि वित्त वर्ष 2019-20 में 179 प्रतिशत बढ़कर 4,211.26 करोड़ रुपये हो गई। वित्त वर्ष 2015-16 में ग्रामोद्योगों के उत्पादों का उत्पादन 33 हजार 425 करोड़ रुपये था और यह उत्पादन वित्त वर्ष 2019-20 में 96 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी के साथ 65 हजार 393.40 करोड़ रुपये हो गया। वित्त वर्ष 2015-16 में ग्रामोद्योगों के उत्पादों की बिक्री 40 हजार 385 करोड़ रुपये थी, जिसमें लगभग 110 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और यह वित्त वर्ष 2019-20 में 84 हजार 675.39 करोड़ रुपये हो गया।

श्री सक्सेना ने बताया कि खादी परिधानों के अलावा, ग्राम उद्योग उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला जैसे सौंदर्य प्रसाधन , साबुन और शैंपू ,आयुर्वेदिक दवाएं , शहद , तेल , चाय , अचार , पापड़, हैंड सैनिटाइजर , मिष्ठान्न खाद्य पदार्थ और चमड़े की वस्तुओं ने भी बड़ी संख्या में देश-विदेश के उपभोक्ताओं को आकर्षित किया है। इसके परिणामस्वरूप, पिछले पांच वर्षों में ग्रामोद्योग उत्पादों के उत्पादन और बिक्री में लगभग दोगुनी वृद्धि दर्ज की गई है।

उन्होंने कहा कि खादी इंडिया ने खादी का इस्तेमाल करते हुए पीपीई किट तैयार की है जो अभी परीक्षण के दौर पर है और इसकी मंजूरी की प्रक्रिया चल रही है. आयोग ने अभी तक खादी किट बाजार में जारी नहीं की है. खादी इंडिया ने कोरोना महामारी के खिलाफ संघर्ष में योगदान के लिए मास्क का निर्माण किया है .यह पूरी तरह से सुरक्षित है और इनको बनाने में हाथ से बुने कपड़े का इस्तेमाल किया जाता है।

न्यूज गैलरी

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने एमसीएलआर में की कमी

नई दिल्ली (वार्ता)। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने मार्जिनल कॉस्ट ऑफ फंड्स आधारित ब्याज दरों में पांच से 15 आधार अंकों की कटौती करने की घोषणा की है। बैंक ने आज यहां जारी बयान में कहा कि यह कटौती एमसीएलआर से जुड़े सभी ऋण के लिये है। ओवरनाइट एमसीएलआर को 15 आधार अंक घटाकर 7.15 प्रतिशत, 1 महीने की एमसीएलआर को 10 आधार अंक घटाकर 7.25 प्रतिशत, 3 महीने और 6 महीने के एमसीएलआर को पाँच आधार अंक कमकर 7.40 प्रतिशत और 7.55 प्रतिशत कर दिया गया है। बैंक ने कहा कि नयी दरें 11 मई से प्रभावी होगी।

आईसीआईसीआई बैंक का मुनाफा 26 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली (वार्ता)। निजी क्षेत्र के देश के सबसे बड़े बैंक आईसीआईसीआई बैंक ने मार्च में समाप्त चौथी तिमाही में 1221.36 करोड़ रुपये का लाभ कमाया है वर्ष 2018.19 की अंतिम तिमाही में अर्जित 969.06 करोड़ रुपये के लाभ की तुलना में 26.03 प्रतिशत अधिक है। बैंक ने निदेशक मंडल की आज हुयी बैठक के बाद जारी वित्तीय लेखाजोखा के अनुसार मार्च में समाप्त वित्त वर्ष में उसकी कुल आय 23443.56 करोड़ रुपये रही जो मार्च 2019 में समाप्त तिमाही में 20913.82 करोड़ रुपये रही थी। बैंक ने बताया कि मार्च में समाप्त वित्त वर्ष में उसने 7931 करोड़ रुपये का लाभ कमाया जो इससे पिछले वित्त वर्ष में अर्जित 3363.30 करोड़ रुपये की तुलना में 130 फीसदी अधिक है। इस दौरान बैंक के गैर निष्पादित परिसंपत्ति में भी सुधार हुआ है। मार्च 2019 में यह 6.70 प्रतिशत पर था जो इस वर्ष मार्च में घटकर 5.53 प्रतिशत पर आ गया।

किराना ग्राहकों को 'लॉट्स ऑफकेयर किट्स' वितरित

नई दिल्ली (वार्ता)। कोरोना वायरस संक्रमण के मद्देनजर लॉट्स होलसेल सॉल्यूशंस ने अपने थोक ग्राहकों को लॉट्स ऑफकेयर किट्स वितरित किये हैं। कंपनी ने आज यां जारी बयान में कहा कि वह अपने सभी स्टोरों पर सुरक्षा के आवश्यक उपाय किए हैं, जिससे इसके स्टाफ और ग्राहक सदस्यों का स्वास्थ्य एवं सेहत सुनिश्चित हो सके। कंपनी अपने ग्राहक किराना स्टोर्स को मदद कर रही है, जो कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में अग्रिम कतार में रहकर काम कर रहे हैं। कंपनी अपने किराना सदस्यों को 'लॉट्स ऑफकेयर किट्स' (कोविड-19 सेफ्टी किट्स) वितरित कर रही है, ताकि वो वायरस से सुरक्षित रह सकें। हर किट में मास्क, डिस्पोज़ेबल ग्लव, सैनिटाईज़र बोतलें एवं सेफ्टी वाइज़र हैलमेट है। लॉट्स ऑफकेयर किट्स के साथ किरानावाले अपना और अपने ग्राहकों का स्वास्थ्य तथा सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं।

सरकारी बैंक ने सस्ता किया लोन, ब्याज दरों में कटौती

नई दिल्ली। एसबीआई, बैंक ऑफ महाराष्ट्र , आईओबी के बाद अब सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक यूनियन बैंक ऑफइंडिया ने मार्जिनल कॉस्ट ऑफ फंड्स आधारित ब्याज दरों में पांच से 15 आधार (0.05% - 0.15%) अंकों की कटौती करने की घोषणा की है। क ने आज यहां जारी बयान में कहा कि यह कटौती एमसीएलआर से जुड़े सभी ऋण के लिए है। ओवरनाइट एमसीएलआर को 15 आधार अंक घटाकर 7.15 प्रतिशत, 1 महीने की एमसीएलआर को 10 आधार अंक घटाकर 7.25 प्रतिशत, 3 महीने और 6 महीने के एमसीएलआर को पाँच आधार अंक कमकर 7.40 प्रतिशत और 7.55 प्रतिशत कर दिया गया है। बैंक ने कहा कि नयी दरें 11 मई से प्रभावी होगी। लॉकडाउन के बीच एसबीआई ने मार्जिनल कॉस्ट ऑफ फंड्स बेस्ड लेंडिंग रेट्स में 15 बेसिस अंकों यानी 0.15% की कटौती की घोषणा की है। इससे एक्सटर्नल लिंक्ड होम लोन की ब्याज दर 7.40% से घटकर 7.25त्न हो जाएगी। नई ब्याज दर 10 मई से लागू होंगी। यह बैंक द्वारा MCLR में लगातार 12वीं और वित्त वर्ष 2020-21 की दूसरी कटौती है। एमसीएलआर ही पर्सनल, ऑटो और होम लोन जैसे कर्ज के लिए प्रमुख आधार दर होती है। वहीं इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) और बैंक आफ महाराष्ट्र (बीओएम) ने एमसीएलआर में कटौती की घोषणा कर चुके हैं।

कोरोना संकट में बादाम हो सकते हैं मदर्स डे पर बेहतर उपहार

नई दिल्ली (वार्ता)। कोरोना वायरस'कोविड-19 के विश्व व्यापी संकट के बीच मदर्स डे पर बच्चों के लिए माताओं को गिफ्ट खरीदने में आ रही दुश्वारियों के मद्देनजर उन्हें बादाम आदि मेवे और इनसे बने व्यंजन भेंट करना एक उपयुक्त और सुरक्षित माध्यम हो सकते हैं। इससे न केवल कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव किया जा सकेगा बल्कि माताओं को स्वादिष्ट, पौष्टिक और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले उपहार भी भेंट किये जा सकते हैं।

आहार विशेषज्ञों के अनुसार बादाम न केवल पौष्टिक स्नैक है, बल्कि वजन पर नियंत्रण, हृदय एवं त्वचा विकारों में उपयोगी होने के साथ मधुमेह पीड़ितों के लिए भी उपयुक्त खाद्य पदार्थ है।

फिटनेस के प्रति उत्साही एवं सुपरमॉडल मिलिंद सोमन ने इस मौके पर कहा है, ÷हमारी दुनिया हमारी माताओं के साथ शुरू होती है। मां से हम हेल्थ और वेलनेस के बारे में बहुत कुछ सीखते हैं। मुझे बहुत सारी स्वस्थ आदतें मेरी मां से मिलीं। जब मैं बड़ा हो रहा था, उन्होंने सुनिश्चित किया कि मैं अपने नाश्ते में बादाम को शामिल करके अपने दिन की शुरुआत करूं। अब वह 81 वर्ष की हो गई हैं, पर वह अभी भी सुनिश्चित करती हैं कि मुझे सुबह बादाम मिलें और मैं चाहता हूं कि उन्हें भी बादाम मिलें।

दिल्ली मैक्स हेल्थकेयर की क्षेत्रीय प्रमुख डायरेक्टर रितिका समद्दर ने कहा, ÷लापरवाही और खुद की देखभाल करने की कमी लंबे समय में डायबटीज या हृदय रोग जैसे बड़े स्वास्थ्य मुद्दों को जन्म दे सकती है। इसलिए, माताओं को अपनी जीवन शैली और स्वास्थ्य के प्रति जागरुक होने की आवश्यकता है।

नई प्रक्रिया पर अमल टला

नई दिल्ली (वार्ता)। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने कोरोना वायरस संक्रमण को देखते हुये कुछ संस्थाओं के अनुमोदन/पंजीकरण/अधिसूचना के लिए नई प्रक्रिया पर अमल को एक अक्टूबर, 2020 तक स्थगित करने का निर्णय लिया है। सीबडीटी ने आज यहां जारी एक बयान में कहा कि आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 10 (23सी), 12एए, 35 और 80जी के तहत अनुमोदित/पंजीकृत/अधिसूचित की गई संस्थाओं को 1 अक्टूबर, 2020 से लेकर तीन माह के भीतर यानी 31 दिसंबर, 2020 तक संबंधित सूचना दर्ज करने की आवश्यकता होगी। इसके अलावा, नई संस्थाओं या निकायों के अनुमोदन/ पंजीकरण/ अधिसूचना के लिए संशोधित प्रक्रिया भी 1 अक्टूबर, 2020 से लागू होगी।

दुनिया में स्टार्टअप की सफलता का उभरता सितारा है रिलायंस जियो

नई दिल्ली (वार्ता)। चवालीस महीने पहले रिलायंस इंडस्ट्रीज ने जब देश के दूरसंचार क्षेत्र में कदम रखा था तो शायद किसी ने यह कल्पना भी नहीं की होगी कि इस उद्योग में वर्षों से काबिज दिग्गज कंपनियों के सामने यह स्टार्टअप टिक पायेगा और अपनी सफलता का परचम लहरा देगा और विश्व का बड़े से बड़ा निवेशक कंपनी के साथ जुड़ने को लालायित होगा।

मुकेश अंबानी ने पांच सितंबर 2016 को रिलायंस जियो के रूप में इस क्षेत्र में पदार्पण किया और इसे लेकर दूरसंचार क्षेत्र का जो खाका खींचा था एयरटेल, वोडाफोन और आइडिया जैसे दिग्गजों के बीच जियो कहां ठहरेगा, इसे लेकर तरह-तरह की शंकाएं उठी,लेकिन आज पूरी तस्वीर उल्टी है और जियो के आगे सभी दिग्गज कहीं ठहर नहीं पा रहे हैं। जियो ने अपनी टेलीकॉम वाली छवि को भी तोड़ दिया है। जियो जिसको शुरू हुए अभी चार साल भी पूरे नहीं हुए उसकी वैल्यू दुनिया ने चार लाख 91 हजार करोड़ रुपये आंकी है। जियो का कहना है कि पहले फेसबुक और सिल्वर लेक के बाद अब विस्टा जैसी कई और प्रौद्योगिकी कंपनियां जियो में निवेश करने के लिए कतारबद्ध हैं, ये अपने क्षेत्र की नामी- गिरामी और तकनीक क्षेत्र की फ्लैगशिप कंपनियां हैं। कंपनी का कहना है कि इससे एक बात साबित होती है कि रिलायंस जियो कोई टेलीकॉम कंपनी नहीं रह गई है और यह दुनिया की क्वालिटी डिजिटल टेक्नोलॉजी कंपनी का रूप ले चुकी है। मात्र तीन हफ्तों में अंतरराष्ट्रीय स्तर की कंपनियों का जियो में 60596.37 करोड़ का निवेश जियो के भविष्य की कहानी बयां करता है।

अधिनियम | आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 6 में निवास से संबंधित प्रावधान

भारत में निवास के संबंध में स्पष्टीकरण

नई दिल्ली (वार्ता)। सरकार ने स्पष्ट किया है कि 31 मार्च 2020 को या उससे पहले भारत छोड़ने में असमर्थ रहा है, तो वैसी स्थिति में 22 मार्च से लेकर 31 मार्च, 2020 तक भारत में रहने या निवास करने की उसकी अवधि की देश में निवास करने में गिनती नहीं की जाएगी।

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने आज यहां जारी बयान में कहा कि आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 6 में किसी भी व्यक्ति के निवास से संबंधित प्रावधान हैं। किसी व्यक्ति की यह स्थिति कि वह भारत में निवासी है या अनिवासी है या सामान्य रूप से निवासी नहीं है, दरअसल अन्य बातों के अलावा इस तथ्य पर निर्भर करती है कि वह व्यक्ति एक पूरे वर्ष के दौरान कितनी अवधि तक भारत में रहता है।

इस आशय के कई ज्ञापन प्राप्त हुए हैं जिनमें कहा गया है कि ऐसे अनेक व्यक्ति हैं, जो किसी विशेष अवधि के लिए पिछले वर्ष 2019-20 के दौरान भारत की यात्रा पर आए थे और 'भारत में प्रवासी हैं या सामान्य रूप से निवासी नहीं हैं' के रूप में अपनी स्थिति को बनाए रखने के लिए पिछले वर्ष की समाप्ति से पहले ही भारत छोड़ देने अथवा यहां से प्रस्थान कर जाने का इरादा रखते थे। हालांकि, नोवल कोरोना वायरस (कोविड-19) के प्रकोप के कारण लॉकडाउन की घोषणा किए जाने और अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों पर रोक लगा दिए जाने के कारण उन्हें भारत में अपने प्रवास या निवास अवधि को बढ़ाना पड़ गया है। इसके मद्देनजर इस बात पर चिंता व्यक्त की जा रही है कि वे अनायास ही बिना किसी इरादे के भारतीय निवासी बन सकते हैं।

इन लोगों को इस तरह की वास्तविक कठिनाई से बचाने के लिए सीबीडीटी ने कहा कि आयकर अधिनियम की धारा 6 के तहत पिछले वर्ष 2019-20 के दौरान किसी ऐसे व्यक्ति की निवास स्थिति का निर्धारण निम्नानुसार किया जाएगा, जो 22 मार्च 2020 से पहले भारत की यात्रा पर आया है, और 31 मार्च 2020 को या उससे पहले भारत छोड़ने में असमर्थ रहा है, तो वैसी दशा में 22 मार्च, 2020 से लेकर 31 मार्च, 2020 तक भारत में रहने या निवास करने की उसकी अवधि को ध्यान में नहीं रखा जाएगा अथवा उसकी गिनती नहीं की जाएगी; या 1 मार्च, 2020 को या उसके बाद नोवल कोरोना वायरस (कोविड-19) के कारण भारत में क्वारंटाइन किया गया है तथा 31 मार्च, 2020 को या उससे पहले एक निकासी उड़ान के जरिए रवाना हो गया है अथवा 31 मार्च, 2020 को या उससे पहले भारत छोड़ने में असमर्थ रहा है, तो वैसी स्थित में उसके क्वारंटाइन की शुरुआत से लेकर उसके रवाना होने की तारीख तक या 31 मार्च 2020 तक, इनमें से जो भी हो, उसके रहने या निवास करने की अवधि को ध्यान में नहीं रखा जाएगा; या 31 मार्च, 2020 को या उससे पहले एक निकासी उड़ान के जरिए रवाना हो गया है, तो वैसी दशा में 22 मार्च, 2020 से लेकर उसके रवाना होने की अवधि तक भारत में रहने या निवास करने की उसकी अवधि को ध्यान में नहीं

411 करोड़ रुपये का चूना लगाकर फरार हो गई दिल्ली की फर्म

नई दिल्ली। दिल्ली की एक फर्म के तीन प्रवर्तक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की अगुवाई वाले छह बैंकों के गठजोड़ के साथ 411 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के बाद देश से फरार हो चुके हैं। सीबीआई ने हाल में इनके खिलाफ मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि एसबीआई द्वारा इनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराए जाने से पहले ही ये देश से भाग चुके हैं। सीबीआई ने हाल में पश्चिम एशियाई देशों और यूरोपीय देशों को बासमती चावल का निर्यात करने वाली कंपनी और उसके निदेशकों नरेश कुमार, सुरेश कुमार और संगीता के खिलाफ एसबीआई की शिकायत पर मामला दर्ज किया था। एसबीआई ने आरोप लगाया है कि इन लोगों ने उसको 173 करोड़ रुपये का चूना लगाया है। एसबीआई ने शिकायत में कहा है कि कंपनी की करनाल जिले में तीन चावल मिलें, आठ छंटाई और ग्रेडिंग इकाइयां हैं। कंपनी ने व्यापार के लिए सऊदी अरब और दुबई में कार्यालय भी खोले हुए हैं। एसबीआई के अलावा कंपनी को ऋण देने वाले बैंकों में केनरा बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, आईडीबीआई, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया और कॉरपोरेशन बैंक शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि कोरोना वायरस की वजह से लागू लॉकडाउन के चलते अभी तक इस मामले में छापेमारी की कार्रवाई नहीं की गई है। जांच एजेंसी इस मामले में आरोपियों को समन की प्रक्रिया शुरू करेगी। अधिकारियो ने कहा कि यदि आरोपी जांच में शामिल नहीं होते हैं, तो उनके खिलाफ उपयुक्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आज का भविष्यफल

मेष: मेष राशि के जातकों को शुरुआती नकारात्मक घटना के बाद बिना प्रयास ही धन प्राप्ति के अवसर बन रहे हैं। मन अशांत रहेगा। गहन सोच-विचार का भी समय है।

वृषभ: वृष राशि के जातकों की शीघ्र वा तर्कपूर्ण निर्णय लेने की क्षमता आज उन्हें सफलता दिलाएगी, उनके कई फैसले व्यवसाय में तरक्की दिलाएंगे। पैसा बनाने में कामयाब रहेंगे और मन खुश रहेगा।

मिथुन: मिथुन राशि के जातकों को आज अपने शत्रुओं से सावधान रहना चाहिए। शत्रु आपकी छवि बिगाड़ने की कोशिश करेंगे परंतु इसमें कामयाब नहीं होंगे। धन प्राप्ति के लिए प्रयास अधिक करने पड़ेंगे। बच्चों पर धन खर्च का योग है।

कर्क: कर्क राशि के जातकों के इनोवेटिव आइडिया कार्यक्षेत्र में तरक्की के नए रास्ते प्रशस्त करेंगे। कार्यक्षेत्र में किया हुआ इन्वेस्टमेंट फायदेमंद होगा। धन के लिए मां लक्ष्मी आप पर मेहरबान रहेंगी।

सिंह: सिंह राशि लोगों के लिए कार्यक्षेत्र में नए पद प्राप्ति का योग है। बिना अधिक प्रयास के सफलता दिलाने में भाग्य सहायक होगा। धन को लेकर अधिक चिंता की जरूरत नहीं है।

कन्या: कन्या राशि के लोगों का मन व्यथित रहेगा अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखना जरूरी है। तभी सफलता मिलेगी बुरा समय खत्म होने को है। कार्यक्षेत्र में सबकुछ आपके अनुसार होने लगेगा।

तुला: इस राशि जातक जितनी मेहनत करेंगे आज उतना ही फल मिलेगा। इसलिए अधिक प्राप्ति के लिए अधिक प्रयास की जरूरत है। बातचीत के द्वारा लोगों को समझाने में कामयाब रहेंगे।

वृश्चिक: वृश्चिक राशि से जातकों का मन प्रसन्न होगा बिना अधिक प्रयास के सफलता मिलेगी। अधीनस्थ कर्मचारी पूर्ण सहयोग देंगे। सरकार की ओर से भी धन लाभ के अवसर उपलब्ध होंगे।

धनु: धनु राशि के जातकों को कार्यक्षेत्र में आसानी से ऑर्डर मिलेंगे और पूर्ण विश्वास के साथ उसे पूरा करने में कामयाब भी रहेंगे। धन के लेन-देन में सावधानी बरतें।

मकर: मकर राशि के जातकों की मैनेजमेंट क्षमता की वजह से सभी कामों को आसानी से पूर्ण करेंगे। अधीनस्थ कर्मचारी उनके प्लान के अनुसार काम करेंगे और सफलता सभी को एक साथ मिलेगी।

कुंभ: कुंभ राशि के जातकों का कुछ नए कॉन्ट्रैक्ट साइन होने का समय है। शर्तों को बहुत ध्यानपूर्वक पढ़ने और समझने के बाद ही आगे बढ़े धन प्राप्ति के लिए उत्तम समय है। आज अपने ऊपर कुछ धन खर्च का योग है।

मीन: मीन राशि के जातकों को कोई भी रिस्क लेकर काम करने से बचना चाहिए अन्यथा नुकसान हो सकता है। मन की चंचलता को काबू में रखना बहुत जरूरी है। सफलता का एक ही मूल मंत्र है दूसरों की बजाए स्वयं पर फोकस करो।

सू- दोकू क्र.017

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है, जिसमें 9 वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक रख सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम, कतार और खंड में 1से9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.16 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

शब्द सामर्थ्य -017

बाएं से दाएं

1. संबंध, लगाव, नाता, काम 2. सिसकने की आवाज, सीत्कार 4. आग की ज्वाला, दाहक 5. दियासलाई 7. प्रतिकार, प्रतिशोध 8. बाबुल की दुआएं लेती जा... गीतवाली बलराज साहनी, मनोजकुमार, राजकुमार, वहीदा की फिल्म 11. करतल ध्वनि 13. आपसी व्यवहार का संबंध, वास्ता 15. वचन, जीभ 16. रोगियों को स्वस्थ और मृतकों को जीवित कर देने वाला 17. एक सुंदर फूलदार वृक्ष 19. पत्नी, बीवी 20. मसालेदार सुगंधित सुरती।

ऊपर से नीचे

1. उचित, उपयुक्त, जायज 2. किवाड़ को अंदर से बंद करने वाला छड़, चटखनी 3. मांस के अत्यंत छोटे टुकड़े 4. माथा, मस्तक 6. कटोरी के आकार का नलीदार पात्र जिसमें तंबाकू रखकर पीते हैं 9. रेखा 10. खून से लथपथ 11. छिपकर बुरी नजर से ताकने की क्रिया, रह रहकर ताकने की क्रिया 12. व्यापार, धंधा 13. शृंगार करना, साजना 14. श्रवणेंद्रिय 16. सीमा, हद 18. चमड़ा, चाम 19. बोझ, दबाव।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 16 का हल

मै	दा	न		स	र	ग	म	
त्री		सौ			क्षा		धु	रं
	सा	हु	स				र	
स्वा	ग	त		स	म	झौ	ता	
व	र			र				म
लं		वि	ला	स			दा	म
बी	न		ज		स्वा	मा	न	ता
	ज		वा	हि	या	त		
त	र	की	ब		ना		खा	ली

15 लाख के चार इनामी नक्सली ढेर, थाना प्रभारी शहीद

राजनांदगांव जिले के धुर नक्सल प्रभावित मानपुर नक्सल ऑपरेशन के मुख्यालय से काफी नजदीक हुई मुठभेड़

नवप्रदेश संवाददाता

राजनांदगांव। राजनांदगांव जिले के धुर नक्सल प्रभावित मानपुर नक्सल ऑपरेशन के मुख्यालय से काफी नजदीक पुलिस की नक्सालियों के साथ मुठभेड़ हो गई। शुक्रवार की रात करीब 10:00 से 11:00 के बीच हुई इस मुठभेड़ में पुलिस ने 15 लाख के इनामी चार नक्सलियों को मार गिराया। जबकि नक्सलियों से लोहा लेते हुए मदनवाड़ा थाना प्रभारी श्याम किशोर शर्मा शहीद हो गए। सूत्रों ने बताया कि मदनवाड़ा थाना प्रभारी श्याम किशोर शर्मा के नेतृत्व में राजनांदगांव के धुर नक्सल प्रभावित क्षेत्र के जंगलों में सर्चिंग के लिए फोर्स निकली हुई थी। इसी दौरान जंगल में पहले से घात लगाकर कैंप कर रहे नक्सलियों से आमना सामना हो गया।

मुठभेड़ में आधी रात तक चली गोली-बारी

नक्सलियों ने पुलिस टीम को आते देख फायरिंग शुरू कर दी, पुलिस पार्टी ने भी जवाबी कार्रवाही शुरू की। आधी रात तक पुलिस की नक्सलियों से मुठभेड़ और दोनों ओर से भारी गोलीबारी हुई। इसी दौरान मदनवाड़ा थाना प्रभारी श्याम किशोर शर्मा नक्सलियों से लोहा लेते हुए शहीद हो गए। बताया गया कि शहीद श्याम किशोर शर्मा के पेट से गोली आर-पार हो गई। दो महिला समेत चार नक्सली इस मुठभेड़ में मारे गए हैं। नक्सलियों के शव फोर्स ने बरामद कर लिए हैं। मौके से एके-47 भी सुरक्षा बल के जवानों ने बरामद किया है। घटना की खबर लगते ही एसपी जितेंद्र शुक्ला मौके पर पहुंच गए।

गृह मंत्री ने नक्सली मुठभेड़ में शहीद थाना प्रभारी श्याम सुंदर शर्मा को दी श्रद्धांजलि

रायपुर। गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू ने राजनांदगांव जिले के मदनवाड़ा में नक्सली मुठभेड़ में शहीद हुए मदनवाड़ा थाना प्रभारी श्याम सुंदर शर्मा को श्रद्धांजलि दी है। गृहमंत्री ने आज राजनांदगांव पहुंचकर उनके पार्थिव शरीर पर पुष्प चक्र अर्पित किया। श्री साहू ने कहा कि मैं उनकी शहादत को शत-शत नमन करता हूं। उनके अदम्य साहस को हम सदैव याद रखेंगे।

मारे गए नक्सली व उन पर घोषित इनाम की राशि

अशोक -मानपुर मोहला कमेटी मेम्बर 8 लाख का इनाम
प्रमिला- 1 लाख का इनाम
सरिता- 1 लाख का इनाम
कृष्णा - 5 लाख का इनाम

सीएम ने नक्सली मुठभेड़ में थाना प्रभारी की शहादत को किया नमन

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ट्वीट कर प्रदेश के राजनांदगांव जिले के मदनवाड़ा थाना प्रभारी श्याम किशोर शर्मा के शहादत को नमन किया है। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने अपने ट्वीट में कहा कि राजनांदगांव के मदनवाड़ा के पास परधौनी गांव में पुलिस-नक्सली मुठभेड़ के दौरान मदनवाड़ा के थाना प्रभारी श्याम किशोर शर्मा की शहादत का समाचार दुःखद है। श्री बघेल ने उनकी शहादत को नमन करते हुए ईश्वर से उनके परिवारजनों को संबल प्रदान करने की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि इस मुठभेड़ में चार नक्सली भी मारे गये है।

मुठभेड़ में घायल ईनामी नक्सली गिरफ्तार

नवप्रदेश संवाददाता

दंतेवाड़ा। जिले के मिरतुर थाना क्षेत्र के दंतेवाड़ा और बीजापुर के सीमा क्षेत्र पर दंतेवाड़ा-बीजापुर के डीआरजी, एसटीएफ और सीआरपीएफ द्वारा संयुक्त रूप से अंतर जिला नक्सल ऑपरेशन शुक्रवार को चलाया गया था। इस दौरान बेचापाल के जंगल में जवानों की नक्सलियों के साथ मुठभेड़ हो गई। इसमें एक नक्सली के पैर में गोली लगने से मुठभेड़ स्थल की सर्चिंग के दौरान घायल नक्सली को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार नक्सली की पहचान 01 लाख का ईनामी मुचाकी बामन के रूप में हुई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गिरफ्तार 01 लाख का ईनामी नक्सली मुचाकी बामन से कई महत्वपूर्ण जानकारी मिल रही है। नक्सली मुचाकी से पूछताछ में यह ज्ञात हुआ कि बैलाडीला क्षेत्र में बड़ी संख्या में नक्सलियों की मौजूदगी किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए पापाराव, वेल्ला, विच्चा जैसे बड़े नक्सलियों की उपस्थिति में बैलाडीला के अलग-अलग क्षेत्रों में होने की सूचना मिली है। एसपी अभिषेक पल्लव ने बताया कि पुलिस को बड़े नक्सलियों की उपस्थिति की सूचना मिलने पर फोर्स को हाई-अलर्ट पर रखा गया था। जिसके बाद अंतर जिला संयुक्त फोर्स के साथ ऑपरेशन लांच किया गया था। आगे भी सटीक सूचना मिलने पर ऑपरेशन किया जाएगा। उन्होने बताया कि गिरफ्तार 01 लाख का ईनामी नक्सली मुचाकी बामन के विरुद्ध मिरतूर थाना में वर्ष 2012 में अपराध क्रमांक 12/3 धारा 147 व 148 के तहत अपराध पंजीबद्ध है। मुचाकी मूलतः कटेकल्याण का निवासी है जो वर्ष 2005 में नक्सलियों से मिलकर मिरतूर इलाके में सक्रिय हो गया। मुचाकी बामन फिलहाल हुर्रेपाल में जनमिलिशिया कमांडर के रूप में सक्रिय रहा। घायल नक्सली की स्थिति फिलहाल ठीक है।

मुठभेड़ में नक्सली कमांडर मुचाकी बामन को पैर में लगी गोली

मुठभेड़ः डीजीपी ने एसआई की शहादत पर किया नमन

राजनांदगांव/रायपुर। जिले के परधौनी गांव में नक्सलियों के साथ पुलिस जवानों की मुठभेड़ हुई, घटना बीती रात करीब 11 बजे की बताई जा रही है। इस मुठभेड़ में 4 नक्सली ढेर हो गए, मुठभेड़ में मदनवाड़ा थाना प्रभारी स्द्ध श्याम किशोर शर्मा भी शहीद हो गए हैं। सीएम बघेल और डीजीपी डीएम अवस्थी ने शहीद के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। जिले के मदनवाड़ा में पुलिस माओवादियों में मुठभेड़ में मदनवाड़ा थाना प्रभारी श्याम किशोर शर्मा शहीद हो गए, मैं उनकी शहादत को शत शत नमन करता हूं।

उनके अदम्य साहस को हम सदैव याद रखेंगे। इस मुठभेड़ में हमारे बहादुर जवानों ने चार इनामी माओवादी भी मार गिराया है। सभी की डेड बॉडी रिकवर कर ली गयी हैं। 1 एके-47, 1 स्क्र और 12 बोर की बंदूक भी बरामद की गई है- डी एम अवस्थी, पुलिस महानिदेशक।

मंत्री डॉ. डहरिया ने शहीद श्याम किशोर शर्मा को श्रद्धासुमन अर्पित किए

रायपुर। नगरीय प्रशासन मंत्री और अम्बिकापुर (सरगुजा) जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. शिव कुमार डहरिया ने राजनांदगांव जिले के मदनवाड़ा में नक्सली मुठभेड़ में शहीद हुए मदनवाड़ा थाना प्रभारी श्री श्याम किशोर शर्मा को श्रद्धासुमन अर्पित किए। डॉ. डहरिया ने कहा कि मैं उनकी शहादत को शत-शत नमन करता हूं। उनके अदम्य साहस को हम सब सदैव याद रखेंगे।

48 घंटे लॉकडाउन, कोरोना का खौफ और पुलिस के रौब का दिखा असर

रायपुर के लोगों ने 48 घंटे की मियाद शुरु होते ही किया पालन

■ **पुलिस की गश्त ही काफी रही, गलियों की शोरगुल भी खामोश**

नवप्रदेश संवादाता

रायपुर। एक तरफ सप्ताह में दो दिन कम्पलीट लॉकडाउन के फैसले को लेकर सियासत शुरु हो गई है। भाजपा नेता इसे बेमानी मानते हुए इस फैसले की मजम्मत कर रहे हैं। सिर्फ 3 चिजों को छोड़कर 48 घंटे के इस पूर्ण लॉकडाउन की मियाद शुक्रवार रात 11 बजे से शुरु हुई थी जो सोमवार को समाप्त होगी। मतलब आज शनिवार की सुबह 8 बजे तक ही तीन जरुरी सामानों के लिए ही इक्का-दुक्का लोग दिखे। बकाया बाजार तालाबंदी में रहा।

कलेक्टर भारती दासन और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आरिफ शेख के नेतृत्व में शुक्रावार को फ्लैग मार्च निकाला गया था। हालाकि एक तरफ कोरोना के बढ़ते मामलों व संक्रमण के खौफ के बीच पुलिस के रौब का साफ असर दिखा। पूरी राजधानी के मुख्य बाजार के साथ ही साथ गलियों-मुहल्लों में संचालित दुकानों तक में ताला लटकता रहा।

महज तीन जरुरी चीजों को ही रियायत मिली थी। जिसमें किराना, फल, सब्जी दुकानों को भी रियायत से बाहर रखा गया था। महज दूध, दवा, फल को छोड़कर सभी को पहले ही जिला प्रशासन ने चेता दिया था। पहले ही राज्य शासन ने यह फैसला लिया है कि मई तक हर शनिवार-रविवार पूर्ण लॉकडाउन प्रदेश में कराया जाएगा। पुलिस को भी इसके लिए सख्ती का आदेश दिया गया है। कल रविवार को पुलिस और सख्त होगी हालाकि आज शनिवार को महज प्रमुख मार्गों में ही पुलिस जांच में तैनात थी बाकि जगह पुलिस की वैसी सख्ती नहीं दिखी।

शनिवार-रविवार की रात कड़ाई से पालन

आमतौर पर दो दिन के पूर्ण लॉकडाउन के फरमान के बाद ही शुक्रवार को पहले ही लोगों ने अपनी जरुरती चीजों को खरीद लिया था। इसमें शराब प्रेमी भी हैं जो अपना कोटा खरीद चुके हैं। आमतौर पर शनिवार शाम से संडे रात तक वीक एंड का माहौल रहता है। इसलिए शनिवार शाम से ही पुलिस की गश्ती और मुस्तैदी चौक-चौराहों व प्रमुख मार्गों में दिखी। नतीजतन पूरी तरह राजधानी में सन्नाटा पसरा रहा।

गृहमंत्री ने दिया था सम्पूर्ण लॉकडाउन सुझाव

एसएसपी आरिफ शेख का कहना है कि राज्य सरकार के निर्देश का राजधानी में कड़ा से पालन कराया गया। उन्होंने कहा कि शनिवार-रविवार को राजधानी में पूर्ण लाकडाउन का कड़ाई से पालन करवाया जा रहा है। दूध, दवाई दुकान और पेट्रोल पंप को छोड़कर तमाम दुकानें बंद रहीं। सब्जी, फल और किराना दुकान को भी बंद रखा गया था। सिर्फ लोग अतिआवश्यक कामों के लिए घरों से बाहर निकले। वहीं बेवजह सड़कों पर नजर आने वाले लोगों पर पुलिस ने कार्रवाई भी की है। दरअसल वीकंड में बाजारों में बड़ी भीड़ उमड़ने की संभावना के मद्देनजर राज्य सरकार को गृहविभाग ने दो दिन सप्ताह में पूर्ण लॉकडाउन का सुझाव दिया था, जिसके बाद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मई महीने तक दो दिन सप्ताह में लाकडाउन का निर्देश जारी किया हैं।

दो दिन का कर्फ्यू समझ से परे : बृजमोहन

■ **सभी छोटे व्यापारियों को दे दुकान खोलने की अनुमति**

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। विधायक एवं पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने सप्ताह में 2 दिन के कर्फ्यू लगाने के राज्य सरकार के औचित्य पर सवाल खड़े किए है।

उन्होंने कहा कि सोशल डिस्टेंसिंग के कायदों की धज्जियां तो शराब दुकान खुलने के बाद से ही उड़ गई है। यहा तो कोरोना संक्रमण को बाकायदा निमंत्रण दिया जा रहा है। ऐसे में कर्फ्यू लगाने से क्या फर्क पड़ेगा समझ से परे है। बृजमोहन ने कहा कि सरकार अब सभी छोटे व्यापारियों की सुध ले। उन्हें भी अपना परिवार चलाना है। 50 दिनों से उनकी दुकाने बंद है।

आर्थिक तंगी से वे जूझ रहे हैं। ठेले-खोमचे वालों की भी कुछ ऐसी ही दशा है। उन्हें भी अपनी दुकाने -व्यापार प्रारंभ करने की अनुमति तत्काल दे दी जानी चाहिए। बृजमोहन ने सुझाव देते हुए कहा कि सरकार चाहे तो विभिन्न व्यवसायों को तीन भागों में विभक्त कर दें और सभी के खुलने का अलग-अलग 4-4 घंटा समय निर्धारित कर दे। ताकि लोग अपनी जरूरत का सामान खरीद सके। बृजमोहन ने कहा कि वैसे भी राज्य में शराब दुकान खोले जाने के बाद से जनता का अब सरकार से भरोसा उठ गया है।

कोरोना संक्रमण को लेकर वह अपनी सुरक्षा के लिए पहले से ज्यादा सतर्क है। राज्य सरकार का यह 2 दिनी कर्फ्यू का निर्णय उनकी अपनी मौजूदगी बताने का ही प्रयास प्रतीत होता है न कि कोरोना से लडने् की उनकी इच्छाशक्ति को दर्शाता है।

क्वारंटीन सेंटर से भागे 23 मजदूर अपने घर नहाड़ी पहुंचे

नवप्रदेश संवाददाता

दंतेवाड़ा। जिले के अरनपुर चारंटीन सेंटर से फरार हुए 23 मजदूरों को वापस लाने का प्रयास में पुलिस प्रशासन जुट गई है। पुलिस को सूचना मिल रह्यह्यही है कि ग्राम नहाड़ी में नक्सलियों की मौजूदगी देखी जा रही है, बावजूद इसके मजदूरों को वापस लाने का प्रयास किया जा रहा है। इस मामले को लेकर दंतेवाड़ा एसपी अभिषेक पल्लव ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि अरनपुर चारंटीन सेंटर से फरार हुए 23 मजदूर हैदराबाद के खम्मम जिले से 05 मई को पंहुचे थे, जिन्हे अरनपुर बालक आश्रम में रखा गया था। लेकिन दो दिन पहले सभी मजदूर फरार हो गए थे, फरार सभी ग्रामीण अपने ग्राम नहाड़ी आज पहुंच गए हैं, लेकिन वहां नक्सलियों का जमावड़ा बना हुआ है। ऐसे हालात में उन्हें वापस लाना मुश्किल होगा। इसके लिए हमने रणनीति बना ली है, गांव में अचानक दबिश देकर मजदूरों को वापस लाया जाएगा। सभी भागे मजदूरों की जानकारी आधार ,वोटर कार्ड से पता कर ली गई है, उन्हें जल्द ही वापस लाकर चारंटीन किया जाएगा।

नहाड़ी में नक्सलियों मौजूदगी की सूचना के बावजूद मजदूरों को वापस लाने में जुटी पुलिस

रायपुर से पैदल ही गोरखपुर के लिए निकले मजदूर

नवप्रदेश संवाददाता

कोरबा। आज हर जगह मजदूर बेहद परेशान है। यह वह वर्ग है जो हर रोज कमाकर अपने लिए खाने का बंदोबस्त करता था। मगर कोरोना संक्रमण की वजह से देश में लगे लॉकडाउन से यह वर्ग अब भोजन के संकट से जूझ रहा है और किसी भी तरह अपने घर वापस लौटना चाहता है। यातायात के साधन पूरी तरह से बंद हैं। ऐसे में काम की तलाश में बाहर गए मजदूर अब घर लौटना चाहते हैं। आज कोरबा शहर मे ऐसे ही मजदूर भटकते हुए मिले। ये सभी पेंटिंग का काम करने रायपुर गये हुए थे। पर लॉकडाउन की वजह से इनके सामने रोज़ी रोटी का संकट खड़ा हो गया। काम नही मिलने पर अब ये सभी अपने घर उत्तर प्रदेश के गोरखपुर वापस लौटना चाहते है। कोरबा शहर मे भटक रहे मज़दूरो मनोज, बबलू, राधे श्याम, मुरलीधर, राम खेर, रवींद्रा, सोमनाथ, सुरेश ने बताया की उन्होने रायपुर मे भी मदद की गुहार लगाई लेकिन जब वहा मदद नही मिली तो वे पैदल ही गोरखपुर जाने निकल पड़े। इसी बीच कुछ ट्रक चालको ने उन्हे लिफ्ट देकर तोरवा पहुचाया। बिलासपुर और जांजगीर. चांपा मे पुलिस ने उन्हे लिफ्ट और खाना तो दिया पर गौरखपुर जाने तक का साधन उपलब्ध नही कराया।

सूरजपुर में श्रमिकों के लिए सर्व सुविधायुक्त क्वारंटाईन सेंटर तैयार

■ **प्रेमनगर विधायक एवं सरगुजा विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष**

■ **खेलसाय सिंह ने लिया जायजा**

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। राज्य शासन द्वारा लॉकडाउन की अवधि में विभिन्न राज्यों में फंसे श्रमिकों की होने वाली वापसी के मद्देनजर जिला मुख्यालय सूरजपुर के नजदीक सर्वसुविधायुक्त क्वारंटाईन सेंटर की व्यवस्था की गई है। प्रेमनगर विधायक व सरगुजा विकास प्राधिकरण अध्यक्ष खेलसाय सिंह ने आज इस सेंटर का निरीक्षण कर यहां की गई व्यवस्थाओं का जाएजा लिया। यहां अन्य राज्यों से आने वाले जिले के श्रमिकों को जिला प्रशासन द्वारा जवाहर नवोदय विद्यालय परिसर बसदेई में बनाए गए क्वारंटाईन सेंटर में रखा जाएगा। क्वारंटाईन सेंटर के निरीक्षण के दौरान खेलसाय सिंह ने जिला प्रशासन द्वारा किए गए सभी कार्यो पर संतुष्टी जताते हुए, कहा कि यह सेंटर पूर्णतः सुरक्षित है। उन्होंने यहां श्रमिकों के लिए ठहरने, आवास, चिकित्सीय परीक्षण सहित अन्य आवश्यक इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने कहा कि इससे कोरोना वायरस संक्रमण पर रोकने में मदद मिलेगी। इस मौके पर जिला प्रशासन के अधिकारियों ने बताया कि यहां फिजिकल डिस्टेंसिंग का ध्यान रखते हुए अन्य राज्यों से आने वाले स्थानीय श्रमिकों के लिए अलग-अलग कमरों की व्यवस्था की गई है। यहां ठहरने एवं भोजन के अलावा हैण्डवॉस, सेनेटाईजर, शौचालय आदि की समुचित व्यवस्था की गई है।

मनरेगा से बने कुंए ने बदली जिंदगी, सीमांत किसान उत्तम अब साल भर उगा रहे हैं सब्जी

सब्जी बेचकर लॉक-डाउन में भी हर महीने कमा रहे हैं दस हजार

धमतरी। मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गांरटी योजना) ग्रामीणों की जिंदगी कैसे बदल रही है, इसकी मिसाल है उत्तम साहू। धमतरी जिले के कुरूद विकासखंड के ग्राम चर्रा के सीमांत किसान उत्तम पहले मजदूरी करते थे। मनरेगा के तहत खेत में कुएं के निर्माण के बाद अब वे साल भर साग-सब्जियों की खेती करते हैं। वे सब्जी बेचकर मौजूदा लॉक-डाउन के दौर में भी हर महीने दस हजार रूपए कमा रहे हैं। कुएं के निर्माण और सब्जी की खेती शुरू करने के बाद से आर्थिक रूप से वे

लगातार मजबूत होते जा रहे हैं। उनके परिवार को मजदूरी के रुप में 26 हजार 436 रुपए मिले थे। कुएं के निर्माण में एक लाख 88 हजार रूपए की लागत आई थी। उत्तम साल भर भरे रहने वाले अपने कुएं में एक हॉर्स-पॉवर का पंप लगाकर सब्जियों की खेती कर रहे हैं। उनके खेतों में अभी चेंच भाजी, अमारी भाजी, पटवा भाजी, धनिया पत्ती, गलका, करेला, टमाटर और नींबू का उत्पादन हो रहा है।

मौजूदा लॉक-डाउन में बाजार न जाकर वे गलियों में आवाज देकर सब्जी बेच रहे हैं। इससे हर महीने उन्हें दस हजार रूपए की आमदनी हो रही है। उत्तम कहते हैं - 'महात्मा गांधी नरेगा से बने कुएँ के कारण आज लॉक-डाउन में भी मेरी रोजी-रोटी पर लॉक नहीं लगा है।'

कोविड-19 का संक्रमण रोकने लागू देशव्यापी लॉक-डाउन में मनरेगा के अंतर्गत आजीविका संवर्धन के लिए निर्मित परिसम्पत्तियों ने हितग्राहियों को आर्थिक संबल प्रदान करने के साथ ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी गतिमान बनाए रखा है। मनरेगा के कार्यों का लाभ व्यक्तिगत और सामुदायिक दोनों स्तर पर मिल रहा है।

जॉबकार्डधारियों की निजी भूमि पर डबरी निर्माण, निजी तालाब निर्माण, भूमि सुधार, कूप निर्माण, मुर्गी शेड, बकरी शेड, पशु शेड और मिश्रित फलदार पौधरोपण जैसे आजीविका संवर्धन के कार्य होने से उनके जीवन में तेजी से बदलाव आ रहा है।